जबलपुर बुधवार 29 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी

वर्ष 32 अंक 34 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏵⏵ 3

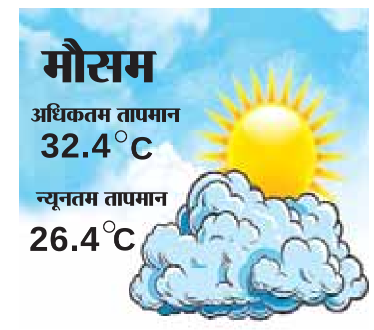

सूर्योदय - 5.39 | सूर्यास्त - 6.54

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत रविदास जी ... ⏵⏵ 4

मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में रेखा को मिलेगा ... ⏵⏵ 7

श्री शारदा चंद्रमोलेश्वर मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव... ⏵⏵ 8

शर्मिला ने पैरा शॉट पुट में गोल्ड जीतकर रचा इतिहास

ग्लासगो, (वार्ता)

शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की पहली पैरा एथलेटिक्स गोल्ड मेडलिस्ट बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। वहीं, उनकी साथी खिलाड़ी शिल्पा के. शायला ने महिलाओं के शॉट पुट 57 इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। सोमवार को देश के पैरा एथलीटों ने यहां यादगार प्रदर्शन किया। धनखड़ ने 9.81 मीटर का अपना सीजन-बेस्ट थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा एथलेटिक्स मेडल के लिए भारत के दो दशक लंबे इंतजार को खत्म किया। इस जीत के साथ ही वह हर चार साल में होने वाले इस इवेंट में पैरा एथलेटिक्स गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, जो भारतीय

दिव्यांग खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल था। भारत का जश्न तब और बढ़ गया जब शिल्पा ने 7.26 मीटर का अपना पर्सनल-बेस्ट थ्रो करके ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। नाइजीरिया की यूचारिया इयियाज़ी की एक कोशिश को अमान्य घोषित किए जाने के बाद यह भारतीय खिलाड़ी मेडल की दौड़ में शामिल हो गईं। वहीं दूसरी ओर, नेशनल रिकॉर्ड होल्डर तेजस शिर्से ने कॉमनवेल्थ गेम्स के पुरुषों के 110 मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचा। शिर्से ने अपनी हीट में 13.76 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और आठ फाइनलिस्ट में से एक के तौर पर आगे बढ़े। हालांकि, 24 वर्षीय खिलाड़ी का सफर निराशाजनक रूप से खत्म हुआ क्योंकि फाइनल के बीच में ही उन्हें चोट लग गई। चोट के बावजूद दौड़ पूरी करते हुए उन्होंने 15.39 सेकंड का समय लिया और आखिरी स्थान पर रहे, जबकि जमैका के डेमारियो प्रिंस ने 13.17 सेकंड में गोल्ड मेडल जीता। भारत ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में भी अच्छी प्रगति की, जहां कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के सिल्वर मेडलिस्ट मुरली श्रीशंकर ने 8.01 मीटर की शुरुआती छलांग के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह ग्रुप ए में ऑटोमैटिक क्वालीफाइंग मार्क को पार करने वाले एकमात्र एथलीट थे। लोकेश सत्यनाथन ने भी 7.77 मीटर का प्रदर्शन करके आगे जगह बनाई। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में, नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह का सफर हीट में ही खत्म हो गया। हालांकि उन्होंने अपनी रेस 10.39 सेकंड में पूरी करके दूसरा स्थान हासिल किया, लेकिन यह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए काफी नहीं था क्योंकि वह कुल मिलाकर 28वें स्थान पर रहे, जबकि क्वालीफाइंग स्टैंडर्ड 10.24 सेकंड था। बर्मिंघम 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले तेजस्विन शंकर को पुरुषों की हाई जंप में उस समय झटका लगा जब 2.05 मीटर की अपनी पहली कोशिश के दौरान चोट लगने के कारण उन्हें हटना पड़ा। इस चोट के कारण इस हफ्ते के आखिर में होने वाले डेकाथलॉन में उनके हिस्सा लेने पर भी संदेह पैदा हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रमंडल खेल के पदक विजेताओं को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सर्वेश कुशारे के दृढ़ संकल्प और निरंतरता की सराहना करते हुए इस उपलब्धि को असाधारण बताया। श्री मोदी ने कहा कि देश को सर्वेश कुशारे पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने भविष्य में उनकी और अधिक सफलताओं की कामना की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में सर्वेश कुशारे ने शानदार रजत पदक जीता! उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता सराहनीय रही है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई। भारत को उन पर गर्व है। भविष्य में उनकी और भी सफलताओं की कामना करते हैं। नरेन्द्र मोदी ने पुरुषों के 79 किलोग्राम भारोत्तोलन वर्ग में रजत पदक जीतने पर वल्लूरी अजय बाबू को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि वल्लूरी अजय बाबू ने स्नैच स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाकर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। श्री मोदी ने भविष्य के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, भारोत्तोलन में भारत के लिए और अधिक गौरव!

दतिया उपचुनाव का प्रचार थमा, अब मतदाताओं के फैसले का इंतजार

दतिया

मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मंगलवार शाम चुनाव प्रचार थम गया। अब सभी की निगाहें 30 जुलाई को होने वाले मतदान पर टिकी हैं, जबकि 3 अगस्त को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। प्रचार के अंतिम दिन प्रमुख राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान की अपील की। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में जनसभाएं कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया।

दिल्ली यमुना में डूबे 4 दोस्त, 2 के शव बरामद, 2 की तलाश जारी

नई दिल्ली, (वार्ता)

राजधानी दिल्ली के गीता कॉलोनी इलाके में सोमवार शाम यमुना नदी में नहाने गए चार दोस्त तेज बहाव की चपेट में आ गए। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। मंगलवार सुबह करीब दस बजे राजन (32) का शव नदी से बाहर निकाला गया, जबकि सोनू (35) का शव सोमवार देर शाम करीब आठ बजे स्थानीय गोताखोरों की मदद से निकाल लिया गया था। घटना में लापता दो अन्य दोस्तों हेमंत (27) और सचिन (35) की तलाश के लिए जारी अभियान को खराब मौसम और बारिश के कारण फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश के विकास को मिली रफ्तार

कैबिनेट ने 2,480 करोड़ रुपये के विकास प्रस्तावों को दी मंजूरी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना विस्तार और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विभिन्न योजनाओं के लिए लगभग 2,480 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए आइआइएसइआर भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा आईटी पार्कों के विकास के लिए 857 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। वर्ष 2031 तक आईटी पार्कों के संचालन की निरंतरता बनाए रखने का भी निर्णय लिया गया, जिससे करीब 8,000 युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।

भोपाल में होगी महिला एशियन हॉकी चौंपियंस ट्रॉफी

कैबिनेट ने अक्टूबर 2026 में भोपाल के बरखेड़ा नाथू स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महिला एशियन हॉकी चौंपियंस ट्रॉफी-2026 के आयोजन के लिए 18.74 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक मंजूरी दी। प्रतियोगिता में भारत, चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड की छह प्रमुख महिला टीमें भाग लेंगी।

सिंचाई परियोजनाओं को मिली मंजूरी

सिंगरौली की रिहंद माइक्रो सिंचाई परियोजना के संचालन के लिए 111.04 करोड़ रुपये तथा मंदसौर की मल्हारगढ़ वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 184.20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इन परियोजनाओं से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी और किसानों को सीधा लाभ होगा।

आईटी पार्कों से 8 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

प्रदेश में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के आईटी पार्कों के संचालन की निरंतरता के लिए 595 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इस योजना से 8,000 से अधिक युवाओं को कौशल आधारित रोजगार मिलने की संभावना है, जबकि अब तक करीब 22 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

किसान और महिलाओं के लिए बड़े फैसले

कैबिनेट ने रिहन्द और मल्हारगढ़ सिंचाई परियोजनाओं के संचालन तथा किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान योजना को जारी रखने की मंजूरी दी। वहीं मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तिकरण के लिए 198 करोड़ रुपये तथा कर्मचारी कल्याण, पेंशन एवं बीमा योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

प्रशासनिक ढांचे को भी मिलेगी मजबूती

बैठक में ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का नया वृत्त कार्यालय स्थापित करने तथा मंदसौर जिले के नारायणगढ़ में 9 नए न्यायिक पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई।

हर शुक्रवार चलेगा जन विश्वास अभियान

कैबिनेट ने प्रदेश में जन विश्वास अभियान शुरू करने का फैसला भी लिया। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी सीधे जनता के बीच जाकर समस्याओं का समाधान करेंगे। इस दिन नियमित बैठकों के बजाय फ ील्ड विजिट को प्राथमिकता दी जाएगी। अभियान की दो सप्ताह बाद समीक्षा भी की जाएगी।

जंतर मंतर प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

18 वर्ष से कम आयु के छात्रों की तत्काल रिहाई के निर्देश, पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच होगी

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के जिन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है और जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र, दिल्ली तथा सभी राज्य सरकारों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादतियों के आरोप गंभीर हैं और इनकी निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि यह मामला किसी स्वतंत्र आयोग द्वारा पारदर्शी जांच के योग्य है, जिससे भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल भी तैयार किया जा सके। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिसने भी कानून को अपने हाथ में लिया है या किसी भी प्रकार की ज्यादती की है, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है और निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन होने पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है।

चंबा में दर्दनाक सड़क हादसा, खाई में गिरी कार

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

डलहौजी। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में सोमवार देर रात पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहड़ गांव के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक वर्षीय मासूम भी शामिल है। परिवार चंडीगढ़ से बच्चे का उपचार कराकर अपने घर लौट रहा था, तभी कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन लगातार हो रही भारी बारिश और बनीखेत के पास राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफ ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी शवों को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान चालक बचन सिंह, उनके पुत्र एवं हिमाचल प्रदेश पुलिस की सेकेंड आईआरबीएन में तैनात रिपन कुमार, पुत्रवधू रिम्पी,

रिश्तेदार कीर्ति तथा एक वर्षीय मासूम के रूप में हुई है। कीर्ति चंडीगढ़ में पढ़ाई करती थी और परिवार के साथ घर लौट रही थी। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी ने हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक ही परिवार के पांच सदस्यों की असामयिक मौत से पूरे चंबा जिले में शोक की लहर है और क्षेत्र में मातम का माहौल व्याप्त है।

देवआनंद के बेटे सुनील आनंद का निधन

लंदन। अपने जमाने के मशहूर दिवंगत अभिनेता देव आनंद के बेटे सुनील आनंद का निधन हो गया है। करीब 70 साल की उम्र में लंदन में उन्होंने आखिरी सांस ली। सुनील की बहन देविना आनंद की बेटी गिनी नारंग ने एक बयान जारी कर अपने मामा के निधन की पुष्टि की है। साथ ही बयान में उन्होंने लोगों से कहा कि इस दुख की घड़ी में उनके परिवार की निजता का सम्मान किया जाए। सूत्रों के मुताबिक सुनील आनंद को दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ा था, जिसके बाद उन्हें लंदन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 28 जुलाई की सुबह उनका निधन हो गया। गौर करने वाली बात ये है कि जिस अस्पताल में साल 2011 में देव आनंद ने आखिरी सांस ली थी, उसी अस्पताल में उनके बेटे सुनील ने भी दुनिया को अलविदा कहा।

मेटा ने तकनीकी त्रुटि बताकर हटाया प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो बहाल किया, केंद्र ने किया तलब

नई दिल्ली (वार्ता)

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो हटाए जाने के मामले में मेटा के वैश्विक प्रमुख को तलब किया है। इस बीच मेटा ने वीडियो हटाए जाने पर खेद व्यक्त करते हुए कहा है कि यह कार्रवाई तकनीकी त्रुटि के कारण हुई थी और वीडियो को बहाल कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और मेटा की ओर से दी गयी तकनीकी त्रुटि की सफाई के साथ-साथ उन परिस्थितियों की भी जांच कर रही है, जिनके कारण वीडियो हटाया गया। इसी सिलसिले में मंत्रालय ने मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के अधिकारियों को तलब किया है। मेटा के प्रवक्ता ने वीडियो बहाल होने के बाद मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, यह सामग्री गलती से

हटा दी गयी थी और अब उसे बहाल कर दिया गया है। श्री मोदी का यह वीडियो 23 जुलाई को अपलोड किया गया था, जिसमें उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित छात्र प्रदर्शन के दौरान जेन-ज़ेड को संबोधित करते हुए शिक्षा सुधारों और परीक्षा प्रणाली पर अपनी बात रखी थी। अपने संबोधन में श्री मोदी ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान लाने और फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना करने की बात कही थी।

16 माओवादियों का सरेंडर

रांची। झारखंड पुलिस के समक्ष मंगलवार को 16 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें छह माओवादी ऐसे हैं, जिन्हें पकड़ने में मदद करने वालों को कुल 39 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई थी। आत्मसमर्पण करने वालों में संतोष महतो उर्फ बासुदेव दा उर्फ दिलीप भी शामिल है। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का क्षेत्रीय समिति सदस्य था और उसके खिलाफ 128 मामले दर्ज हैं। आत्मसमर्पण करने वाले समूह में पांच महिला सदस्य भी शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि भाकपा (माओवादी) के जोनल समिति सदस्य चंदन लोहरा ने भी आत्मसमर्पण किया है। उसके खिलाफ 78 मामले दर्ज थे और उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने छह इंसास राइफल, दो एके 47 राइफल, 38 मैगजीन और 1,562 कारतूस भी पुलिस को सौंपे हैं।

देश के नौजवानों से डरती क्यों है सरकार?

लोकसभा में प्रियंका गांधी का सरकार पर तीखा हमला, एंटी पेपर लीक बिल पर विपक्ष ने उठाए परीक्षा व्यवस्था पर सवाल

नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशन (संशोधन) विधेयक-2026 पर चर्चा के दौरान लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस, डीएमके समेत विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली तथा छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। विपक्ष की मांग पर इस विधेयक पर चर्चा का समय छह घंटे से बढ़ाकर दस घंटे कर दिया गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब वह घायल छात्रा से मिलने अस्पताल पहुंचीं तो उसकी मां ने उनसे पूछा, जिसने मेरी बेटी का यह हाल किया, क्या वह भी मिलने आया है? प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से सवाल किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज, पेलेट गन और बल प्रयोग की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने पूछा कि पेलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया और सरकार आखिर देश के युवाओं की आवाज से क्यों डरती है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने परीक्षा सुधार संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने एजेंसी के महानिदेशक को बदल दिया है तो उसके अध्यक्ष को पद पर बनाए रखने का क्या औचित्य है। उन्होंने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। प्रियंका गांधी ने कहा कि

देशभर के हजारों छात्र गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी मांग केवल इतनी थी कि पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगे और शिक्षा माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए जीवनभर की जमा-पूंजी खर्च कर देते हैं, लेकिन लगातार हो रहे पेपर लीक से मेहनती विद्यार्थियों का भविष्य संकट में पड़ रहा है। उन्होंने दोषियों और छात्रों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

वन इंडिया, वन एग्जाम पर भी सवाल

डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने भी विधेयक पर चर्चा के दौरान सरकार की परीक्षा व्यवस्था की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में श्वन इंडिया, वन एग्जामश् की अवधारणा व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने सरकार की शिक्षा नीति और परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

देर तक चली बहस

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी दलों के सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर दिया। विपक्ष ने परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही और छात्रों के अधिकारों से जुड़े कई मुद्दे उठाए, जबकि सरकार ने विधेयक को परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 29 जुलाई 2026

हफ्ते भर बाद हुई शहर में झमाझम बारिश

सड़कें बनीं नदियां, जलभराव से आमजन परेशान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आखिरकार मानसून ने एक हफ्ते की लंबी छुट्टी के बाद शहर में धमाकेदार वापसी की है। मंगलवार को हुई झमाझम बारिश से शहरवासियों को भीषण उमस और चिलचिलाती गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन इस राहत के साथ-साथ जलभराव की आफत भी मुफ्त में मिल गई। हफ्ते भर से बूंद-बूंद को तरस रहे लोग बारिश की पहली बूंदों के साथ खिलखिला उठे, लेकिन यह खुशी जल्द ही परेशानी में बदल गई। मौसम के इस बदले मिजाज से तापमान में नाममात्र की गिरावट आई। जबकि नमी के कारण उमस बनी रही। मंगलवार को जबलपुर का अधिकतम 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया।

सड़कों पर बहा जल-जुलूस- थोड़ी ही देर की बारिश ने शहर की सफाई और जल-निकासी व्यवस्था का जुलूस निकाल दिया और नगर निगम के तमाम दावों की हवा निकाल दी। शहर के प्रमुख इलाकों की सड़कें देखते ही देखते पानी से लबालब भर गईं। चौक पड़ी नालियों के कारण पानी आगे नहीं बढ़ पाया, जिससे घुटनों तक जलभराव हो गया। बदहाल जल निकासी की व्यवस्था के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों को पानी के बीच से निकलने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई स्थानों पर गाड़ियां बंद हो जाने के कारण चालकों को धक्का मारते देखा गया। नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था और दावे पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई है। जिसका खामियाजा शहर की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

अवैध रुपयों की मांग कर दो बदमाशों ने शारदा चौक में मचाया आतंक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना क्षेत्रातंर्गत शारदा चौक पीली बिल्डिंग के पास बीती रात दो बदमाशों ने जमकर आतंक मचाया। आरोपियों ने पहले तो एक युवक से शराब पीने अवैध तरीके से रुपयों की मांग की, जब उसने मना किया तो उसे चाकू लेकर दौड़ाया, जब एक ऑटो चालक ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उस पर चाकू से हमला कर चेहरे में चोट पहुंचा दी। एक अन्य युवक ने बीच बचाव करना चाहा तो उसके साथ डंडे से मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है। पुलिस ने बताया कि पचमठा मंदिर सिंगरहा मोहल्ला निवासी 37 वर्षीय शेख फिरोज बीती रात करीब आठ बजे सब्जी लेकर घर लौट रहा था। जैसे ही वह पीली बिल्डिंग शारदा चौक पहुंचा, उसी समय उसे पिन्टू सुल्तानी अपने साथी अंजार के साथ मिला। जिन्होंने उससे शराब पीने के लिये एक हजार रुपये की मांग की। शेख फिरोज ने रुपये देने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने गालीगलौज शुरु कर दी। इसी बीच आरोपी पिन्टू सुल्तानी ने चाकू निकालकर शेख फिरोज पर हमला करना चाहा, जिससे वह अपनी जान बचाकर भागा। रास्तें में ऑटो चालक शफीक भाईजान ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो आरोपी पिंटू ने उन पर चाकू से हमला कर गाल में चोट पहुंचा दी।

मेडिकल विश्वविद्यालय का विखंडन वापस ले सरकार

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा संभागीय उपायुक्त को ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में आज संभागीय आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय को यथावत जबलपुर में बनाए रखने तथा उसकी प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की गई, ज्ञापन संभागीय उपायुक्त श्रीमती दिव्या अवस्थी को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय की परिकल्पना वर्ष 2003 में की गई थी तथा वर्ष 2011 में इसकी स्थापना हुई। यह विश्वविद्यालय जबलपुर सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पिछले लगभग 15 वर्षों में विश्वविद्यालय ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और वर्तमान में इसके अधीन 100 से अधिक मेडिकल एवं संबद्ध महाविद्यालय, हजारों विद्यार्थी तथा सैकड़ों शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यरत हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि किसी स्थापित एवं सुव्यवस्थित विश्वविद्यालय का विभाजन चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के बजाय प्रशासनिक जटिलताएँ बढ़ाएगा तथा जबलपुर की ऐतिहासिक शैक्षणिक पहचान को कमजोर करेगा। यदि शासन को प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की कठिनाई है तो उसका समाधान विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत कर किया जाना चाहिए, न कि उसका विखंडन करके। इस अवसर पर रिवान अली कोटी, बादल पंजवानी, कपिल भोजक, अमित सोनकर, सागर शुक्ला, रिंकू बदलानी, आयुष पहारिया,शफी खान, जफर खान, अनुराग शुक्ला, एजाए अंसारी, अदील सैय्यद, युग ठाकुर आदि उपस्थित थे।

सास की प्रताड़ना के चलते बहू ने लगाई थी फांसी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी में मोनिका चौधरी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने के मामले में पुलिस ने सास द्वारा प्रताड़ित किये जाने का मामला पाया है। पुलिस ने मामले में सास कृपा देवी के खिलाफ आत्महत्या दुष्प्रेरण का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि विगत 15 जुलाई की सुबह 35 वर्षीय मोनिका चौधरी ने अपने घर में फांसी लगा ली थी। जिसे उनका पति सुभाष मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंचा था, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया था। जांच दौरान पुलिस ने मृतिका के मायके पक्ष व उसकी बेटियों के कथन लिये। जिसमें पाया गया कि मृतिका की सास कृपा देवी अक्सर मोनिका को परेशान करती थी। घटना दिनांक को भी दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ था, जिस कारण से ही मोनिका ने अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली थी। पुलिस ने मामले में सास कृपा देवी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे विवेचना में लिया है।

7 अगस्त की रात से थमेंगे बसों के पहिए

आईएसबीटीबस ऑपरेटर एसोसिएशन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बस किराया वृद्धि एवं विभिन्न लंबित मांगों को लेकर बस ऑपरेटरों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में आज आईएसबीटी बस ऑपरेटर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष कमल किशोर तिवारी के नेतृत्व में कलेक्टर को मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार द्वारा 7 अगस्त तक बस ऑपरेटरों की वाजिब मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो आगामी 7 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे से संपूर्ण प्रदेश में बसों का संचालन पूर्णत: बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। बस ऑपरेटरों का कहना है कि पिछले लंबे समय से डीजल की कीमतों में भारी उछाल आया है और रखरखाव लागत बढ़ गई है, लेकिन बसों के किराए में अपेक्षित वृद्धि नहीं की गई है। इसके अलावा परिवहन नीति व अन्य समस्याओं को लेकर लगातार शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है, फिर भी कोई सकारात्मक समाधान नहीं निकाला गया, जिसके चलते एसोसिएशन को हड़ताल पर जाने का कड़ा कदम उठाना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र साहू, शंकर दयाल शर्मा, नसीम बेग, अजय पाठक, प्रहलाद छुगानी, दिलीप मंगलानी, नरेश रजक, दीपेंद्र डोंगरे, माजिद खान, संजय समाधिया, संजय शर्मा, मनीष जैन, नौशाद कादरी, अनहद तिवारी, सचिन मिश्रा, एवं सत्यम तिवारी सहित एसोसिएशन के अन्य सदस्य भारी संख्या में मौजूद रहे।

आज भगवान जगन्नाथ स्वामी मौसी के घर से अपने धाम लौटेंगे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ मौसी के घर में विश्राम करने के उपरांत 12 दिनों बाद कल अपने धाम वापस लौटेंगे। वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कल बुधवार 29 जुलाई को शाम 5 बजे बड़ी खेरमाई मंदिर से निकाली जाएगी। साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी भाई बहिन के साथ भक्तो को दर्शन देते हुए अपनी मौसी के घर विश्राम करने जाते है. परंपरा अनुसार साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली रथयात्रा के पश्चात भगवान अपने मंदिर से बड़ी खेरमाई मंदिर स्थित सिंहवाहनी मंदिर में अपनी मौसी के घर विराजित होते है जहाँ से 12 दिन बाद वापसी रथयात्रा निकाली जाती है और भगवान अपने मंदिर में विराजित होते है। श्री साहू ने बताया साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली वापसी रथयात्रा कल बड़ी खेरमाई मंदिर से प्रारम्भ होंगी जो हनुमानताल, घोड़ानक्कास, मिलोनीगंज चौक, कोतवाली, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, चरहाई होते हुए गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला में सम्पन्न होंगी।

5 स्टेशनों पर स्थापित हुए अनुमोदित आधुनिक फायर अलार्म सिस्टम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन और अपनी संपत्तियों की सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया । मंडल के अंतर्गत आने वाले सागर, सलैया, सुमरेरी, असलाना एवं बीना मालखेड़ी जंक्शन स्टेशनों पर स्थापित पुरानी गैर-अनुमोदित फायर अलार्म प्रणालियों को बदल दिया गया है। इनकी जगह अब पूर्णत: अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा अनुमोदित अत्याधुनिक फायर अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं। रेलवे सुरक्षा को और अधिक पुख्ता बनाने के लिए रेलवे बोर्ड और आरडीएसओ के तय मानकों के अनुरूप इन स्टेशनों पर 'एस्पिरेशन टाइप फायर अलार्म प्रणाली' भी लगाई गई है। यह हाई-टेक प्रणाली बेहद संवेदनशील है और धुएं के अत्यंत सूक्ष्म कणों का प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाने में सक्षम है।

एपी नर्मदा महाविद्यालय द्वारा किया गया औद्योगिक भ्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ए.पी.एन. महाविद्यालय के द्वारा बरगी स्थित मध्य प्रदेश पी.आई.यू. जल निगम मर्यादित, जबलपुर में महाविद्यालय के छात्रों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में पी.आई.यू. के प्रोजेक्ट मैनेजर कार्तिकेयन एस., क्वालिटी इंचार्ज राजीव राय, वेंकट दुर्गा, संदीप सिंह एवं विशाल राज मेहरा की विशेष भूमिका रही । इस भ्रमण का सफल समन्वय डॉ सुमन मेहरा द्वारा किया गया। भ्रमण के दौरान प्लांट के अधिकारियों द्वारा छात्रों को वाटर प्यूरीफिकेशन के सभी सामंजस्य की विस्तार से जानकारी दी, साथ ही समस्त

प्यूरीफायर्स स्पेस का विजिट करवाया गया। छात्रों ने उसमें अपने प्रश्नों एवं जिज्ञासा को अधिकारियों के समक्ष रखा, जिसे अधिकारियों द्वारा विस्तार से सभी प्रश्नों का जबाव दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रों के साथ समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिह, प्राचार्या डॉ सोनल खरे महाविद्यालय को बधाई प्रेषित की।

विद्यार्थियों से करवा रहे हेल्पर का काम

मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, प्रतिवेदन तलब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल प्रारम्भ होने पर बच्चों को तिलक लगाकर व फूल बरसाकर उत्सव मनाया गया था जो मात्र एक दिखावा साबित हुआ। जिले के नागपुर रोड, टोल नाला से एक किमी की दूरी पर स्थित बहोरीपार शासकीय एकीकृत शाला में मध्यान्ह भोजन के बाद स्कूली बच्चों से थाली धुलवाई जाने का मामला सामने आया है। शाला में मध्यान्ह भोजन के बाद थालियां धोने का काम हेल्पर का है। जिम्मेदारो की लापरवाही के कारण बच्चों को स्कूल के बाहर लगे हैंड पम्प मे थालिया धोने जाना पड़ता है, जबकि वहां हेल्पर नियुक्त भी है। इसके बावजूद बच्चों से ही भोजन के बाद थालियां धुलवाई जाती है। इसके साथ ही जर्जर घोषित हो चुके भवन में ही बच्चों को भोजन कराया जा रहा है। इस कारण बड़ा हादसा होने पर उनकी जान को खतरा हो सकता है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय

कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर मामले को जनहित में संज्ञान में लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना अधिकारी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

गुरु चरणों में उमड़ेगी आस्था

आश्रमों में पूजन दीक्षा और भंडारों की धूम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को सिहोरा एवं आसपास के आश्रमों और मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहेगा। श्रद्धालु अपने गुरु का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे तथा भंडारों में प्रसाद ग्रहण करेंगे। प्रमुख आश्रमों में आयोजन भरभरा एवं भटिया आश्रम में परम पूज्य 1008 बनवारी दास महाराज का पूजन होगा। शैलेश्वर धाम सैलवारा में संत कैलाशानंद महाराज के सानिध्य में ब्रह्मलीन प्रकाशवन अवधूत महाराज की पादुका पूजन होगी। कुर्रे स्थित लोढ़ा सिद्धन धाम में 1008 बाल संत सीताशरण जू महाराज एवं महंत सीताराम शरण जू महाराज का गुरु पूजन, कन्या भोज, ब्राह्मण भोज और भंडारा होगा। गोसलपुर धाम में ब्रह्मलीन शिवदत्त महाराज, पचपेड़ी पोंडा में ब्रह्मलीन सखी बाबा महाराज तथा बजरंगबाड़ा बरगी में ब्रह्मलीन जली बाबा महाराज की पादुका पूजन होगी। दीक्षा और भंडारे कटाव धाम रानीताल में संत सियाबल्लभ दास वेदांती महाराज के सानिध्य में मंगल कलश यात्रा, गुरु दीक्षा और भंडारा होगा। कृष्ण कृपा धाम, संत निकुंज भेड़ा में संत ब्रह्मानंद दास महाराज तथा श्री नृसिंह मंदिर खितौला में महंत गोविंद दास महाराज द्वारा जगतगुरु रामानंदाचार्य एवं स्वामी द्वारिका दास के पूजन के साथ महोत्सव मनाया जाएगा।

हाईकोर्ट परिसर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने किया आर्बिट्रेशन-मीडिएशन सेंटर का लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आज उच्च न्यायालय परिसर में नवनिर्मित आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर,सिल्वर जुबली हाल के प्रथम तल पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) सुविधा तथा गेट क्रमांक-3 के समीप स्थित लिफ्ट क्रमांक-5 का लोकार्पण किया गया। आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर में चार अत्याधुनिक आर्बिट्रेशन कक्ष एवं चार पूर्णत: सुसज्जित मीडिएशन कक्ष स्थापित किए गए हैं, जो वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन कक्षों में आधुनिक तकनीकीय अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे मध्यस्थता एवं पंचनिर्णय की कार्यवाही अधिक प्रभावी, गोपनीय एवं सुगम वातावरण में संपन्न हो सकेगी। प्रथम तल पर स्थापित नवीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) सुविधा में तीन स्वतंत्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं, जिनमें एक ही समय पर तीन अधिवक्ता विभिन्न न्यायालयों के समक्ष वर्चुअल माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। यह सुविधा अधिवक्ताओं के समय की बचत करने के साथ-साथ न्यायिक कार्यवाही को अधिक दक्ष एवं सुगम बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं एवं न्यायालय में आने वाले पक्षकारों की सुविधा के लिए निर्मित लिफ्ट क्रमांक-5 का भी लोकार्पण किया गया। यह लिफ्ट विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य न्यायालय उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन को अधिक सुगम बनाएगी।

डिजिटल सुविधाओं का विस्तार- लोकार्पण समारोह न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल, न्यायाधीशगण,मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सिंह, रजिस्ट्रार जनरल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, अन्य रजिस्ट्रारगण, न्यायिक अधिकारी, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, अधिवक्तागण तथा न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना एवं तकनीक का समुचित उपयोग न्याय तक सरल, त्वरित एवं प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने का आधार है। उन्होंने कहा कि आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन जैसी वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणालियों को प्रोत्साहित करने तथा डिजिटल सुविधाओं का विस्तार करने से न्याय वितरण प्रणाली और अधिक प्रभावी, सुलभ एवं जनोन्मुखी बनेगी। आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा एवं लिफ्ट क्रमांक-5 का लोकार्पण मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक अधोसंरचना के आधुनिकीकरण, वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा अधिवक्ताओं एवं न्यायालय के अन्य हितधारकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

गुरु पूर्णिमा विशेषः भारतीय संस्कृति में गुरु का महत्व

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और आध्यात्मिक संस्कृतियों में से एक है। इस संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष स्थान है। भारतीय समाज में गुरु को केवल शिक्षक नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन का पथप्रदर्शक माना गया है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व मनाया जाता है। यह दिवस अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इसी दिन महर्षि वेदव्यास की जयंती भी मनाई जाती है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

महर्षि वेदव्यास का योगदान

महर्षि वेदव्यास भारतीय संस्कृति के महान ऋषि, दार्शनिक और साहित्यकार थे। उन्होंने वेदों का संकलन किया तथा महाभारत जैसे विश्वप्रसिद्ध महाकाव्य की रचना की। उनके द्वारा रचित श्रीमद्भागवत महापुराण, ब्रह्मसूत्र और अन्य ग्रंथ भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अतुलनीय योगदान के कारण उन्हें आदिगुरु का सम्मान प्राप्त है और गुरु पूर्णिमा का पर्व उनकी स्मृति को समर्पित है।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान माता-पिता के समान सम्माननीय माना गया है। गुरु केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे अपने शिष्यों में सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, करुणा, सेवा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। भारतीय परंपरा में कहा गया है कि गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। यही कारण है कि गुरु को ईश्वर के समान पूजनीय माना गया है।

गुरुकुल परंपरा और शिक्षा का आदर्श

प्राचीन भारत में गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था प्रचलित थी। विद्यार्थी गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वहाँ उन्हें केवल शास्त्रों का ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मसंयम, प्रकृति से प्रेम, श्रम का सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सिखाया जाता था। गुरुकुल की शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम थी। आज शिक्षा का स्वरूप आधुनिक हो गया है, फिर भी गुरु का महत्व और उनकी भूमिका आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

आधुनिक युग में गुरु की भूमिका

आज विज्ञान, इंटरनेट, डिजिटल शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन किए हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यमों से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन कोई भी तकनीक गुरु का स्थान नहीं ले सकती। गुरु केवल जानकारी नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानते हैं, उनके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं, नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं और जीवन की चुनौतियों का सामना करने का आत्मविश्वास प्रदान करते हैं।

कंचन बलैया
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

छात्र जीवन में अनुशासन का महत्व

अनुशासन ही सफ लता की पहली सीढ़ी है। यह केवल एक प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का अटल सत्य है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन वह आधार है, जिस पर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होता है। यह हमें समय का सम्मान करना, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना तथा सही और गलत में अंतर समझना सिखाता है।

विद्यालय में अनुशासन का पालन करना केवल नियमों का अनुसरण करना नहीं है, बल्कि स्वयं को जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और संस्कारी बनाना भी है। समय पर विद्यालय पहुँचना, नियमित अध्ययन करना, गृहकार्य पूरा करना, शिक्षकों का सम्मान करना, सहपाठियों के प्रति सद्भाव रखना तथा विद्यालय की संपत्ति की रक्षा करना एक अनुशासित विद्यार्थी के गुण हैं।

अनुशासन से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, धैर्य, आत्मसंयम और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। यह उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने और अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। खेल, कला, विज्ञान या शिक्षाकृहर क्षेत्र में सफ लता के पीछे अनुशासन और निरंतर अभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आज के तकनीकी युग में अनुशासन का अर्थ डिजिटल अनुशासन भी है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग, पढ़ाई और मनोरंजन के बीच संतुलन तथा समय का प्रभावी प्रबंधन प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है।

एक अनुशासित विद्यार्थी न केवल अपने परिवार और विद्यालय का गौरव बढ़ाता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी एक आदर्श नागरिक बनता है। इसलिए हमें अनुशासन को किसी बंधन के रूप में नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने और जीवन को सफल बनाने के साधन के रूप में अपनाना चाहिए।

स्नेहलता श्रीवास्तव
प्राचार्य
हितकारिणी कन्या उ.मा.शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

मानव विकासः नदियों की गोद में पनपी सभ्यताएँ

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास नदियों के बिना अधूरा है। प्राचीन काल में जब मनुष्य स्थायी जीवन की ओर अग्रसर हुआ, तब उसने अपने निवास के लिए नदियों के किनारों को चुना। नदियों ने उसे जल, उपजाऊ भूमि, भोजन, परिवहन और व्यापार जैसी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कीं। यही कारण है कि विश्व की अधिकांश महान सभ्यताओं का जन्म नदियों के तट पर हुआ। इसलिए नदियों को मानव सभ्यता की जीवनरेखा और सभ्यता की जननी कहा जाता है।

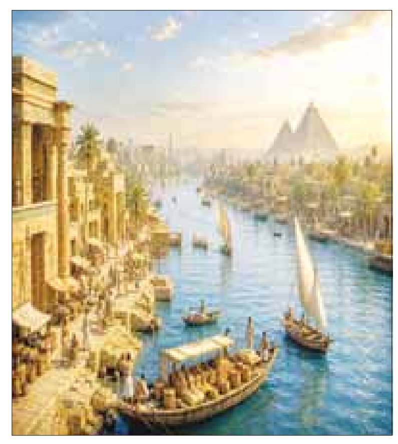

नदियों के किनारे क्यों विकसित हुई सभ्यताएँ?

प्राचीन समय में जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता जल था। नदियों के किनारे खेती के लिए उपजाऊ मिट्टी, पीने का पानी, पशुपालन और आवागमन की सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध होती थीं। नदियाँ व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी प्रमुख माध्यम थीं। इन्हीं कारणों से लोग नदी तटों पर बसते गए और धीरे-धीरे संगठित समाज तथा विकसित सभ्यताओं का निर्माण हुआ।

दुनिया की प्रमुख नदी घाटी सभ्यताएँ

विश्व इतिहास की चार प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं। सिंधु घाटी सभ्यता सिंधु नदी के तट पर, मिस्र की सभ्यता नील नदी के किनारे, मेसोपोटामिया सभ्यता दजला (टिगरिस) और फरात (यूफ्रेट्स) नदियों के मध्य तथा चीनी सभ्यता ह्वांगहो (पीली नदी) के तट पर विकसित हुई। इन सभ्यताओं ने कृषि, नगर नियोजन, व्यापार, लेखन, विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की, जिसका प्रभाव आज भी विश्व इतिहास में देखा जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में नदियों का महत्व

भारत में नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी नदियों ने भारतीय जीवन, कृषि, व्यापार और धार्मिक परंपराओं को समृद्ध बनाया है। आज भी अनेक नगर, तीर्थ और सांस्कृतिक केंद्र नदियों के किनारे स्थित हैं। भारतीय संस्कृति में नदियों को मातृस्वरूप मानकर उनका सम्मान किया जाता है।

लैंगिक समानता से बनेगा विकसित भारत

आज का युग विज्ञान, तकनीक और आधुनिक सोच का युग है, फिर भी समाज में लैंगिक असमानता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। लैंगिक समानता का अर्थ है कि महिलाओं और पुरुषों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, निर्णय लेने और विकास के प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकार, अवसर और सम्मान प्राप्त हों। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब उसकी आधी आबादी को भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। एक सशक्त समाज का निर्माण समानता की नींव पर होता है। जब बेटियों और बेटों को समान शिक्षा, पोषण और अवसर मिलते हैं, तब समाज में आत्मनिर्भरता, नवाचार और आर्थिक विकास को गति मिलती है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी परिवार, समाज और राष्ट्र को अधिक समृद्ध और सशक्त बनाती है। आज महिलाएँ विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, खेल, राजनीति, रक्षा, प्रशासन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रही हैं। उनकी सफलताएँ यह सिद्ध करती हैं कि प्रतिभा किसी लिंग की मोहताज नहीं होती। सरकार द्वारा महिला शिक्षा, सुरक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली अनेक योजनाएँ भी सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।
प्रगति के बावजूद समाज के कई हिस्सों में वेतन असमानता, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, दहेज प्रथा और कार्यस्थलों पर भेदभाव जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। कई परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। ऐसी सोच सामाजिक विकास में सबसे बड़ी बाधा है।
लैंगिक समानता की शुरुआत परिवार से होती है। यदि बच्चों को बचपन से ही समानता, सम्मान और सहयोग के संस्कार दिए जाएँ, तो वे जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनेंगे। विद्यालय भी विद्यार्थियों में समान अधिकार, मानवता और सामाजिक न्याय की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

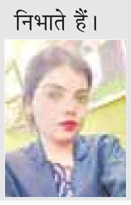

रोशनी जायसवाल
शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर

जल संरक्षण, समय की आवश्यकता, भविष्य की सुरक्षा

जल ही जीवन है यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन का शाश्वत सत्य है। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व जल पर ही निर्भर करता है। पीने, कृषि, उद्योग, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रत्येक क्षेत्र में जल की महत्वपूर्ण भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, जल प्रदूषण और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण आज विश्व जल संकट की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में जल संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

जल प्रकृति का अनमोल उपहार है। इसके बिना मनुष्य, पशु-पक्षी, वनस्पतियाँ और समस्त जीव-जगत का जीवन संभव नहीं है। खेती, खाद्य उत्पादन, उद्योग, स्वच्छता और दैनिक जीवन की प्रत्येक गतिविधि जल पर निर्भर करती है। यही कारण है कि जल को जीवन की आधारशिला कहा जाता है।

आज जल संकट के पीछे अनेक कारण हैं। भूजल का अंधाधुंध दोहन, नदियों और तालाबों का प्रदूषण, वनों की कटाई, वर्षा जल का उचित संग्रहण न होना तथा बढ़ती जनसंख्या इसके प्रमुख कारण हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप भी बदल रहा है, जिससे कई क्षेत्रों में सूखे और जल की कमी की समस्या बढ़ती जा रही है। जल संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना, नलों से होने वाले जल अपव्यय को रोकना, तालाबों और कुओं का संरक्षण करना, वृक्षारोपण करना तथा जल का सोच-समझकर उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। कृषि में ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भी बड़ी मात्रा में जल बचाया जा सकता है। इसके साथ ही उद्योगों में जल पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) को बढ़ावा देना भी समय की मांग है।

क्या आप जानते हैं?

1 दुनिया की सबसे प्राचीन विकसित सभ्यताओं में सिंधु घाटी सभ्यता का नाम प्रमुखता से लिया जाता है, जो लगभग 2500 ईसा पूर्व विकसित हुई थी।
2 कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने हिंसा का मार्ग छोड़कर बौद्ध धर्म और शांति का संदेश अपनाया।
3 दिल्ली का प्रसिद्ध लौह स्तंभ लगभग 1600 वर्षों से बिना जंग लगे खड़ा है, जो प्राचीन भारतीय धातुकर्म का उत्कृष्ट उदाहरण है।
4 महात्मा गांधी ने 1942 में करो या मरो का आह्वान करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया।

शब्द पहेली - 8934

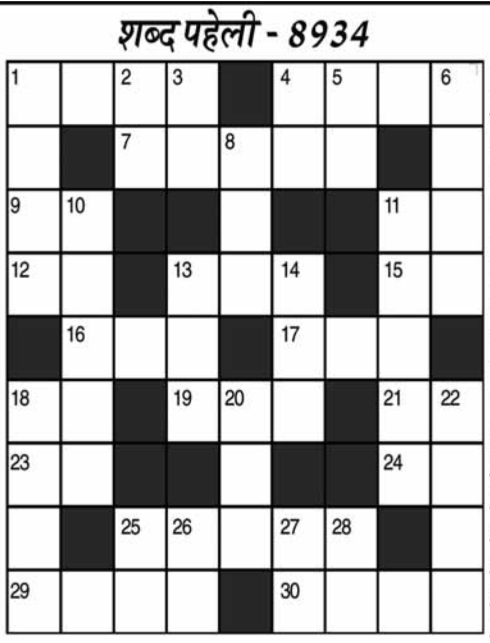

बाएँ से दाएँ

1.दुर्व्यवहार,बुरा आचरण-4
4.पंजाब की एक नदी-4
7.अनाथालय-5
9.दूसरा,पराया-2
11.चलने का तरीका-2
12.नृत्य-2
13.समीप,पास,नजदीक-3
15.बुरी आदत-2
16.नृत्य करना-3
17.प्रलोभन,हवस,तृष्णा-3
18.मालिक,ईश्वर-2
19.निहित,कारण-3
21.भाग्य(अंग्रेजी-2)
23.थूक,लेस-2
24.नवीन,नव-2
25.नयापन,अनूठापन-5
29.नामवाला,नामचिन-4
30.करिश्मा,चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1.मनोरचना,मनगढ़ंत-4
2.कोक,कहवा-2
3.कामदेव की पत्नी-2
4.मित्र,दोस्त-2
5.पेड़ का मध्य भाग-2
6.नादानी,अनाड़ीपन-4
8.बंदर नचाने वाला-3
10.रचना करने वाला-5
11.आरचण,चरित्र-5
13.कपड़े की दिवार-3
14.उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18.पूजा,प्रार्थना-4
20.खूबसुरत,सुन्दर-3
22.कहर,भूचाल-4
25.नया,नवीन-2
26.शूर,बहादूर,सूरमा-2
27.अवधि में,पर्यंत-2
28.मृत,अप्रबल-2

शब्द पहेली -8933 का हल

■	क	थ	न	■	सी	धा	प	न
झ	■	■	ज	रु	र	■	■	म
ल	■	जा	र	■	त	र	■	की
क	म	र	बं	द	■	म	हा	न
■	ग	■	द	■	प	■	जि	■
म	न	का	■	प	रि	चा	र	क
द	■	का	र	■	चा	ल	■	ह
म	■	■	ह	म	ल	■	■	वा
स्त	र	ही	न	■	क	हा	नी	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

चार महीने से पेंशन नहीं, दवा-रोटी का संकट

कटंगी में पेंशनधारियों का हल्ला-बोल, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

साहब, चार महीने हो गए। पेट की आग पेंशन से बुझती थी, अब वो भी नहीं मिल रही। दवा दुकानदार ने उधार देना बंद कर दिया। अब बीमारी लेकर कहां जाएं? पेंशन आती थी तो बहू हंसकर पानी देती थी। अब घर में भी पूछ नहीं है। ये शब्द नहीं, कटंगी शहर और आसपास के गांवों के वृद्धजनों की पीड़ा है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली 600 की मासिक पेंशन पिछले करीब चार महीनों से नहीं आई है। नतीजतन वृद्ध, विधवा और दिव्यांग पेंशनधारियों के सामने दो वक्त की रोटी और दवा का संकट खड़ा हो गया है।

इसी पीड़ा को लेकर मंगलवार की दोपहर 1 बजे योगराज ठाकरे के नेतृत्व में वृद्ध जन कटंगी एसडीएम कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। हाथों में लाठियां, चेहरे पर मायूसी और आंखों में उम्मीद लेकर पहुंचे इन बुजुर्गों की एक ही मांग थी हमारी पेंशन जल्द से जल्द जारी की जाए।

ज्ञापन सौंपने पहुंचे योगराज ठाकरे ने कहा, आज सरकार बड़े-बड़े आयोजन और नई-नई योजनाओं के लिए हजारों करोड़ का कर्ज ले रही है। लेकिन जो लोग अपनी पूरी जिंदगी इस देश और प्रदेश के निर्माण में लगा चुके हैं, उन वृद्धजनों को 600 की पेंशन नहीं दे पा रही। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पिछले चार महीनों से पेंशन न आने के कारण बुजुर्ग लगातार बैंक, पंचायत और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काट रहे हैं। सुबह 5 बजे उठते हैं तो वार्ड के 10-10 बुजुर्ग घर आकर पूछते हैं- बेटा पेंशन कब आएगी? अब उनके पास क्या जवाब दें।

पेंशन नहीं तो सम्मान भी नही, पेंशनधारियों की आपबीती

ज्ञापन के दौरान कई पेंशनधारियों ने एसडीएम के सामने अपनी व्यथा सुनाई। उनकी बातें सुनकर कार्यालय में मौजूद अधिकारी भी भावुक हो गए। गोमाजी को अस्थमा की बीमारी है। उनका चश्मा भी टूट गया है। कांपते हाथों से उन्होंने कहा, बाबू, पेंशन नहीं मिली तो न दवा ले पा रहा हूं न चश्मा बनवा पा रहा हूं। सांस लेने में तकलीफ होती है तो बेटे से कहता हूं पर वो भी मजदूरी करता है। मेरी उम्र ऐसी है कि अब मजदूरी नहीं कर सकता। बेटा है पर उसका भी खर्चा है। ये 600 आ जाते थे तो दवा का खर्च निकल जाता था। अब घर में भी लगता है कि बोझ बन गए हैं। जब पेंशन आती थी तो बहू भी आदर से पानी पूछती थी। फत्तेलाल ने कहा, चार महीने से एक भी किस्त नहीं आई। महंगाई इतनी है कि 600 में भी पूरा महीना नहीं चलता था, अब वो भी नहीं है। मेरे पुत्र हैं लेकिन आज के जमाने में कौन किसका है? सरकार ने सहारा दिया था उसी से गुजारा चल रहा था। अब राशन भी उधार लेना पड़ रहा है।

अफवाह से और बड़ी परेशानी

योगराज ठाकरे ने बताया कि पेंशन न आने के कारण शहर से लेकर गांवों में तरह-तरह की अफवाहें फैल गई हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार ने बुजुर्गों की पेंशन बंद कर दी है। इस अफवाह से वृद्धजन और ज्यादा डरे हुए हैं। कई लोग तो ये भी सोच रहे हैं कि कहीं उनका नाम लिस्ट से कट तो नहीं गया। योगराज ठाकरे ने कहा, सरकार लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1250 की किस्त समय पर दे सकती है। डीबीटी से सीधे खाते में पैसा पहुंच रहा है। तो फिर वृद्धजनों की 600 की पेंशन में चार-चार महीने की देरी क्यों?

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद एसडीएम के.सी. ठाकुर ने पेंशनधारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा कि ज्ञापन को तत्काल मुख्यमंत्री कार्यालय और जिला कलेक्टर को भेजा जाएगा। योगराज ठाकरे ने चेतावनी दी है कि यदि पेंशनधारियों को 15 दिनों के भीतर पेंशन नहीं आई तो वे जिला मुख्यालय बालाघाट में बड़ा आंदोलन करेंगे।

मोटर चालू करने तार लगाते वक्त लगा करंट, किसान की हुई मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम बघोली में धान की फसल को पानी देने के दौरान एक किसान की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गंभीर पिता स्व. प्रतापलाल नगपुरे (55 वर्ष) निवासी बघोली के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, किसान गंभीर नगपुरे 27 जुलाई की दोपहर करीब 12 बजे खेत में लगी धान की फसल को सिंचाई के लिए कुएं की मोटर चालू करने गए थे। बारिश कम होने से फसल सूखने लगी थी। बताया जा रहा है कि मोटर को बिजली देने के लिए वह विद्युत पोल से तार जोड़ रहे थे। इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और डायल-112 पुलिस को भी सूचना दी। पूरी रात खोजबीन के बावजूद उनका पता नहीं चल सका। मंगलवार तड़के किसी ग्रामीण से सूचना मिलने पर परिजन खेत पहुंचे, जहां विद्युत पोल के पास गंभीर का शव पड़ा मिला।

सूचना मिलते ही भरवेली पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। 28 जुलाई को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डिस्ट्रीब्यूशन पैनल बना खतरा, हादसे की आशंका

ग्रामीणों ने लाइनमैन को दी सूचना, अब तक नहीं हुआ बंद

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी तहसील क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर में माध्यमिक स्कूल के पास लगा बिजली ट्रांसफार्मर का डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स खुले हाल में पड़ा है। जिससे गांव में बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि ट्रांसफार्मर के नीचे लगा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का डिस्ट्रीब्यूशन पैनल पूरी तरह खुला हुआ है। अंदर नंगे तार, फ्यूज और स्विच दिखाई दे रहे हैं। यह पैनल जमीन से कुछ ही ऊंचाई पर लगा है और आसपास घास-झाड़ियां भी हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के बच्चे इसी रास्ते से रोजाना आते-जाते हैं। बरसात के मौसम में बच्चे और राहगीर अनजाने में इसके संपर्क में आ सकते हैं। करंट लगने या शॉर्ट सर्किट से आग लगने का भी खतरा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में पहले भी लाइनमैन का ध्यान आकर्षित कराया गया था। लेकिन अब तक विद्युत विभाग द्वारा खुले डिस्ट्रीब्यूशन पैनल को बंद करने या उसकी मरम्मत के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। स्कूल के शिक्षक विजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि बॉक्स खुला होने से स्कूली विद्यार्थियों के साथ हादसे का खतरा बना रहता है। ग्रामवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि स्कूल परिसर के पास स्थित इस खुले ट्रांसफार्मर को तत्काल बंद कर सुरक्षा कवर लगाया जाए। साथ ही ऐसे स्थानों पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए जाएं ताकि कोई अनहोनी न हो। वरना लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

आदर्श महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध के वीर शहीदो के अदम्यसाहस, वीरता को नमन किया गया। राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्य बोध के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी के निर्देशन तथा श्रीमती निशी कर्ण के संयोजन एवं डॉ राजीव तिवारी के संचालन में किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा निबंध, भाषण एवं देशभक्ति गीतों द्वारा सैनिकों के अदम्य साहस ,त्याग एवं बलिदान से को परिचय कराते हुए राष्ट्र सेवा में समर्पित रहने के लिए संकल्प लिया गया। छात्र-छात्राओं को कारगिल विजय के महत्व से जुड़ी डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। इन गितिविधयों में अंकित साहू ,गीता प्रजापति ,काशी

राठौर,सोनिया भावनानीआदि ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में डॉ नवीन उपाध्याय, डॉ राजेंद्र प्रसाद आदि ने कारगिल विजय दिवस से परिचय कराया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ परमेश्वर सिंह मरावी, रेम सिंह हटिला, डॉ. विजय डाबर,श्री डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ,डॉ सपना झारिया ,सुश्री अपूर्वा दाहयत, डॉ हरेन्द्र कुमार,हरीश शुक्ला सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। तकनीकी सहयोग डॉ हरेन्द्र कुमार ने प्रदान किया ।

तेज बहाव में बहे पंचायत सचिव का 16 घंटे बाद मिला शव

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के लांजी थाना क्षेत्र में तेज बारिश के बीच नाला पार करते समय बह गए ग्राम पंचायत सचिव सीताराम घोरमारे का शव आखिरकार 16 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद बरामद कर लिया गया। एसडीआरएफ और क्यूआरटी टीम ने लगातार दो दिन तक चले अभियान के दौरान घटनास्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर एक पेड़ में फंसा शव खोज निकाला। दुर्गम रास्तों के बीच टीम ने शव को करीब 2 किलोमीटर तक कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया, जिसके बाद उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, 27 जुलाई की ग्राम कोशमारा निवासी पंचायत सचिव सीताराम घोरमारे उम्र 59 वर्ष ड्यूटी से लौटते समय पिपलगांव नाले को मोटर-साइकिल से पार करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान नाले के तेज बहाव में वे मोटरसाइकिल सहित बह गए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और क्यूआरटी की टीम रेस्क्यू वाहन तथा जीवनरक्षक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। लगातार बारिश, तेज जलप्रवाह और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद टीम ने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। 28 जुलाई की सुबह सात बजे अभियान दोबारा शुरू किया गया। जहां कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने घटनास्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर एक पेड़ में पत्थर की चट्टान के बीच फंसा सचिव का शव बरामद किया गया। लेकिन कठिन पहाड़ी और जंगल के रास्ते से शव को लगभग 2 किलोमीटर तक कंधों पर लाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया गया। इसके बाद शव को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का इंडक्शन प्रशिक्षण सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत परियोजना स्तर पर चयनित नव-नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ का आठ दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ विभाग, कृषि विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग एवं अन्य विभागों से आए अधिकारियों , कर्मचारियों के द्वारा प्रशिक्षु कार्यकर्ताओ को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर बेहतर क्रियान्वयन हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार प्रशिक्षण कर्ताओ द्वारा जमीनी स्तर से जुड़े प्रत्येक योजना लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, कुपोषण निदान, ईसीसीई खेल कूद के माध्यम से आंगनवाड़ी के बच्चो को पाठ पढ़ाना सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चो का शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास उम्र के अनुसार किया जा सके। विभागीय ऐप संपर्क एप और पोषण ट्रैकर ऐप पर की जाने वाले एंट्रियो को सही डेटा प्रविष्टि की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र समाप्ति में जिला कार्यक्रम अधिकारी दिव्या गुप्ता, सहायक संचालक रुचि बागरी, परियोजना अधिकारी पाली मोनिका सिन्हा, अंजू सिंह पोर्ते ,वन स्टॉप सेंटर से सेंट्रल एडमिस्ट्रेटर अनीता चौरसिया ,ब्लॉक समन्वयक सचिन मिश्रा एवं सेक्टर पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के बढ़ते मामलों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी अब स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को जागरूक कर रहे हैं। इसके बाद बच्चे खुद खाद्य सामग्री में मिलावट की जांच कर सकेंगे। इसके प्रति जागरूक भी होंगे। इसका मकसद स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाना है। स्वच्छ भारत अभियान की ही तरह स्वस्थ भारत अभियान पर भी काम होगा। इसमें रोजमर्रा की सामग्री की मिलावट पता करना सिखाएंगे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा की अगुवाई में मंगलवार 28 जुलाई को उमरिया स्थित शासकीय सज्जन उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को प्राथमिक खाद्य पदार्थों की पहचान, जांच, शुद्ध-अशुद्ध पदार्थ के जांच के संबंध में खाद्य प्रयोगशाला चलित वाहन के केमिस्ट पीयूष मिश्रा के द्वारा प्रयोगात्मक तथ्य के आधार पर छात्र-छात्राओं को समझाया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट जांचने के लिए बच्चों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई है। इसके लिए विभाग ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन को निर्देश जारी किए हैं। बच्चों को प्रशिक्षण निरीक्षक स्कूल जाकर देंगे। विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। वह छात्रों को पोषक व सुरक्षित खाद्य पदार्थों के सैंपल लेने की प्रक्रिया भी बताएंगे। इसके लिए स्कूलों में 25 से 35 मिनट तक का एक सेशन होगा। इसमें पौष्टिक खान- पान व मिलावटी सामग्री के बारे में बताया जाएगा। मिलावटी हल्दी, तेल, लाल मिर्च, आटा, दूध की पहचान करने और सैंपलिंग की प्रक्रिया भी उन्हें बताई जाएगी। दरअसल सैंपल लेते वक्त निरीक्षक शंकास्पद मामलों में प्रारंभिक तौर पर निष्कर्ष निकाल लेते हैं। अभी कार्रवाई लैब की अधिकृत रिपोर्ट आने पर ही होती है। दफ्तर में बढ़ते कागजी काम के दबाव और स्टाफ की कमी के चलते जिला मुख्यालय पर भी त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग नहीं हो पाती। इससे मिलावटी और दूषित खाद्य सामग्री बिकने की संभावना बनी रहती है। वहीं दुकानों पर खुले में खाद्य सामग्री रखकर शहर में बेची जाती हैं। लेकिन स्टाफ कम होने से जिले भर में एक साथ जांच नहीं की जा सकती। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को मिले पत्र में बताया गया कि वे बच्चों को पौष्टिक, निम्न गुणवत्ता व मिलावटी खाद्य पदार्थ परखने का तरीका सिखाएं। ताकि बच्चे अपनी सेहत के प्रति जागरुक भी होंगे। वे बड़े-बुजुर्गों को भी जागरुक कर सकेंगे। शिक्षा विभाग के तालमेल से काम होगा। इससे खाद्य पदार्थों को लेकर कम उम्र ही बच्चे अच्छी समझ रखने लगेंगे। उक्त गतिविधि में विद्यालय के प्राचार्य यू बी सिंह, स्कूल के सैकड़ों छात्र- छात्राये, शिक्षकगण और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम उपस्थित रही।

सड़क बनी दलदल, ग्रामीण कर रहे पक्की सड़क की मांग

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मानपुर जनपद के ग्राम सुखदास में स्कूल जाने वाली मुख्य सड़क की बदहाली अब ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। बारिश के दिनों में यह सड़क पूरी तरह कीचड़ और पानी से लबालब हो जाती है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद आज तक सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

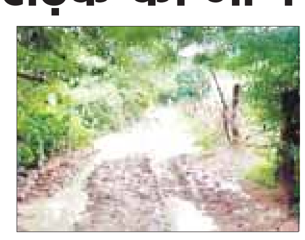

ग्रामीण प्रीतम तिवारी ने जिला कलेक्टर उमरिया को लिखित आवेदन देकर मांग की है कि सुखदास हाई स्कूल तिराहा से मनरमन तिवारी के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए। आवेदन में बताया गया है कि इसी रास्ते से रोजाना स्कूली बच्चे आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की बदहाल स्थिति के कारण उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात में सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अब हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बच्चों, घुटनों तक कीचड़ और पानी भरा हुआ है, जिससे दोपहिया वाहन तो दूर, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अब हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों तक का निकलना मुश्किल हो गया है। मौके की तस्वीरें भी सड़क की हकीकत बयां कर रही हैं। सड़क पर घुटनों तक कीचड़ और पानी भरा हुआ है, जिससे दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बच्चों के भविष्य और आमजन की सुविधा को देखते हुए जल्द से जल्द इस सड़क का पक्कीकरण कराया जाए।

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

उमरिया (स्वतंत्र मत)। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा डॉक्टर जी एस परिहार ने उमरिया जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अवलोकन करते हुए जिला चिकित्सालय में संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने ओपीडी एवं आईपीडी में दर्ज मरीजों के संबंध में चर्चा की तथा मरीजों से संवाद कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एनआरसी ,एसएनसीयू ,प्रसूति वार्ड ऑपरेशन थियेटर एवं इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होने नर्सिंग स्टाफ को मरीज के साथ विनम्रतपूर्वक व्यवहार करते हुए उपचार करने के निर्देश दिए तथा एनक्वास सर्टिफिकेशन के तहत मापदंडों को नियमित रूप से बनाए रखने एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के

निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत क्षेत्रीय संचालक ने समीक्षा बैठक में प्रथम तिमाही में गर्भवती माता का पंजीयन करना तथा शिशुओं के पूर्ण टीकाकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी ली उन्होने आशा कार्यकर्ता के माध्यम से ग्राम स्तर पर नवीन विवाहित जोड़े को चिन्हित कर सर्वप्रथम परिचय एवं एनीमिया एवं सिकल सेल की जांच करने की निर्देश दिए। उन्होंने समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि मैदानी स्तर पर भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं आवश्यक उपचार दें जिसमें विशेष मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य ,परिवार कल्याण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन एवं क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण संपादित करने में मदद मिल सके।

महाविद्यालयों में प्रवेश अब 31 जुलाई तक होंगें

उमरिया (स्वतंत्र मत)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक कक्षाओं (बी.ए., बी.कॉम. एवं बी.एससी.) में प्रवेश की अंतिम तिथि अब 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। शासकीय आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी ने समस्त इच्छुक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अरुणेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया सरल एवं सुगम बनाई गई है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश सहायता काउंटर संचालित किया जा रहा है, जहाँ विषय चयन, छात्रवृत्ति तथा प्रवेश संबंधी सभी आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत रविदास जी समरसता संकल्प अभियान की कार्यशाला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई से 20 फरवरी 2027 तक आयोजित होने वाले संत रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' को लेकर मंगलवार 28 जुलाई को जिला भाजपा कार्यालय भरौली में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गई। जिले के प्रत्येक मंडलों में कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए मंडल स्तर पर टोली का गठन किया गया। जिसमें एक संयोजक और दो सहसंयोजक बनाए गए हैं। जिला स्तरीय कार्यशाला भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें सर्वप्रथम

संत शिरोमणि रविदास जी एवं भारत माता के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया इसके पश्चात कार्यशाला प्रारंभ की गई। जिला स्तरीय कार्यशाला में संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती की उपलक्ष पर 29 जुलाई से 20 फरवरी 2027 तक चलने वाले कार्यक्रमों की विधिवत जानकारी और रूपरेखा के बारे में एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष और कार्यक्रम के सहसंयोजक दिलीप प्रजापति ने विस्तार से बताया। जिसमें गुरु गुरु पूर्णिमा, कलश पूजन कलश वंदन, संत शिरोमणि रथ यात्रा, संपर्क, विभिन्न प्रकार के संतों से संवाद और उनका अभिनंदन, नुक्कड़ सभाए, धार्मिक अनुष्ठान जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ष्मन चंगा तो कठौती में गंगाष् कहावत को चरितार्थ करने वाले संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी भव्य और दिव्य तरीके से जिला स्तर से लेकर ग्राम और बूथ स्तर तक आयोजित करेगी। इसे लेकर मंडल स्तर की टोलियां बनाई जा चुकी हैं। इस दौरान निकलने वाली कलश रथ यात्रा हर गांव, हर पोलिंग बूथ तक पहुंचेगी। जिससे संत रविदास जी के विचार घर-घर तक पहुंचेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे इस शानदार आयोजन में अपनी शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करें।

रोजगार मेले में 29 का चयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका टाऊनहॉल में रोजगार युवा संगम मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्थानीय एवं निजी क्षेत्र की 6 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया उन्होंने उपस्थित युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य कामना की तथा रोजगार मेले का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया

कल्पतरु में पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। उपनगर महाराजपुर स्थित कल्पतरु विद्यापीठ विद्यालय में प्रकृति को समर्पित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन शाला के समस्त शिक्षक विद्यार्थियों एवं अतिथि के द्वारा किया गया राजेश क्षत्री ने इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृभूमि और मातृत्व को समर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। सेवानिवृत्त शिक्षक अजय कांझू उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम में नामांकन आमंत्रित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नेशनल काउंसिल फॉर सेक्रेटेरिएट ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा केंद्र एवं राज्य शासन सार्वजनिक उपक्रम तथा स्वायत्त संस्थाओं के अधिकारियों के लिए वर्ष 2026-27 के कार्यकारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रय एवं अनुबंध प्रबंधन,तनाव प्रबंधन जीआईएस एवं जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, नेतृत्व एवं परिवर्तन प्रबंधन, डिजिटल गवर्नेंस, एआई, साइबर सुरक्षा, मानव संसाधन प्रबंधन आरटीआई, लेखांकन, आवास, ग्रीन हाइड्रोजन सहित विभिन्न विषय शामिल हैं प्रशिक्षण अगस्त 2026 से मार्च 2027 तक देश के विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाएंगे।

मवई बिछिया में बीएलबीसी बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत मवई एवं बिछिया में ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। मवई और बिछिया में आयोजित बैठकों की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की। बैठक में जनपद पंचायत मवई के सीईओ रमेश मंडावी विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक विभागीय अधिकारी तथा वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार और ऋण योजनाओं की समीक्षा करते हुए अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना एवं टांट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अधिकाधिक हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

निवास में बीएलबीसी की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत निवास के सभाकक्ष में ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की बैठक में विकासखंड के सभी बैंक शाखा प्रबंधक विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया उद्यानिकी विभाग ने पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना तथा 35 प्रतिशत अनुदान की जानकारी दी।

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंची महिला ने कहा आखिर कब तक कितने बार आऊंगी साहब मुझे न्याय चाहिए बोलकर अपने ऊपर डाला पेट्रोल

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिस जनसुनवाई को आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और न्याय दिलाने का सबसे बड़ा मंच माना जाता है उसी जनसुनवाई में मंगलवार को ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए। वर्षों से न्याय की आस लगाए एक वृद्ध महिला ने जब अपनी शिकायतों का समाधान होता नहीं दिखा तो वह जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आत्मदाह करने पर उतारू हो गई। यदि मौके पर मौजूद महिला सुरक्षाकर्मी ने तत्परता नहीं दिखाई होती तो जनसुनवाई एक बड़े हादसे की गवाह बन सकती थी। मंगलवार को जिला योजना भवन में कलेक्टर आम नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। इसी दौरान ग्राम पुरवा निवासी 61 वर्षीय सुषमा गुप्ता भी अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला अपने साथ ज्वलनशील पदार्थ से भरी बोतल लेकर आई थी। कुछ ही देर बाद वह अचानक जिला योजना भवन से बाहर

निकली और आत्मदाह का प्रयास करने लगी और उक्त महिला अपने ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल लिया। वहां मौजूद एक कर्मचारी ने तत्काल महिला के हाथ से बोतल छीनकर दूर फेंक दी लेकिन न्याय की उम्मीद टूटने से आहत महिला ने दोबारा वही बोतल उठाई और अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेलने लगी जिसे योजना भवन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया जो प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल छोड़ गया। महिला सुषमा गुप्ता ने बताया कि वह पिछले 26 वर्षों से भूमि विवाद के मामले में न्याय की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने तहसील, एसडीएम कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय सहित कई प्रशासनिक कार्यालयों के दर्जनों चक्कर लगाए लेकिन आज तक उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उनका आरोप है कि जिस भूमि पर वह वर्षों से काबिज हैं उस पर कुछ लोग जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। महिला का कहना है कि पूर्व में तहसीलदार द्वारा आदेश भी जारी किए गए थे लेकिन विवाद आज तक समाप्त नहीं हुआ। बार-बार अधिकारियों के पास जाने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला। उनका कहना था कि जब हर दरवाजा खटखटाने के बाद भी न्याय नहीं मिला तो मजबूरी में उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। यह घटना केवल एक महिला की पीड़ा नहीं बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है जहां जनसुनवाई को लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बताया जाता है। हर मंगलवार जिलेभर से सैकड़ों लोग अपनी शिकायतें लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचते हैं। प्रशासन दावा करता है कि शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया जाता है लेकिन जब कोई पीड़ित वर्षों तक भटकने के बाद आत्मदाह जैसा कदम उठाने पर मजबूर हो जाए तो यह व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। घटना के बाद प्रशासन ने महिला को समझाइश देकर मामला शांत तो करा दिया। जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों को न्याय दिलाना है न कि उन्हें निराशा के उस मुकाम तक पहुंचाना जहां वे अपनी जान देने का प्रयास करें। यह घटना प्रशासन के लिए केवल एक चेतावनी नहीं बल्कि आत्ममंथन का विषय भी है। भूमि विवाद जिले में सबसे अधिक लंबित मामलों में शामिल हैं। वर्षों तक न्यायालयों और प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि ऐसे मामलों का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण नहीं हुआ तो भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्या का न्यायोचित समाधान करने की बात कही कलेक्टर ने जनसुनवाई में मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में दूरस्थ तहसीलों से आए 98 आवेदकों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की और उन्हें शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

समृद्ध संकल्प अभियान को लेकर बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रव्यापी श्री गुरु रविदास महाराज समृद्ध संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने की। उन्होंने अभियान की रूपरेखा उद्देश्य एवं आगामी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 29 जुलाई से 20 फरवरी 2027 तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। श्री मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि अभियान को प्रत्येक बूथ प्रत्येक वार्ड तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाकर इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान की सफलता के लिए पूर्ण समर्पण सक्रियता एवं सेवा भाव के साथ कार्य करेगा। बैठक के उपरांत प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के संबंध में समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। इसमें आगामी प्रसारण के अवसर पर बूथ स्तर पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित करने अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा जनसंपर्क गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

टिकरिया रोड पर सवारी वाहनों की मनमानी

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। नगर के व्यस्ततम टिकरिया रोड पर सवारी वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और मनमानी के चलते प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। वाहन चालक निर्धारित स्थान पर वाहन खड़े करने के बजाय मुख्य सड़क पर ही सवारियां भरते हैं जिससे मार्ग सकरा हो जाता है और आवागमन बाधित होता है। सुबह स्कूल खुलने और शाम के समय बाजार में भीड़ बढ़ने के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। जाम के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं व्यापारियों कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार आपातकालीन वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ता है जिससे गंभीर परिस्थितियां उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है।

एम्बुलेंस की ऑक्सीजन खत्म युवक की मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बम्हनी थाना क्षेत्र के ग्राम सुनहरा माल निवासी 21 वर्षीय अजीत बरया की समय पर उपचार और ऑक्सीजन उपलब्ध न होने के कारण मौत हो जाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि 108 एम्बुलेंस की देरी ऑक्सीजन देने में लापरवाही और रास्ते में ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो जाने के कारण अजीत ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। मामले ने जिले की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। वहीं जब इस संबंध में जिला स्वास्थ्य अधिकारी से सवाल किए गए तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का संचालन और नियंत्रण भोपाल स्तर से होता है तथा जिला स्वास्थ्य विभाग का उस पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। जानकारी के अनुसार बम्हनी थाना क्षेत्र के ग्राम सुनहरा माल निवासी 21 वर्षीय अजीत बरया किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित था और उसका नियमित डायलिसिस चल रहा था। मंगलवार को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे तेज सांस फूलने लगी और लगातार खांसी आने लगी। घबराए परिजनों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को फोन किया। परिजनों का आरोप है कि आपातकालीन कॉल करने के बावजूद एम्बुलेंस करीब एक घंटे बाद गांव पहुंची। तब तक मरीज की हालत और अधिक गंभीर हो चुकी थी। मृतक के पिता का आरोप है कि एम्बुलेंस पहुंचने के बाद कर्मचारियों से ऑक्सीजन लगाने की गुहार लगाई गई लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इंकार कर दिया कि बिना डॉक्टर के निर्देश के वे ऑक्सीजन नहीं लगा सकते। इसके बाद मरीज को बम्हनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों के निर्देश पर एम्बुलेंस में ऑक्सीजन चालू की गई। परिजनों के अनुसार बम्हनी से मंडला जिला अस्पताल के लिए एम्बुलेंस रवाना हुई लेकिन महज लगभग तीन किलोमीटर चलने के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर की गैस खत्म हो गई। इसके बाद रास्ते भर अजीत सांस लेने के लिए तड़पता रहा। परिजनों का आरोप है कि एम्बुलेंस में न तो दूसरा सिलेंडर उपलब्ध था और न ही समय रहते कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। मंडला पहुंचने से पहले ही अजीत ने दम तोड़ दिया। अपने जवान बेटे को खो चुके पिता ने रोते हुए कहा कि यदि उन्हें पहले ही बता दिया जाता कि एम्बुलेंस में ऑक्सीजन पर्याप्त नहीं है या सिलेंडर खाली होने वाला है तो वे स्वयं किसी तरह ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कर लेते। उनका कहना है कि यदि समय पर ऑक्सीजन मिल जाती तो शायद उनके बेटे की जान बचाई जा सकती थी।

फुटबॉल टीम बालाघाट हुई रवाना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित जूनियर बॉयज डीएफए राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए मंडला की जूनियर फुटबॉल टीम बालाघाट जिले के तिरोड़ी के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता 27 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित की जा रही है जिसमें प्रदेश के दक्षिण क्षेत्र की आठ जिलों की टीमें भाग ले रही हैं प्रतियोगिता में मंडला के अलावा बालाघाट छिंदवाड़ा जबलपुर सिंगरौली सागर बैतूल और शहडोल की टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी टीम चयन के लिए 19 जुलाई को महात्मा गांधी स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किए गए थे जिले के विभिन्न विकासखंडों से करीब 60 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया चयनकर्ताओं ने प्रदर्शन के आधार पर 18 खिलाड़ियों को अंतिम टीम में स्थान दिया चयनित खिलाड़ी अर्चित पटेल, शौर्य साहू, रुद्र धूमकेतु, सारांश मार्को, अंकित धुर्वे, पंकज मरावी, राजकुमार चिचाम, कृष्णा धुर्वे, रोहित परते, गोलू परते, विनीत बघेल, रामदास नरेंद्र परते, लोकेश भारतीय, मयंक विश्वकर्मा, विजय राज, एकांश जैन, आरव तिवारी, संदीप व फुटबॉल कोच पंकज उसराठे ने बताया कि टीम ने प्रतियोगिता के लिए बेहतर तैयारी की है और सभी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूरी तरह उत्साहित हैं।

जन-जन का नारा नशा मुक्त हो नगर हमारा

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत निवास नगर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं एसडीओपी पीएस वालरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह धुर्वे एवं पुलिस टीम ने नगर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ विशाल जागरूकता रैली निकाली सांदीपनि विद्यालय से प्रारंभ हुई रैली नगर के प्रमुख मार्गों रैली निकाली गई। निवास बस स्टैंड में मंडला से पहुंची विशेष सहयोगी दस्ता टीम ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके साथ ही एथलेटिक्स दौड़, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल एवं पिट्ठू जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम सीएल वर्मा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई कार्यक्रम में जनपद शिक्षा केंद्र निवास अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मनेरी सांदीपनि विद्यालय हाथीतारा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पिपरिया, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास, सांदीपनि विद्यालय निवास, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय निवास, सेंट एंजिल्स हाई स्कूल, संत एलॉयसियस स्कूल सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं पीटीआई शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

छात्रों को मिली नि:शुल्क साइकिल

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। विकासखंड नारायणगंज के माध्यमिक शाला सुखराम में शिक्षा को प्रोत्साहित करने और बच्चों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से नि:शुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीया और ग्राम पंचायत के सरपंच कमल सिंह मरावी उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलें भेंट की गईं। नई साइकिल पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रमोद यादव सहित ग्राम के सम्मानित पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्री भारतीया ने कहा कि नि:शुल्क साइकिल के साथ छात्रवृत्ति और पुस्तके भी छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही है।

6 साल से आशियाने के लिए भटक रहे हितग्राही

दो माह में आवास नहीं मिला तो अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

नैनपुर (स्वतंत्र मत) नगर पालिका परिषद नैनपुर क्षेत्र के 448 भूमिहीन हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिलने से नाराज होकर मंगलवार को कलेक्टर मंडला के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर को ज्ञापन सौंपा। वर्षों से लंबित इस मामले को लेकर हितग्राहियों में गहरा असंतोष देखने को मिला। ज्ञापन में बताया गया है कि वर्ष 2019-20 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भूमिहीन परिवारों के लिए ग्राम इटका, हल्का उमरिया, तहसील नैनपुर स्थित खसरा क्रमांक-43, रकबा 4.0140 हेक्टेयर भूमि आवंटित एवं सुरक्षित की गई थी। इसके बावजूद आज तक लगभग 448 पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। हितग्राहियों का आरोप है कि वे बीते छह वर्षों से लगातार नगर पालिका के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो संतोषजनक जवाब मिला और न ही योजना के क्रियान्वयन की दिशा में कोई ठोस प्रगति हुई। जबकि जिले के अन्य क्षेत्रों में पात्र लोगों को इस योजना का लाभ मिल चुका है, ऐसे में नैनपुर के भूमिहीन परिवारों की अनदेखी गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती है। ज्ञापन में मांग की गई है

कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा सभी पात्र हितग्राहियों को शीघ्र प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जाए, ताकि वर्षों से अपने आशियाने की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को राहत मिल सके। इस दौरान वार्ड क्रमांक-5 के पार्षद नितिन ठाकुर, वार्ड क्रमांक-13 के पार्षद मोहित झरिया एवं समाजसेवी राजू विश्वकर्मा भी हितग्राहियों के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करते हुए पात्र परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की। ज्ञापन पर बड़ी संख्या में हितग्राहियों के हस्ताक्षर भी दर्ज किए गए, जो इस बात का प्रमाण है कि यह समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सैकड़ों परिवारों की सामूहिक पीड़ा है। हितग्राहियों ने प्रशासन को दो माह का समय देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित अवधि में उन्हें योजना का लाभ नहीं मिला, तो नैनपुर नगर पालिका के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

देवर-भाभी के विवाद का दर्दनाक अंत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर के ग्राम रमपुरी में एक बेहद मार्मिक और विचलित कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप लेकर एक व्यक्ति की जान ले ली। रोज़-रोज़ के झगड़े, गाली-गलौज और तनाव ने आखिरकार ऐसा भयावह रूप लिया कि देवर-भाभी के बीच का विवाद हत्या में बदल गया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान राम सिंह वयाम पिता ऊ मदन लाल वयाम के रूप में हुई है, जबकि आरोपी कृष्णा बाई मरावी पति ऊ माखन सिंह मरावी बताई गई है। दोनों के बीच देवर-भाभी का रिश्ता था, लेकिन यह रिश्ता लंबे समय से आपसी तनाव और विवादों की भेंट चढ़ता जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक अक्सर शराब के नशे में घर के बाहर बैठकर अभद्र भाषा का प्रयोग करता था, जिससे परिवार में आए दिन विवाद की स्थिति बनती थी। घटना वाले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ-नशे में धुत राम सिंह वयाम गाली-गलौज कर रहा था। इसी दौरान कहासुनी बढ़ी और देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया। गुस्से में आकर कृष्णा बाई मरावी ने पहले राम सिंह का सिर पास पड़े पत्थर पर पटक दिया, फिर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राम सिंह को आसपास के लोगों ने तत्काल डायल-112 की सहायता से नैनपुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच कर रही है।

संपादकीय

बड़ा लक्ष्य-छोटी कुर्बानी

दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा की राजनीतिक शिक्षा किसी छोटे शहर के कॉलेज की बेंचों पर नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के बाद की धूप, पसीने और कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली सड़कों पर हुई है, जहां सिर्फ़ टिके रहना ही एक बड़ी चुनौती हुआ करती थी और हमेशा आने वाले कल की चिंता सताती थी। भारत में लाखों लोगों का मानना था कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर उनका इस्तीफा मांगने के लिए जुटी भीड़ के बेकाबू होने से बहुत पहले ही पद छोड़ देना चाहिए था। पहले नीट-यूजी का पेपर लीक हुआ और उसके तुरंत बाद सीबीएसई की ऑनलाइन मार्किंग स्कीम की गड़बड़ी सामने आई, ऐसे में छात्रों का आक्रोश वाजिब था।

जब भारत की उच्च शिक्षा टेबल पर बिखरे जेंगा के ब्लॉक की तरह बिखरती हुई दिख रही थी, तब न तो पार्टी की ओर से और न ही सरकार की ओर से कोई कार्रवाई या संवाद हुआ। विपक्ष के नदारद रहने पर, कॉकरोच टेबल पर आ गए। सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल से इस नए-नवेले आंदोलन को हवा दी। लेकिन वे जो हासिल करने में असफल हो सकते थे, उसे दिल्ली पुलिस और आरएएफ ने कर दिखाया। 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों- जिनमें से हजारों नाबालिग थे। उस पर बल प्रयोग ने भाजपा को राजनीतिक रूप से एक ऐसी गली में धकेल दिया, जहां से निकलना मुश्किल था। हालांकि, प्रधान को हटाने में जितनी देरी हुई, उसने खुद को उतनी ही एक कठोर सत्ता के रूप में पेश किया, जो लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए कोई नरम रूख नहीं दिखा रही थी। अगर कल ऐसा हुआ तो... वाली सोच के साथ भाजपा ने उस स्थिति को टालने की कोशिश की, जिसका अंत होना तय था। आखिर, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सिर्फ एक पद छोड़ने का मामला नहीं था, बल्कि वह एक ऐसी मिसाल बन सकता था, जिसका असर आने वाले कल और न जाने कितने समय तक रहने वाला था। शायद इसी वजह को देखते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने आखिरी वक्त तक उन्हें बचाने की हरसंभव कोशिश की।

हालांकि, जितनी देरी धर्मेंद्र प्रधान को हटाने में हुई, उतना ही सरकार अड़ियल और सख्त नजर आई। संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने को था इसलिए राजधानी में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई। विपक्षी दलों के नेता जंतर-मंतर पहुंचने लगे जिससे वे आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के साथ फ्रेम में दिख सकें। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ और पहला हफ्ता बिना किसी कामकाज के गुजर गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के भीतर और प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। विपक्ष सदन का कामकाज चलने देने के मूड में नहीं था। विपक्ष को पता था कि सरकार का मकसद क्या था और सरकार को भी पता था कि विपक्ष क्या चाहता है। ऐसे में केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ मंत्री जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह मैदान में उतारे गए। कॉकरोच जनता पार्टी से बातचीत का जिम्मा उन्हें सौंपा गया। सबसे पहले उन्होंने वांगचुक को अनशन खत्म करने के लिए मनाया और उनकी मांगों को भी कुछ कम कराया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, विरोध प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी या वांगचुक से बहुत बड़ा हो चुका था। विरोध का स्वर तेज हो चुका था और इसके लिए किसी की बलिदान जरूरी हो गया था। कांग्रेस ने भी इस मौके का इस्तेमाल भाजपा के संसदीय एजेंडे को पटरी से उतारने के लिए किया। जब तक जंतर-मंतर का आंदोलन उग्र बना रहता, सरकार अपना एजेंडा आगे नहीं बढ़ा सकती थी। इसलिए अंततः धर्मेंद्र प्रधान राजनीतिक बलि की भेंट चढ़ गए।

कानून सख्त- सिस्टम पस्त

आखिर कब रुकेगा पेपर लीक का कारोबार?

भूपेन्द्र गुप्ता

लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

देश में पेपर लीक अब अपवाद नहीं, बल्कि बार-बार लौट आने वाला संकट बन चुका है। अटल बिहारी सरकार में 2002 के रेलवे भर्ती घोटाले से लेकर रेलवे परीक्षा, ऋश्वश्वञ्ज, हृश्वश्वञ्ज, त्नष्ट-हृश्वश्वञ्ज ,और व्यापम,पटवारी परीक्षा,पुलिस भर्ती,शिक्षक भर्ती परीक्षा जैसी अनेक राज्य स्तरीय भर्तियों तक में हर सरकार ने एक ही वादा किया-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।व्यापम तो एक वायरस की तरह देशव्यापी हो गया। कानून और सजा दोनों सख्त होते गए। लेकिन सवाल यह है कि यदि कानून सख्त है, तो अपराध बार-बार क्यों दोहराया जा रहा है?

इसका उत्तर शायद कानून की किताबों में नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरियों में छिपा है।यह गहन जांच का विषय होना चाहिए कि पेपर लीक से लाभान्वित होने वाले क्या मात्र अपराध में शामिल लोग हैं या शासन प्रशासन में बैठे फैसला लेने वाले अधिकारी भी। पेपर लीक कोई सड़क पर होने वाला अपराध नहीं है। यह व्यवस्था के भीतर की चूक या मिलीभगत के बिना संभव ही नहीं। प्रश्नपत्र तैयार करने, छापने, पैक करने, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की हर कड़ी संवेदनशील है। यदि किसी एक कड़ी में जवाबदेही कमजोर हो, तो पूरी व्यवस्था खतरे में पड़ जाती है।

आज एक बड़ी चिंता यह भी है कि अनेक परीक्षाओं में संवेदनशील कार्यों के लिए बड़ी संख्या में संविदा या आउटसोर्स कर्मचारियों का उपयोग किया जाता है। समस्या किसी व्यक्ति की ईमानदारी पर संदेह नहीं, बल्कि जवाबदेही की संरचना है। संविदा व्यवस्था में कर्मचारियों का बार-बार बदलना, सीमित प्रशिक्षण, कमजोर संस्थागत जवाबदेही और ठेकेदारों की बहुस्तरीय व्यवस्था जोखिम बढ़ा सकती है। दूसरी ओर, स्थायी शासकीय कर्मचारियों पर विभागीय नियम, सेवा आचरण, अनुशासनात्मक कार्रवाई और दीर्घकालिक जवाबदेही अधिक स्पष्ट होती है। इसलिए प्रश्न यह उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रश्नपत्रों की छपाई, सुरक्षा, परिवहन और वितरण जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य केवल प्रशिक्षित और उत्तरदायी स्थायी सरकारी कर्मचारियों की निगरानी में नहीं होने चाहिए?

लेकिन केवल कर्मचारी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। यदि स्थायी कर्मचारी भी जवाबदेह न हों या भ्रष्टाचार में शामिल हों, तो वही जोखिम बना रहेगा। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक चरण पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय हो, डिजिटल लॉग बने, नियमित ऑडिट हो और किसी भी चूक पर त्वरित विभागीय तथा आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अटल सरकार के 2002 के रेलवे भर्ती मामले में फैसला आने में लगभग 23 वर्ष लगे। इतनी लंबी न्यायायिक प्रक्रिया यह भरोसा करती नहीं देती कि अपराध का परिणाम तत्काल और निश्चित होगा। यदि सजा का निर्णय दशकों बाद आए, तो कानून की कठोरता का प्रभाव भी कमजोर पड़ जाता है। इसलिए आवश्यकता केवल कठोर दंड की नहीं, बल्कि समयबद्ध जांच और त्वरित न्याय की भी है।दुखद यह है कि 23 साल बाद सजा हुई लेकिन इसके बाद अपराधियों को जमानत भी मिल गई।मोदी सरकार को यह विचार करना चाहिए कि इससे संरक्षणवाद का संदेश नहीं जाता?

यहीं पर भारत को परीक्षा प्रणाली की नई परिकल्पना करनी होगी। जिस देश ने आधार और यूपीआई जैसी सुरक्षित डिजिटल व्यवस्थाएं विकसित कीं, वह परीक्षा प्रणाली को भी तकनीक आधारित, पारदर्शी और छेड़छाड़-रोधी बना सकता है। नंदन नीलकणि जैसे डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विशेषज्ञों सहित प्रशासन, साइबर सुरक्षा और परीक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञों का एक स्वतंत्र राष्ट्रीय समूह बनाया जा सकता है, जो परीक्षा सुरक्षा का नया ढांचा तैयार करे।और इस स्वतंत्र एजेंसी को विचारधारा नामक वायरस से बचाया जाए।

देश के युवाओं को केवल यह आश्वासन नहीं चाहिए कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि उनका प्रश्नपत्र सुरक्षित है, उनकी मेहनत किसी गिरोह के हाथों नहीं बिकेगी और यदि कोई अपराध होगा भी, तो उसकी जांच वर्षों नहीं, महीनों में पूरी होगी।

अब समय आ गया है कि सरकारें पेपर लीक को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या न मानें। यह प्रशासनिक जवाबदेही, तकनीकी क्षमता और संस्थागत ईमानदारी की परीक्षा भी है। जब तक इन तीनों मोर्चों पर एक साथ सुधार नहीं होगा, तब तक कानून चाहे जितना सख्त बना दिया जाए, व्यवस्था की कमजोरी अपराधियों के लिए अवसर बनी रहेगी।

गधे अब गुलाब जामुन खा रहे !

हास्य -व्यंग्य

यह तो सुना था कि गधों को पंजीरी खिलाई जाती है और वे बड़ी रुचि से इसे खा कर खिलाने वाले के वश में हो जाते हैं और उसके बताए अनुसार काम करने लगते हैं, किन्तु यह पहली बार पता लगा कि गधों को गुलाब जामुन खिलने से भी वे मनोनुकूल परिणाम दिला सकते हैं । मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मानसून की बेरुखी और बारिश न होने से परेशान लोगों ने इंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए गधों को गुलाब जामुन खिला कर अच्छी बारिश की कामना की । इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने गधों के माध्यम से इंद्र देव से झमाझम बारिश की प्रार्थना की। इससे आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं कि गधों की पहुंच कहां तक हो सकती है। मुझे लगता है कि किसी की सत्ता को बनाए रखने में हमेशा गधों अर्थात विमूढ़ों (मूर्खों) का महत्वपूर्ण स्थान होता है । गोस्वामी तुलसी दास जी ने कहा है -

सबसे भले विमूढ़, जिन्हें न व्यापे जगत गति ।

यों तो हर व्यक्ति के अंदर एक गधा छिपा रहता है जो अवसर आने पर प्रकट हो जाता है । महापंडित - ज्ञानी रावण का तो एक सिर ही गधे का प्रदर्शित किया जाता है। रावण के अंदर छिपे गधे ने ही उससे सीता हरण करवाया । उसके बाद भी वह उसके जीवन में अनेक बार प्रकट हुआ । रावण का अधिकांश दरबार गधों से भरा पड़ा था । लगता है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठा हर व्यक्ति बुद्धिमान सहयोगियों से बचता है। बुद्धिमानों से उसे अपनी कुर्सी खतरे में नजर आने लगती है । सहयोगियों के रूप में हमेशा गधे उसकी पहली पसंद होते हैं । वह उन्हें पंजीरी अथवा गुलाब जामुन खिला कर संतुष्ट रखता है और उसकी सत्ता निर्विघ्न चलती रहती है। शायद इंद्र देव भी इसी नीति पर चलते हुए अनंत काल से देवराज बने बैठे हैं। इंद्रासन प्राप्त करने के लिए किसी बुद्धिजीवी साधक के प्रयासों से इंद्रासन डोलने लगता है और इंद्र तत्काल एन-केन-प्रकारेण उसकी तपस्या अथवा प्रयत्नों पर पलीता लगाने अपने दरबार में शामिल गधत्व से भरे अपने सेवक - सेविकाओं को सक्रिय कर देते हैं। मानव लोक में भी सत्ता पाने एवं सत्ता पर कब्जा बनाए रखने के लिए सत्ताधारी भी यही मंत्र अपनाते हैं। बुद्धिमानों से दूर रहो, पंजीरी खाकर खुश रहने वाले बुद्धि हीन, विचार हीन लोगों को सहयोगी बनाओ।... लेकिन ध्यान रहे कि जो आपकी नजरों में गधा या मूर्ख है वह स्वयं को मूर्ख नहीं अपितु आपके समकक्ष समझता है। अत:यदि आप मूर्खो का सहयोग लेकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं तो आपके मूर्ख साथियों को कदापि यह आभास नहीं होना चाहिए कि आप उन्हें मूर्ख समझते हैं।

नाराज होने पर मूर्ख याने गधे आपका खेल बिगाड़ सकते हैं, वे दुलत्ती झाड़ कर आपको आपके लक्ष्य से दूर फेंक सकते हैं। अपना काम निकालने के लिए जहां तक संभव हो गधों को पंजीरी रूपी रिश्वत देते रहें और उनके बेतुके (ढेंचू-ढेंचू आलापों, प्रस्तावों, सुझावों की प्रशंसा करते रहें। ध्यान रखें बुद्धिमानों को अपने रंग में रंगने का प्रयास कभी सफल नहीं होता । जिसने गधों को अपना बना लिया वही बादशाह बन सकता है। बुद्धम् शरणम् गच्छामि बीते युग की बात थी, आज सफलता का मूल मंत्र मूर्खम् शरणम् गच्छामि है।

डिग्रियाँ बढ़ीं, नौकरियाँ घटीं आखिर युवा जाएँ तो जाएँ कहाँ?

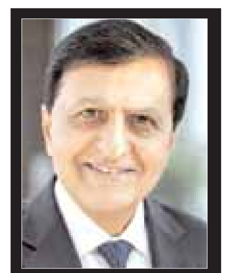

पवन शर्मा

भारत @ 2047 : भाग - 2

एक समय था जब घर में किसी बच्चे के स्नातक होने पर पूरा परिवार गर्व से भर जाता था। रिश्तेदार मिठाई बाँटते थे, माता-पिता की आँखों में भविष्य के सुनहरे सपने तैरते थे और यह विश्वास होता था कि अब नौकरी निश्चित है, जीवन की दिशा तय है। स्नातक की डिग्री केवल कागज़ का प्रमाणपत्र नहीं होती थी, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान और सुरक्षित भविष्य की पहचान मानी जाती थी।

आज वही डिग्री लाखों युवाओं के हाथ में है, लेकिन उनके सामने भविष्य धुँधला दिखाई देता है। डिग्री है, योग्यता है, मेहनत है, लेकिन अवसर नहीं हैं। लाखों नहीं, करोड़ों युवा स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। उनकी उम्र बढ़ रही है, लेकिन करियर आगे नहीं बढ़ पा रहा। यह केवल बेरोज़गारी नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत-उसकी युवा ऊर्जा-का धीरे-धीरे क्षय है। जिस देश में डिग्रियाँ अलमारियों में बंद हों और सपने बेरोज़गारी की कतार में खड़े हों, वहाँ केवल शिक्षा नहीं, व्यवस्था भी प्रश्नों के घेरे में होती है।

भारत दुनिया का सबसे युवा देश कहलाता है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। लेकिन यह गर्व तभी सार्थक है, जब इस युवा शक्ति को सही दिशा, उचित अवसर और सम्मानजनक रोजगार मिले। यदि यही युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं, अस्थायी नौकरियों और अनिश्चित भविष्य के बीच भटकता रहा, तो यही जनसांख्यिकीय लाभ धीरे-धीरे राष्ट्रीय चिंता में बदल सकता है। हर वर्ष विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से लाखों नए स्नातक निकलते हैं। दूसरी ओर उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र, कृषि और सरकारी संस्थान उनकी संख्या के अनुपात में रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रहे। परिणामस्वरूप शिक्षित बेरोज़गारी का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

आज का दृश्य विचलित करने वाला है। इंजीनियर बैंक की परीक्षा की तैयारी कर रहा है। एम.एससी. करने वाला चपरासी की भर्ती के लिए आवेदन कर रहा है। एम.बी.ए. डिलीवरी बॉय की नौकरी कर रहा है। पीएच.डी. धारक अस्थायी नियुक्तियों के लिए संघर्ष कर रहा है। लाखों युवा वर्षों तक केवल आवेदन भरने, परीक्षा देने और परिणाम की प्रतीक्षा करने में अपनी सबसे ऊर्जावान उम्र गुज़ार देते हैं। समस्या यह नहीं कि युवा पढ़ नहीं रहे, समस्या यह है कि पढ़ाई के बाद उनके लिए रास्ते नहीं बचे।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारा शिक्षा तंत्र आज भी बड़ी सीमा तक परीक्षा पास कराने की व्यवस्था बनकर रह गया है। विद्यार्थी सिलेबस पूरा करते हैं, अच्छे अंक लाते हैं, डिग्री प्राप्त करते हैं, लेकिन जब उद्योग उनसे पूछता है-आप क्या कर सकते हैं?तो अक्सर उनके पास उत्तर सीमित होता है। आज दुनिया केवल डिग्री नहीं खरीदती, वह कौशल खरीदती है। वह समस्या सुलझाने की क्षमता, तकनीकी दक्षता, संवाद कौशल, नवाचार और व्यावहारिक अनुभव को महत्व देती है। दुर्भाग्य से हमारे अधिकांश विद्यार्थी अभी भी अंकों की दौड़ में इतने व्यस्त हैं कि कौशल निर्माण पीछे छूट जाता है। अंक नौकरी की गारंटी नहीं देते, क्षमता देती है। डिग्री दरवाज़ा खटखटा सकती है, लेकिन उसे खोलती योग्यता ही है।

एक और बड़ी सच्चाई को स्वीकार करना होगा। हर युवा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या प्रशासनिक अधिकारी नहीं बन सकता। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी नीट, जेईई, क्लैट, संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिंग, रेलवे तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपने जीवन के कई वर्ष लगा देते हैं। कुछ सफल होते हैं, लेकिन अधिकांश नहीं हो पाते। दुर्भाग्य यह है कि जो चयनित नहीं हो पाते, वे स्वयं को असफल मान लेते हैं। वास्तविकता यह है कि असफल युवा नहीं है, बल्कि सीमित अवसरों वाला तंत्र है। आज भी देश के अनेक महाविद्यालयों में वही पुराने पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं, जबकि दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, सेमीकंडक्टर तकनीक, ड्रोन तकनीक, हरित ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, एनीमेशन, गेमिंग, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, फूड प्रोसेसिंग, डिजिटल कॉमर्स, हेल्थकेयर और अनेक नए क्षेत्रों में तेज़ी से आगे बढ़ चुकी है। हमारे युवा भविष्य की दुनिया में प्रवेश करना चाहते हैं, लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था अभी भी अतीत के पाठ्यक्रमों में उलझी हुई है।

यदि शिक्षा कल की दुनिया के लिए तैयार न करे, तो वह केवल डिग्री देती है, भविष्य नहीं।

रोजगार केवल सरकार नहीं दे सकती, लेकिन सरकार दिशा अवश्य तय कर सकती है। विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं, बल्कि रोजगार योग्य कौशल विकसित करने वाले केंद्र बनना होगा। उद्योगों को केवल अनुभवी लोगों की तलाश करने के बजाय नए युवाओं को प्रशिक्षित करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। समाज को भी सरकारी नौकरी को ही सफलता का अंतिम प्रमाण मानना बंद करना होगा।

हमें यह भी समझना होगा कि यदि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो प्रत्येक जिले की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नए पाठ्यक्रम विकसित करने होंगे। विद्यालय स्तर से कौशल आधारित शिक्षा को मजबूत करना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप सुनिश्चित करनी होगी। छोटे उद्योगों, स्टार्टअप्स और स्थानीय उद्यमों को युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रोत्साहन देना होगा। साथ ही युवाओं को यह विश्वास भी दिलाना होगा कि केवल नौकरी करना ही सफलता नहीं, बल्कि रोजगार देना भी उतना ही बड़ा राष्ट्रीय योगदान है।

युवा नौकरी माँगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला भी बन सकता है-यदि व्यवस्था उसका हाथ थामे। आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम हर वर्ष जितनी डिग्रियाँ बाँट रहे हैं, उतने ही अवसर भी पैदा कर रहे हैं? यदि उत्तर नहीं है, तो केवल शिक्षा नीति में नहीं, बल्कि रोजगार नीति, औद्योगिक नीति और कौशल विकास की पूरी सोच में परिवर्तन की आवश्यकता है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके खनिज, ऊँची इमारतें या विदेशी मुद्रा भंडार नहीं होते। उसकी सबसे बड़ी पूँजी उसके युवा होते हैं। यदि वही युवा निराश, हताश और दिशाहीन हो जाएँ, तो विकसित भारत का सपना केवल सरकारी दस्तावेज़ों और भाषणों तक सीमित रह जाएगा।

अंततः प्रश्न केवल रोजगार का नहीं, विश्वास का है। युवा अपने देश से दया नहीं माँग रहे। वे आरक्षण से अधिक अवसर चाहते हैं। वे सहानुभूति से अधिक सम्मान चाहते हैं। वे घोषणाओं से अधिक परिणाम चाहते हैं। डिग्रियाँ बाँटना आसान है, सपने दिखाना भी आसान है। कठिन काम है उन सपनों को सम्मानजनक रोजगार में बदलना।

यदि आज हमने इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लिया, तो वर्ष 2047 में जब भारत अपनी आज़ादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब आने वाली पीढ़ियाँ हमसे एक ही प्रश्न पूछेंगी जब भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति थी, तब आपने उसके लिए किया क्या?

जुनून से उद्देश्य तकः राग रिदम रैप्सोडी की म्यूज़िक ऑन व्हील्स पहल की प्रेरक कहानी

जो सफर एक छात्रा के संगीत के प्रति प्रेम से शुरू हुआ था, वह आज इंदौर के अनेक बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला एक प्रेरणादायक अभियान बन चुका है। मई 2024 में डेली कॉलेज छात्रा एवं संगीतकार अद्विका मोहन द्वारा स्थापित राग रिदम रैप्सोडी ने बहुत ही कम समय में वंचित समुदायों के बच्चों तक संगीत शिक्षा पहुँचाने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहचान बना ली है।

अद्विका ने इस संस्था की शुरुआत एक सरल लेकिन सशक्त विश्वास के साथ की थी-संगीत कुछ चुनिंदा लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर बच्चे का अधिकार होना चाहिए, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कैसी भी हो। अपनी स्थापना के बाद से राग रिदम रैप्सोडी ने खुशी और शिक्षा सरोवर जैसी दो गैर-सरकारी संस्थाओं (ह्नह्रह्य) के साथ मिलकर 50 से अधिक बच्चों को संगीत की शिक्षा दी है। इस दौरान संस्था ने अपने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के साथ संगीत कार्यक्रम आयोजित किए, अपने उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त धन राशि जुटायी तथा समाज से अपने समर्पण और प्रभाव के लिए व्यापक सराहना प्राप्त की।

इस वर्ष जून में संस्था ने अपनी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब उसने विशेष रूप से तैयार की गई म्यूज़िक ऑन व्हील्स मिशन की शुरुआत की। इस अनूठी पहल के माध्यम से वायलिन, गिटार, मैंडोलिन, सितार, कीबोर्ड और हारमोनियम जैसे अनेक वाद्ययंत्र सीधे साझेदार संस्थाओं में बच्चों तक पहुँचाए गए। अद्विका ने बच्चों को प्रत्येक वाद्ययंत्र के बारे में जानकारी दी, उनके बजाने के तरीके समझाए और उन्हें स्वयं बजाने का अवसर भी दिया। इनमें से अधिकांश बच्चों ने इन वाद्ययंत्रों को पहली बार अपने हाथों में लिया था।

यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। नए वाद्ययंत्रों को देखकर और उन्हें स्वयं बजाकर बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। दोनों संस्थाओं के संस्थापको ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे कला शिक्षा को बच्चों तक पहुँचाने का एक अभिनव, व्यावहारिक और प्रेरणादायक प्रयास बताया।

अद्विका, अब 11वीं कक्षा की छात्रा, के लिए यह यात्रा एक बड़े उद्देश्य का प्रतीक है। उनका मानना है कि प्रतिभा तभी सार्थक होती है जब उसे अवसर मिले। इंदौर के और अधिक गैर-सरकारी संगठनों तक अपनी पहुँच बढ़ाने की योजना के साथ, राग रिदम रैप्सोडी यह सिद्ध कर रही है कि जब संगीत को निःस्वार्थ भाव से साझा किया जाता है, तो उसमें जीवन बदल देने की अद्भुत शक्ति होती है।

जनसंख्या बोझ नहीं, अवसर है

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

लेखक/पत्रकार

भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है। यहां हर 3 में से 2 लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। दुनिया इसे जनसांख्यिकीय लाभांश कहती है, लेकिन हम इसे अक्सर जनसंख्या विस्फोट कहकर टाल देते हैं।

सवाल ये है कि क्या वाकई भीड़ समस्या है? जापान, दक्षिण कोरिया और चीन ने अपनी जनसंख्या को सबसे बड़ी ताकत बनाकर दिखाया है। उनके पास संसाधन कम थे, लेकिन इंसान ज्यादा थे। और उन्होंने इंसानों को ही अपना सबसे बड़ा संसाधन बना लिया। भारत के पास भी वही मौका है। लेकिन ये तभी मुमकिन होगा जब हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर गंभीरता से काम करें। अगर युवा को स्किल और दिशा मिल गई तो यही युवा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बना देंगे। वरना यही आंकड़े बेरोजगारी और असंतोष बन जाएंगे। इसलिए फैसला साफ है - जनसंख्या को बोझ मानकर रोना नहीं है, उसे अवसर मानकर तैयार करना है। जनसंख्या वृद्धि को लेकर हमारे समाज में दो तरह की सोच मिलती है। एक तरफ इसे देश की सबसे बड़ी समस्या कहकर मजाक उड़ाया जाता है, और दूसरी तरफ इसे राष्ट्र की ताकत बताया जाता है। सच इन दोनों के बीच में है। सच ये है कि बढ़ती जनसंख्या का हमेशा मजाक बनाना भी ठीक नहीं है। इसे वास्तविक मुद्दों के समाधान के लिए एक अवसर के तौर पर भी देखा जा सकता है, जिसमें अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि को खत्म करना भी शामिल है।

इतिहास गवाह है कि जिस देश ने अपनी जनसंख्या को संसाधन में बदला, वही देश आगे बढ़ा। जापान, दक्षिण कोरिया और चीन इसका उदाहरण हैं। भारत के पास भी दुनिया की सबसे युवा आबादी है। 65त्न लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। ये युवा अगर शिक्षित और कुशल होंगे तो ये देश की जीडीपी बढ़ाने का सबसे बड़ा इंजन बन सकते हैं। इसे ही जनसांख्यिकीय लाभांश कहते हैं।

लेकिन अवसर तभी अवसर बनता है जब हम उसके लिए तैयार हों। बढ़ती जनसंख्या के साथ सबसे बड़ी चुनौती है - शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संसाधनों पर दबाव। अगर हमने इन क्षेत्रों में निवेश नहीं किया तो यही युवा आबादी बेरोजगारी और असंतोष का कारण बन जाएगी। इसलिए जनसंख्या को नियंत्रित करने के साथ-साथ उसे गुणवत्ता देना भी जरूरी है।

अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि को रोकने का रास्ता डर या कानून से नहीं, बल्कि विकास से निकलता है। जिन राज्यों में महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक अवसर बढ़े हैं, वहां जन्म दर अपने आप कम हुई है। केरल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसका मतलब साफ है - स्कूल, अस्पताल, कौशल केंद्र और महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाना ही जनसंख्या नियंत्रण की सबसे टिकाऊ दवा है।

निष्कर्ष ये है कि जनसंख्या को सिर्फ समस्या मानकर खारिज करना आसान है, लेकिन समझदारी इसी में है कि हम इसे चुनौती और अवसर दोनों मानें। अगर हमने आज शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर सही निवेश किया, तो बढ़ती जनसंख्या भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। वरना यही सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगी।

चुनाव हमारे हाथ में है। बढ़ती जनसंख्या बोझ नहीं, अगर इसे बनाया जाए अवसर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में निवेश से युवा शक्ति बनेगी विकसित भारत की नींव, 65% युवा = 65% ताकत- जनसंख्या को संसाधन में बदले भारत जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा उठाने का सही समय अभी है नियंत्रण के साथ गुणात्मक विकास जरूरी, तभी मिलेगा डेमोग्राफिक डिविडेंड

युवा भारत, बड़ा अवसर

भारत की 65% आबादी 35 साल से कम उम्र की औसत उम्र- 28 साल - दुनिया में सबसे कम में से एक

2024 में व्यापार- जनसंख्या ही सबसे बड़ा बाजार और सबसे बड़ी वर्कफोर्स

केरल मॉडल- उच्च शिक्षा + स्वास्थ्य = कम जन्म दर जो काम तुरंत करने होंगे

अवसर को ताकत बनाने के 3 मंत्र

शिक्षा + कौशल- हर युवा को रोजगार लायक स्किल

महिला सशक्तिकरण-पढ़ी-लिखी और स्वस्थ महिला = संतुलित परिवार

रोजगार सृजन- मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप में निवेश बढ़ाना होगा

अगर आज निवेश नहीं किया तो लाभांश कल बोझ बन जाएगा जनसंख्या का मजाक मत उड़ाइए। इसे समझिए। जो देश अपनी भीड़ को फौज बनाते हैं, वही दुनिया पर राज करते हैं।

आर्थिक तंगी के कारण समय से पहले बूढ़ा हो रहा दिमाग : अध्ययन

लंदन

लोगों के जीवन में पैसा बहुत मायने रखता है, लेकिन पैसा ही सबकुछ हो, ये जरूरी नहीं। एक नई स्टडी में जानकारी सामने आई है कि जो लोग पैसे को लेकर ज्यादा तनाव में रहते हैं, उनके दिमाग पर काफी गहरा असर पड़ता है। स्टडी में पाया गया है कि पैसे के कारण लगातार होने वाली चिंताएं दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर असर डाल सकती हैं।

आर्थिक तंगी से दिमाग में सिकुड़न

यूनाइटेड किंगडम में इस स्टडी के लिए 2,759 लोगों पर सर्वे किया गया। डेटा के विश्लेषण से पता चला कि 53 साल की उम्र तक, जिन लोगों ने अपनी जिंदगी में आर्थिक तंगी का सामना किया था, उनकी सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निटिव फंक्शन) उन लोगों की तुलना में कम थी, जिन्होंने पैसे की कोई दिक्कत नहीं झेली थी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के रिसर्चर जैक्स वेल्स ने कहा, कई सालों तक लगातार मुश्किलों का सामना करना खराब कॉग्निटिव हेल्थ से जुड़ा है, न कि कभी-कभार आने वाली मुश्किलों से।

स्टडी में पता चला कि जिन लोगों ने जवानी में लगातार पैसे की तंगी या कम आय का सामना किया, 53 साल की उम्र तक पहुंचने पर उनकी सोचने-समझने की शक्ति कम होती चली गई। वहीं 71 साल की उम्र तक उनके दिमाग में काफी सिकुड़न (ब्रेन एट्रोफी) देखी गई।

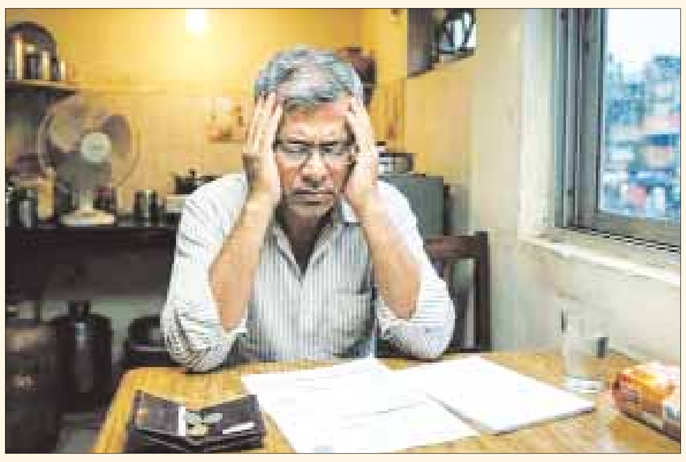

रिसर्चर्स ने यह भी पाया कि इन लोगों में 53 से 69 साल की उम्र के बीच वर्बल मेमोरी (शब्दों को याद रखने की क्षमता) में गिरावट की दर धीमी थी, जिससे पता चलता है कि इन लोगों का पहले ही सोचने-समझने की क्षमता में काफी नुकसान हो चुका था।

क्या है इसके पीछे का कारण?

रिसर्चर्स के मुताबिक, इस संबंध का कारण यह हो सकता है कि आर्थिक तंगी की वजह से दिमाग पर सोचने-समझने का बोझ ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे ध्यान देने और फैसला लेने जैसी प्रक्रियाओं के लिए दिमाग की क्षमता कम हो जाती है। स्टडी में यह भी पाया गया कि उम्र बढ़ने के साथ दिमाग पर आर्थिक तनाव का असर पुरुषों, मुश्किल बचपन वाले लोगों और अल्जाइमर के जेनेटिक रिस्क वाले लोगों पर काफी ज्यादा बुरा होता है।

डिमेंशिया होने का खतरा

स्टडी में बताया गया है कि आर्थिक तंगी को लंबे समय तक चलने वाली समस्या बनने से अगर रोक लिया जाए तो उम्र बढ़ने से जुड़ी सोचने-समझने की क्षमता में कमी और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकता है। डिमेंशिया दुनियाभर में स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी समस्याओं में से एक है। 2019 में इसने 57 मिलियन लोगों को प्रभावित किया था और अनुमान है कि 2050 तक इसके मामले तीन गुना बढ़कर 150 मिलियन से ज्यादा हो जाएंगे।

ऐसी स्टडी के सामने आने के बाद ही रिसर्चर्स अब इस तरह के हालातों को बदलने वाले कारकों को खोजने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यानी वे ऐसी चीजें जिन्हें बदलकर हम उम्र बढ़ने के साथ सोचने-समझने की क्षमता में कमी को धीमा कर सकते हैं और बीमारी की शुरुआत को रोक सकते हैं।

अमेरिका में बवंडर जैसे तूफान ने मचाई भारी तबाही

विस्कॉन्सिन में 3.9 लाख घरों की बत्ती गुल, एक की मौत

वाशिंगटन

अमेरिका के मिडवेस्ट में आए भीषण तूफान के बाद सोमवार को 3,90,000 से अधिक घरों और प्रतिष्ठानों की बिजली गुल हो गई। इस दौरान, विस्कॉन्सिन राज्य के मेनाशा और एपलटन में एक बेहद खतरनाक बवंडर ने भारी तबाही मचाई।

सीएनएन के अनुसार, बवंडर ने घरों को नुकसान पहुंचाया और पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों से घरों के अंदर ही सुरक्षित रहने की अपील की है। उत्तर-पूर्वी विस्कॉन्सिन में आए इस बवंडर ने घरों की छतें उड़ा दीं, संपत्तियों को नष्ट कर दिया और हजारों लोगों को बिना बिजली के रहने पर मजबूर कर दिया।

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने इस बवंडर को बेहद खतरनाक करार दिया और दोपहर के तुरंत बाद विशेष रूप से खतरनाक स्थिति की चेतावनी जारी की। शुरुआती सर्वे में इस बवंडर को कम से कम श्रेणी-2 श्रेणी का आंका गया है, और नुकसान का पूरा तरह से आकलन अभी भी किया जा रहा है।

अमेरिका

मेनाशा के पुलिस प्रमुख मैथ्यू अल्ब्रेक्ट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यदि आप अपने घर में हैं या प्रभावित इलाके में फंसे हैं, तो हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप अपनी जगह पर ही सुरक्षित रहें और बाहर न निकलें। उन्होंने जानकारी दी कि कई एजेंसियों के बचाव दल नुकसान का जायजा ले रहे हैं और पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं।

मेनाशा पुलिस विभाग ने अपने फेसबुक पेज पर भी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि हम व्यापक इलाकों में हुए भारी नुकसान से अवगत हैं। हम जनता से अपील करते हैं कि वे घरों के अंदर रहें, टूटे हुए बिजली के तारों से सावधान रहें, बंद रास्तों की तरफ गाड़ी न ले जाएं और जब तक बहुत जरूरी न हो, उस इलाके में यात्रा करने से बचें।

विनेबागो काउंटी के अधिकारियों ने गिरे हुए पेड़ों और टूटे हुए बिजली के तारों सहित बड़े पैमाने पर नुकसान की सूचना दी है। कई सड़कें अभी भी बंद हैं, जिससे तबाही का सटीक अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह बवंडर दोपहर से ठीक पहले जमीन पर टकराया और कम से कम 20 मिनट तक तबाही मचाने के बाद लेक विनेबागो की ओर बढ़कर पानी के ऊपर शांत हो गया। बवंडर बनने के कुछ मिनट बाद ही इसकी पहली चेतावनी जारी की गई थी, हालांकि उससे पहले ही तेज आंधी और संभावित बवंडर का अलर्ट दिया जा चुका था।

सोमवार को मौसम बिगड़ने के दौरान, विस्कॉन्सिन के वाइटवाटर में 29 वर्षीय एक यूटिलिटी कर्मचारी की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। वह उस वक्त पेड़ों की छंटाई कर रहा था। वाइटवाटर फायर एंड ईएमएस के एक बयान के मुताबिक, टीम के सुपरवाइजर ने एक तेज धमाके और चमक की सूचना दी, और उन्हें लगा कि पेड़ पर बिजली गिरी है।

गाजा में हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख वाएल लदावी मारे गये : आईडीएफ

तेल अवीव, (वार्ता)। इज़रायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने मध्य गाजा पट्टी में हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख वाएल मूसा खालिद लदावी को एक हवाई हमले में मार गिराया है। आईडीएफ ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि रविवार को इज़रायली सुरक्षा बल और इज़रायल सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) ने दीर अल-बलाह क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाकर लदावी को निशाना बनाया। बयान के अनुसार, हमले से पहले नागरिकों को होने वाले संभावित नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाये गये थे। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के जवाब में इज़रायल ने गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। रिपोर्टों के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक गाजा में 72,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.70 लाख से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका-ईरान के बीच सौहार्दपूर्ण वार्ता जारी : ट्रंप

वाशिंगटन, (वार्ता/स्पूतनिक)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल सौहार्दपूर्ण वार्ता चल रही है, हालांकि यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई कर सकता है।श्री ट्रंप ने मिशिगन के मिलफोर्ड में सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हम उन पर जबरदस्त दबाव बना रहे हैं, लेकिन देखते हैं कि इसका क्या परिणाम निकलता है। इस समय उनके साथ हमारी बहुत सौहार्दपूर्ण वार्ता चल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान ने अमेरिका से उसकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने का अनुरोध किया है। इससे पहले एक्सियोस ने शनिवार को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि श्री ट्रंप ने ईरान पर लगातार 13 दिनों तक चले हमलों के बाद आगे की सैन्य कार्रवाई रोकने का आदेश दिया है। वहीं, सोमवार को श्री ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ बैठक का अनुरोध किया है, लेकिन यदि वार्ता विफल रहती है तो सैन्य विकल्प फिर अपनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 18 जून को ईरान और अमेरिका ने 28 फरवरी से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये थे। अमेरिकी सेना ने आठ जुलाई से ईरान पर कई दौर के हमले किये। अमेरिकी केंद्रीय कमान का कहना था कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ ईरानी कार्रवाई के जवाब में किये गये, जबकि ईरान ने इसके जवाब में पश्चिम एशिया स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किये। रिपोर्ट के अनुसार, 12 जुलाई को ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप समाप्त होने तक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की थी।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

टोक्यो, (वार्ता)

जापान के दक्षिण-पश्चिमी क्यूशू क्षेत्र के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया।

जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर इसकी तीव्रता अधिकतम स्तर शिंदो-7 दर्ज की गयी। इसके बाद मौसम एजेंसी ने अरियाके और यात्सुशिरो सागर के तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से समुद्र तटों से दूर रहने की अपील की है। जापान मौसम एजेंसी के अनुसार, भूकंप के तुरंत बाद सुनामी की पहली लहर इन समुद्री क्षेत्रों में पहुंचने की आशंका जतायी गयी है और आगे भी अन्य लहरों के आने की आशंका है। यात्सुशिरो, उटो, माशिकी, मिसातो और कुमामोटो शहर के मिनामी वार्ड में शिंदो पैमाने पर तीव्रता-6 (स्ट्रॉन्ग) के झटके महसूस किये गये, जबकि कुमामोटो के अन्य हिस्सों तथा नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा और मियाजाकी प्रांतों में भी तीव्र झटके दर्ज किये गये। स्थानीय मीडिया के अनुसार, भूकंप का केंद्र कुमामोटो शहर के दक्षिण में स्थित उकी शहर के निकट 10 किलोमीटर की गहराई में था। क्यूशू इलेक्ट्रिक के अनुसार, भूकंप के बाद कुमामोटो प्रांत में लगभग 45,600 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2016 में भी कुमामोटो में आये दो भीषण भूकंपों में 278 लोगों की मौत हुई थी और 2,800 से अधिक लोग घायल हुए थे। उन भूकंपों में कुमामोटो कैसल को भी भारी क्षति पहुंची थी।

महबूबा ने जंतर-मंतर पर दिये बयान के लिए मांगी माफी

श्रीनगर, (वार्ता)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जंतर-मंतर पर दिये अपने विवादित बयान के लिए मंगलवार को माफी मांगी। गौरतलब है कि सुश्री मुफ्ती ने अभी हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होकर कश्मीर में मौजूदा उग्रवाद का जिक्र करते हुए वहां बल प्रयोग को सही ठहराया था। उनके बयान को लेकर जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई अन्य पार्टियों ने उन पर सुरक्षा बलों की ज्यादतियों को सही ठहराने का आरोप लगाते हुए बिना शर्त माफी की मांग की। मुफ्ती ने पार्टी के स्थापना दिवस पर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि वह जंतर-मंतर तब गयी जब केंद्र शासित प्रदेश के बाहर पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों ने उन्हें बुलाया था। उन्होंने इन छात्रों को कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में परेशान किये जाने का दावा किया। उन्होंने कहा, मैं खुद वहां नहीं गई थी। कश्मीर के बच्चों ने मुझे बुलाया था। उन्होंने मुझे क्यों बुलाया? क्योंकि जब भी कुछ होता है और ये बच्चे हमारे देश में कहीं बाहर होते हैं, तो उन्हें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में परेशान किया जाता है। उन्हें लगा कि शायद महबूबा मुफ्ती आयेंगी और शायद हमें मदद मिलेगी। उन्होंने जंतर-मंतर पर दिये अपने बयान को याद करते हुए कहा, मैंने कहा था कि आज पूरा भारत जम्मू-कश्मीर बन गया है।

अखिलेश यादव का सरकार पर तंज, एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया

लखनऊ

लोकसभा में पेपर लीक के खिलाफ संशोधन बिल पर चल रही बहस के दौरान सपा के अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने एक प्रधान को बचाने के लिए दूसरे प्रधान को हटा दिया है। अखिलेश यादव ने प्रधान शब्द का मज़ाकिया अंदाज़ में इस्तेमाल करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि जब मंत्री (पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) (संसद) पहुँचे, तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया। सोचिए सदस्यों को कितनी बड़ी राहत मिली होगी और वे किस बड़े संकट से बच गए। एक प्रधान को हटाकर, आपने असल में प्रधानमंत्री को बचा लिया।

अखिलेश यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थाओं में से एक का काम आउटसोर्स क्यों किया गया है। अखिलेश यादव ने लोकसभा में उन नीट उम्मीदवारों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव का दावा है कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी के शासनकाल में 10 वर्षों के दौरान 20 बार परीक्षा के पेपर लीक हुए। उन्होंने पार्टी को एक विशेष पुस्तिका से परीक्षा पेपर लीक की सूची भी पढ़कर सुनाई। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समस्या कानूनों की नहीं, बल्कि नीयत की है। उन्होंने कहा कि मैं दूर से ही विरोध-प्रदर्शन देख रहा था। जीत के बाद जो नारे लगाए गए, वे सरकार के खिलाफ थे। यह सरकार इस बात पर गर्व करती थी कि वह किसी के सामने नहीं झुकती। इससे पहले कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की "विफलता का स्मारक" करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सदन में 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए और यह दावा किया कि 2024 में लाया गया मूल कानून भी पेपर लीक रोकने में नाकाम रहा था और नया प्रस्तावित कानून भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मंत्री के वक्तव्य और विधेयक के प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर नहीं है और यह केवल दिखावे का विधेयक है। उनके मुताबिक, 2024 में जब इसी तरह का विधेयक लाया गया था तब सरकार ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए दावा किया था कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन उसी वर्ष नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 45 लोगों को आरोपी बनाया गया, जिनमें से अधिकतर को जमानत मिल चुकी है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में रेखा को मिलेगा एक्सीलेंस इन सिनेमा सम्मान

भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री रेखा इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शामिल होंगी और उन्हें भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित एक्सीलेंस इन सिनेमा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।फेस्टिवल के आयोजकों ने बताया कि रेखा की कालजयी फिल्म उमराव जान की विशेष स्क्रीनिंग भी आयोजित की जाएगी। मुजफ्फर अली निर्देशित इस फिल्म में उनके अभिनय को भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में गिना जाता है।

इस अवसर पर रेखा ने कहा कि उमराव जान उनकी यादों और दर्शकों के दिलों में आज भी जीवित है। उन्होंने कहा कि अंतराष्ट्रीय मंच पर फिल्म को सम्मान मिलना उनके लिए भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने एक्सीलेंस इन सिनेमा सम्मान को अपने फिल्मी सफर के साथ-साथ उन सभी फिल्मकारों, लेखकों, संगीतकारों और सहयोगियों को समर्पित किया, जिन्होंने उनके जीवन और करियर को समृद्ध बनाया।

फेस्टिवल की परंपरा के तहत 15 अगस्त को रेखा मेलबर्न में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भी फहराएंगी। इस समारोह में ऑस्ट्रेलिया में बसे भारतीय समुदाय, फिल्मकार, कलाकार और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

आईएफएफएम की संस्थापक एवं फेस्टिवल निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा कि रेखा भारतीय सिनेमा की सदाबहार आइकन हैं और उनकी विरासत दुनिया भर के दर्शकों को प्रेरित करती रही है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता दिवस पर रेखा द्वारा तिरंगा फहराना और उन्हें एक्सीलेंस इन सिनेमा सम्मान प्रदान करना फेस्टिवल के लिए गर्व का विषय है।

मुंबई इवेंट में बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं सामंथा

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी का खूबसूरत दौर एन्जॉय कर रही हैं। जल्द ही वह कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लेने वाली हैं। इससे पहले सामंथा अपने सभी प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में व्यस्त हैं। हाल ही में मुंबई में आयोजित एक इवेंट में सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान खींच लिया। इस दौरान वह ब्लैक जंपसूट में बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत नजर आईं। उन्होंने अपना बेबी बंप भी फ्लॉन्ट किया। इवेंट में मौजूद पापाराजी के लिए सामंथा ने मुस्कुराते हुए पोज दिए और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।सामंथा ने अपनी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस इवेंट के दौरान प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। इस मौके पर उन्होंने कहा था, सॉरी गाइज, मुझे एक और छोटा ब्रेक लेना होगा। इसके बाद मैं फिर वापस आऊंगी। अब मुझे मैटरनिटी लीव पर जाना है, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। सामंथा रूथ प्रभु ने 1 दिसंबर 2025 को फिल्म निर्माता राज निदिमोरु से शादी की थी। दोनों की शादी बेहद सादगी से हुई थी, जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। शादी के कुछ महीनों बाद सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की नकाब के हाउसफुल शो के बीच शोरा सिद्दीकी की एक्टिंग को मिल रही जमकर तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की थिएटर में वापसी बेहद सफल रही है नवाजुद्दीन सिद्दीकी के नाटक नकाब के अमेरिका दौरे के दौरान लगातार हाउसफुल शो हो रहे हैं और दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की जमकर सराहना कर रहे हैं। इस बीच उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी भी अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के कारण चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। शिकागो में आयोजित हाउसफुल शो के बाद नवाजुद्दीन ने सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी टीम को मिले प्यार और समर्थन के लिए वे हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे।नाटक में पिता-पुत्री की जोड़ी को दर्शकों का भरपूर स्नेह मिला। जहां नवाजुद्दीन की प्रभावशाली मंच उपस्थिति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं शोरा की आत्मविश्वास से भरी और भावनात्मक अभिनय क्षमता ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। दर्शकों ने शोरा की प्रस्तुति की खुलकर प्रशंसा की। कई दर्शकों ने कहा कि उन्होंने अपनी अभिनय प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया और मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। एक दर्शक ने कहा कि शोरा ने अपने पिता की विरासत के अनुरूप बेहतरीन काम किया है, जबकि अन्य ने भी उनकी अभिनय क्षमता की सराहना की। लगातार हाउसफुल प्रदर्शनों के साथ नकाब अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखे हुए है। वहीं शोरा सिद्दीकी को मिल रही सराहना यह संकेत देती है कि उन्होंने थिएटर जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाने की दिशा में प्रभावशाली शुरुआत की है।

नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देकर हो रहे निर्माण कार्य

धमनी नदी के तटों के सौंदर्यीकरण और गहरीकरण का कार्य जारी

करेली

नगर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और वार्डों के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद करेली द्वारा विभिन्न वार्डों में निर्माण एवं विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क, नाली, सीसी रोड, आरसीसी नाला, पेपर ब्लॉक रोड एवं अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। इन कार्यों के पूरा होने से जहां नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं बारिश के दौरान जलभराव और पानी निकासी की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका द्वारा वार्डों की आवश्यकता और नागरिकों की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही धमनी नदी के पुनर्जीवन के प्रयासों के तहत नगर पालिका परिषद करेली की सीमा में नदी के तटों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रारंभ किया गया है। नदी क्षेत्र में गहरीकरण सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के साथ-साथ नगर के पर्यावरण और सौंदर्य को भी बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

नगर में चल रहे इन विकास कार्यों को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर के निर्देशन में प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर पालिका का उद्देश्य है कि विकास कार्यों का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचे और प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जा सके।

सुभाष वार्ड में 80 लाख के विकास कार्य

सुभाष वार्ड में लक्ष्मीपुरम कॉलोनी के सामने आरसीसी नाला निर्माण का कार्य तेजी से जारी है, जिसकी लागत लगभग 56 लाख रुपए बताई गई है। इसी प्रकार मंडलोंई के मकान से आशीष हॉस्पिटल तक तथा किरीट सावला के मकान से लूनावत की टीन शेड तक नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसकी लागत लगभग 12 लाख 84 हजार रुपए है। वहीं लक्ष्मी अग्रवाल के मकान से विक्रम कोल तक सीएम इंफ्रा योजना के तहत लगभग 12 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था के साथ आवागमन की सुविधा में सुधार होगा।

महादेव वार्ड में सड़क और नाली निर्माण

महादेव वार्ड में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। आशीष मालवीय से मनोज रजक तक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण, अनंत चौधरी से जीतू किराना तक नाली निर्माण तथा विवेक सराठे से महेंद्र राजपूत तक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण का कार्य लगभग 28 लाख रुपए की लागत से प्रगति पर है। इसके अलावा नायक प्रेस से छत्तर वकील तक, अवधेश खरे से सगीर खान के मकान होते हुए छत्तर वकील तक तथा विकास सोनी से प्रवीण कौरव और भागीरथ कौरव से अनुराग वर्मा तक पेपर ब्लॉक रोड एवं नाली मरम्मत सहित अन्य निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों की लागत लगभग 12 लाख 52 हजार रुपए है। महादेव वार्ड में पेठिया कॉम्प्लेक्स के पीछे दया प्रसाद मेहरा से नन्दू रघुवंशी तक तथा सतीश गुप्ता से देवी चौधरी तक भी निर्माण कार्य प्रारंभ है। इस कार्य पर लगभग 5 लाख 58 हजार रुपए की लागत आएगी। वार्ड में एक साथ विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों से स्थानीय नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।

निरंजन वार्ड में 21 लाख से आरसीसी नाली निर्माण

निरंजन वार्ड में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आरसीसी नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है। पिंकू छावड़ा से नितेश मिश्रा तक, त्रिपाठी जी से राजू सरदार तक, अशोक जैन से अमित अरोड़ा तक, सरोज जैन से पिंकू छावड़ा तक, राकेश जैन से राजू सरदार तक तथा मुन्ना जैन से सत्ती सरदार के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण का कार्य जारी है। इन विभिन्न स्थानों पर हो रहे नाली निर्माण कार्य की लागत लगभग 21 लाख 52 हजार रुपए है। नालियों के निर्माण से वार्ड में पानी की निकासी व्यवस्था सुचारु होने के साथ बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियों से भी नागरिकों को राहत मिलेगी। जयप्रकाश वार्ड में भी नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं। आशीष अग्रवाल के मकान से नागेश के मकान तक नाली निर्माण का कार्य जारी है। इसके साथ ही राजेंद्र शर्मा के मकान से बालिका छात्रावास के पीछे तक सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। वहीं बालिका छात्रावास के सामने बाउंड्री निर्माण का कार्य भी प्रारंभ है। इन कार्यों की कुल लागत लगभग 8 लाख 27 हजार रुपए है।

विकास कार्यों से बदल रही नगर की तस्वीर

नगर पालिका परिषद करेली द्वारा अलग-अलग वार्डों में एक साथ कराए जा रहे सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों से नगर की तस्वीर में बदलाव देखने को मिल रहा है। लंबे समय से आवश्यक निर्माण कार्यों की मांग कर रहे नागरिकों को अब राहत मिल रही है। सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा, जबकि नाली एवं आरसीसी नाला निर्माण से जल निकासी की व्यवस्था मजबूत होगी।

नगर पालिका द्वारा विकास कार्यों के साथ-साथ धमनी नदी के पुनर्जीवन और नदी तटों के सौंदर्यीकरण की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। नदी के गहरीकरण एवं तटों के विकास से नगर के पर्यावरणीय स्वरूप को बेहतर बनाने के साथ भविष्य में नदी संरक्षण को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार एवं सीएमओ श्रीकांत पाटर के निर्देशन में चल रहे इन कार्यों को लेकर नगरवासियों में भी सकारात्मक माहौल है। नगर पालिका का प्रयास है कि विकास कार्यों को गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा के साथ पूर्ण कराकर नागरिकों को बेहतर सड़क, सुचारु जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

गाडरवारा पुलिस ने 2 किलो गांजा सहित 01 आरोपी को किया गिरफ्तार

35 हजार का गांजा एक मोबाइल 01 मोटरसाइकिल हुई जप्त

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। जहाँ एक ओर पुलिस मुख्यालय के आदेश पर *नशा मुक्ति अभियान 2.0* के तहत नरसिंहपुर जिले में पुलिस के द्वारा विभिन्न स्थानों पर युवाओं एवं नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है । वहीं दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थ के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाया जाकर कार्यवाहियाँ भी लगातार जारी है । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना गाडरवारा पुलिस की टीम के द्वारा दिनांक 25/07/2026 की दरमियानी रात को मादक पदार्थ गांजा का परिवहन करते 01 आरोपी के कब्जे से 35 हजार रूपये कीमत का 2 किलो 330 ग्राम गांजा,घटना में प्रयुक्त 01 मोबाईल सहित एक मोटरसाइकिल जप्त की जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

आज गुरु पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। अषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा गुरु पूर्णिमा के रूप में हमारी सनातन संस्तुति में बताई गई है। इस वर्ष स्नान, दाम एवं व्रत की पूर्णिमा एक ही दिन है। अषाढ़ नक्षत्र में प्रीति योग में कर्क राशि के सूर्य व गुरु एवं मकर राशि में चंद्र के गोचर में दिनांक 29 जुलाई 2026 दिन बुधवार को शुरु पूर्णिमा का पावन पर्व है। गुरु ब्रह्मा गुरुर विष्णुः, गुरुर देवो महेश्वरः शुरुः साक्षात पर ब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः गुरुछी सृष्टि का रचयता, पालन हार एवं मोक्ष दिलाने वाला है ऐसे गुरु को हम प्रणाम करते हैं। बाल्यावस्था में हमारे गुरु - माता पिता शिक्षणकाल में हमारे शिक्षक या आचार्य एवं गृहस्थ्य व संयासी जीवन में आपके द्वारा बनाये गये योग्य गुरु या संत गुरु का स्थान ब्रह्मा विष्णु महेश देवों से भी ऊपर, हमारे ग्रंथ कहते हैं। ऐसा गुरु जो समय समयपर आपके कष्टरों को शांत कर आपकी कठिनाइयों को दूर करने में सहायक हो, तथा आपको उस परमात्मा के सार्गघर चलाकर भव सागर से पार करा दे। इसदिन अपने अपने शुरू, से आशीवाद प्राप्त करते हैं। इसदिन धूनी वाले दादाजी साईबेड़ा में, श्री शंकराचार्य जी की समाधी स्थल श्रीधाम में, खकरियावाले मंदिर में दादाजी, पतई ग्राम पीताम्बरा धाम ककराघाट, करौंदी घाट, श्री घडमुखानंदजी से ग्राम हीरापुर स्व. पं-नारायण प्रसाद द्विवेदी नगर गुरु से आशीर्वाद प्राप्त कर शिष्य अपने जीवन को सफल बनायेंगे।

श्री शारदा चंद्रमोलेश्वर मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

करेली। ब्रह्मा की तपोभूमि बरमान घाट के श्री शारदा चंद्रमोलेश्वर मंदिर में 29/07/2026 दिन बुधवार को प्रातः 8 से बजे गुरु पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी। सर्वप्रथम ब्रह्मलीन संत श्री 1008 श्री गुलामदास जी की पूजन अर्चन करने के पश्चात श्री श्री 1008 श्री राम लखन दास जी की पादुका पूजन गुरु स्मरण पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। तत्पश्चात विशाल भंडारा प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित है। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गुरुदेव के परम शिष्य एनपी प्रजापति एवं गुरु शिष्य मंडल के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। शिष्य मंडल के सदस्य एड प्रवीण श्रीवास्तव एवं अमित पेठिया ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने आग्रह किया है।

प्रवेश की अंतिम तिथि 31

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत प्रवेश मेला का आयोजन माधवराव सप्रे शासकीय महाविद्यालय पथरिया जिला दमोह में प्राचार्य डॉङ विनय कुमार वर्मा के निर्देशन में किया जा रहा है जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक पथरिया ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश के लिए प्रेरित कर रहे हैं एवं घर पर जाकर छात्र छात्राओं के अभिभावकों को प्रवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान महाविद्यालय के कॉलेज चलो अभियान प्रभारी डॉण् जगदीश अहिरवार, प्रवेश प्रभारी डॉ. सुधीर साहू, शेख ताज हसन उपस्थित रहे।

गुरु का अस्तित्व ही शिष्यों के कल्याण के लिए है

प्राण और गुरु में कोई अंतर नहीं-श्री स्वामीजी

गुरुपूर्णिमा पर तीर्थवर नैमिषारण्य में पादुका पूजन

करेली। श्री सद्गुरु यानि आषाढ़ के मेघ, जिनके आशीषों की वर्षा हो रही है। भगवत स्वरुप, गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में गुरु की महिमा का बखान करते हुए कहा है कि च्बंदऊ गुरु पद कंज, कृपा सिंधु नर रूप हरिज्ज शिष्यों के लिए धरती पर गुरु ही भगवान का रूप हैं। एक और भजन की पंक्तियां गुरु तत्व की महिमा का विलक्षण गुणगान करती हैं, च्कोई शिष्य गुरु चरणों में जब शीश झुकाता है, परमात्मा खुद आकर आशीष लुटाता हैज्। परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री स्वामी जी महाराज हीरापुर वाले श्री गुरु चरणों की महिमा बताते हुए कहते हैं कि उनके प्राण और गुरु में कोई अंतर नहीं है। वे कहते हैं कि गुरु तत्व देह रूप में भी अपने शिष्यों का कल्याण करते हैं और देह त्यागने के बाद भी सूक्ष्म रूप में शिष्यों का कल्याण करते हैं। गुरु का अस्तित्व ही शिष्यों के कल्याण के लिए है।

बरस रहा गुरुजनों का आशीर्वाद- मां नर्मदा के आशीष से अभिसिंचित नर्मदांचल क्षेत्र सामर्थ्यवान तपस्वी संतो के सानिध्य व आशीष से समृद्ध है। गुरुजनों का आशीर्वाद शिष्यों पर अनन्य भाव से बरस रहा है। बुधवार 29 जुलाई को पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री राजराजेश्वरी भक्त परिवार के बंधु गुरु चरण पादुका पूजन कर पर्व के अवसर पर गुरु चरणों की वंदना करेंगे। मां श्री श्री राजराजेश्वरी एवं मां श्री श्री रेवा के परम साधक, नर्मदापुत्र, तपोनिष्ठ संत प्रवर श्री श्री श्री हीरापुर वाले स्वामी जी महाराज इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ, नैमिषारण्य धाम उप्र में विराजित रहेंगे, जहां गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया जावेगा।

स्कंदाश्रम में लगेगा भक्तों का मेला- बुधवार 29 जुलाई को शिष्यों द्वारा श्री गुरुचरण पादुका पूजन किया जावेगा। इसके पूर्व पूज्य श्री स्वामी जी द्वारा नित्य श्री विद्या उपासना पूजन, श्री अर्चन, विशेष अनुष्ठान किया जावेगा। तदंतर पूज्य स्वामी जी विधिवत गुरु पूजन करेंगे। जिसके उपरांत शिष्यों द्वारा परंपरानुसार श्री गुरु चरण पादुका पूजन किया जावेगा। ज्ञातव्य है कि पूज्य सदगुरुदेव श्री स्वामी जी महाराज तीर्थवर, तपोभूमि नैमिषारण्य स्थित स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ में क्षेत्र साधनारत हैं, जिसमें विशेष पूजन, अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इस वर्ष श्री गुरु चरणों की वंदना हेतु स्कंदाश्रम, श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ नैमिषारण्य धाम में भक्तों का मेला लगेगा।

आयोजन को बना दिया ऐतिहासिक : 11वॉ अभा प्रतिभावान छात्र सम्मान समारोह संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)

रानी दमयंती की पावन नगरी दमोह में अभा असाटी वैश्य समाज महासभा के तत्वावधान में असाटी समाज समिति दमोह के संयोजन में 11वाँ अखिल भारतीय प्रतिभावान छात्र सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शिक्षा, प्रतिभा और सामाजिक एकता को समर्पित इस समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए समाजबंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। समारोह में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, आईआईटी, नीट एवं अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को बेस्ट टीचर अवॉर्ड एवं दृष्टिहीन बिटिया को लेपटॉप हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय असाटी द्वारा राशि सहित साथ ही सम्मानित किया गया। प्रतिभाओं का सम्मान कर समाज ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी संदेश दिया तथा समाज की नई पीढ़ी को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान की। समारोह में मुख्य अतिथि पंकज असाटी जीएम एनएचएआई नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. पंकज असाटी जबलपुर श्रीमती डॉ माधुरी इंदौर डॉ. चंपालाल फुटेरा, सुनील असाटी अध्यक्ष, असाटी समाज समिति जबलपुर सौरभ गोविंददास असाटी छतरपुर डॉ भरत असाटी इंदौर, दिलीप असाटी तिरोड़ा अध्यक्ष गोंदिया क्षेत्र, सतीश नायक सागर शिवम असाटी रेलवे भोपाल, अभिषेक असाटी दमोह रहे। अतिथियों में मंत्री लखन पटेल आनंद विभाग, मनु मिश्रा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, मुख्य संरक्षक वीरेंद्र असाटी पूर्व अध्यक्ष डॉ रमेश असाटी बड़ा मलहरा अशोक गुप्ता भोपाल इंजीनियर रमेश असाटी दमोह एवं युवा साथियों के साथ ही मंच पर अखिल भारतीय महिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू राजकुमार जी इंदौर एवं श्रीमती मालती असाटी पूर्व नपा अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय युवा अध्यक्ष चंद्रकांत नायक मड़ावरा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आज श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर सहित आसपास के क्षेत्र में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं संतों के आश्रमों में गुरु पूजन, पादुका पूजन, आरती, प्रसाद वितरण तथा गुरु दीक्षा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु अपने गुरुजनों का पूजन कर दान.दक्षिणा अर्पित करेंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गुरु पूर्णिमा का मुख्य आयोजन अजबधाम में होगा जहां जै जै सरकार की पादुकाओं का पूजन छोटे सरकार द्वारा किया जाएगा। पूजन एवं महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसके उपरांत छोटे सरकार का गुरु पूजन होगा तथा इच्छुक श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा भी प्रदान की जाएगी। नगर के गायत्री शक्तिपीठ में युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के गुरु पूजन का विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं पीताम्बरा पीठ में ब्रह्मलीन संत गयाप्रसाद नायक बाबूजी की पादुकाओं का विधिविधान से पूजन किया जाएगा।

बोलेरो को बचाने के प्रयास में ट्रक पलटा परिचालक गंभीर घायल, जबलपुर रेफर

एक घंटे से अधिक समय तक बाधित रहा दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे

जबेरा (स्वतंत्र मत)

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर जबेरा-सिंग्रामपुर के बीच दानीताल जंगल स्थित सिद्ध बाबा के पास मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही बोलेरो को बचाने के प्रयास में एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक चालक और परिचालक वाहन के केबिन में फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रविंद्र बागरी के नेतृत्व में सिंग्रामपुर चौकी प्रभारी विकास सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान प्रधान आरक्षक रणधीर सिंहए प्रधान आरक्षक रामगोपाल, आरक्षक शैलेंद्र, आरक्षक प्रशांत दुबे तथा डायल 112 के पायलट महेंद्र ठाकुर भी मौजूद रहे। पुलिस और डायल 112 की टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए ट्रक के केबिन में फंसे चालक और परिचालक को सुरक्षित बाहर निकाला। थाना प्रभारी ने बताया कि परिचालक ट्रक के केबिन में गंभीर अवस्था में फंसा हुआ था। उसे रेस्क्यू कर तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा पहुंचाया गया। घायल परिचालक की पहचान भरत यादव, निवासी झांसी के रूप में हुई है। वहीं ट्रक चालक को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा में पदस्थ डॉक्टर शोएब अहमद खान ने घायल भरत यादव का प्राथमिक उपचार किया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर कर दिया। हादसे के कारण दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर करीब एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर यातायात व्यवस्था संभालते हुए धीरे-धीरे जाम खुलवाया और हाईवे पर आवागमन को पुनः सुचारू कराया।

बटियागढ़ की दो सड़क परियोजनाओं के टेंडर खुले

नील माधव कंस्ट्रक्शन को मिली स्वीकृति

हटा (स्वतंत्र मत)। बटियागढ़ ब्लॉक की बहुप्रतीक्षित बरौदा, भरौटा, तालगांव एवं सगौनी, बड़ागांव सड़क निर्माण परियोजनाओं के टेंडर आखिरकार खुल गए हैं। लोक निर्माण विभाग ने लगभग एक माह बाद वित्तीय निविदाएं खोलते हुए 7 प्रतिशत बिलों की सबसे कम दर पर बोली लगाने वाली नील माधव कंस्ट्रक्शन की निविदा को स्वीकृति दे दी है। जानकारी के अनुसार इन दोनों सड़कों के निर्माण के लिए पिछले करीब पांच वर्षों में कई बार निविदाएं जारी की गईंए लेकिन विभिन्न कारणों से हर बार प्रक्रिया निरस्त होती रही। इस बार टेंडर प्रक्रिया में केवल दो ठेकेदारों ने भाग लिया। प्रतिस्पर्धी ठेकेदार नन्ना कंस्ट्रक्शन ने नील माधव कंस्ट्रक्शन की तकनीकी बोली पर आपत्ति दर्ज कराते हुए ग्रेडर के बिल में ओवरराइटिंग तथा जेसीबी और कॉम्पेक्टर मशीनों के दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की थी। आरोप है कि विभाग ने नन्ना कंस्ट्रक्शन की तकनीकी बोली निरस्त कर दी जबकि नील माधव कंस्ट्रक्शन के दस्तावेजों की विस्तृत जांच कराने के बजाय शपथपत्र के आधार पर उसकी बोली को वैध मान लिया। इसके बाद नील माधव कंस्ट्रक्शन एकमात्र पात्र बोलीदाता बची। सोमवार को वित्तीय निविदा खोले जाने के बाद विभाग ने दोनों सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति नील माधव कंस्ट्रक्शन को प्रदान कर दी। निर्माण एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि हाल के वर्षों में सड़क निर्माण कार्यों के लिए 7 प्रतिशत बिलों की दर अपेक्षाकृत कम मानी जा रही है जबकि संभाग के कई अन्य कार्य 20 से 25 प्रतिशत बिलो तक की दरों पर स्वीकृत हुए हैं। ऐसे में सीमित प्रतिस्पर्धा और कम बिलों दर को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

महेंद्र गोयनका से राज उगलवाने कोलकत्ता पुलिस को फिर मिली रिमांड

1000 हजार करोड़ हड़पने के षड्यंत्र में मास्टर माइंड गोयनका को नहीं मिली बेल

कंपनी हड़पने के साथ ही वित्तीय अभिलेख, बैंकिंग लेन-देन

संपत्ति संबंधी दस्तावेज को लेकर आगे होगी जांच

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कोलकत्ता पुलिस ने कटनी निवासी विधायक संजय पाठक की पारिवारिक कंपनियों से 1000 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में रायपुर निवासी षड्यंत्रकारी महेन्द्र गोयनका को दस दिनों की रिमांड पूरी होने पर कोलकत्ता कोर्ट में पेश किया कोर्ट में दोनों पक्षों की बहस एवं पुलिस के द्वारा अब तक की गई जांच से संतुष्ट होकर एवं पुलिस द्वारा प्रकरण से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच के लिए

मुख्य आरोपी महेंद्र गोयनका को पुनः रिमांड जारी करने का आग्रह किया जिस पर कोर्ट ने महेंद्र गोयनका को पुनः चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है। अब दिनों की पुलिस रिमांड मिलने के बाद कंपनियों को हड़पने, करोड़ों रुपये के वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार तथा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से कंपनी पर अवैध कब्जा करने के आरोपों की जांच अब और तेज होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी को अब तक की पूछताछ और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई हैं।

पुलिस का मानना है कि कंपनी के स्वामित्व, वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों में कथित हेरफेर से जुड़े तथ्यों की पुष्टि के लिए आरोपियों से आगे भी विस्तृत पूछताछ आवश्यक है। जांच के दायरे में कंपनी के वित्तीय अभिलेख, बैंकिंग लेन-देन, संपत्ति संबंधी दस्तावेज तथा कथित रूप से तैयार किए गए कूटरचित दस्तावेज शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच के लिए सभी संबंधित पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन 31 जुलाई तक

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारत सरकार द्वारा बच्चों की विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने तथा देश के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के अंतर्गत बच्चों को साहस, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे की आयु 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम होना आवश्यक है। निर्धारित श्रेणियों में उत्कृष्टता एवं उल्लेखनीय योगदान रखने वाले बच्चे राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं।

जनसुनवाई में पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं

त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 28 जुलाई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी शिवा पाठक, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी वि.गढ धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक की

समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं।

कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदको को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई।

70 पौधों के रोपण के साथ हुआ श्री सत्य साई प्रेमतरु पौधरोपण अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)। 70 पौधों के रोपण के साथ हुआ श्री सत्य साई प्रेमतरु पौधरोपण अभियान का एक और चरण संपन्न। रविवार 26 जुलाई को सुबह 10:30 बजे, ग्राम पड़रिया के समीप स्थित अजय सोनी के फॉर्महाउस में श्री सत्य साई सेवा समिति, कटनी के सेवादल सदस्यों ने आम, आंवला, अमरूद, नींबू, नीम, जामुन आदि के फलदार एवं छायादार पौधों का आध्यात्मिक वातावरण में श्री साई राम का जाप तथा जियो टैगिग के साथ, रोपण किया। इस अवसर पर न्यू कटनी समिति व स्थानीय ग्रामवासियों के अलावा बाल विकास के नन्हें-मुन्ने

बच्चों की भी उत्साहजनक भागीदारी रही। ज्ञात हो कि इस अखिल भारतीय पौधरोपण अभियान का शुभारंभ गत 12 जुलाई को आरंभ हुआ था, जिसमें समिति द्वारा गोद लिए हुए ग्राम शिवराजपुर में 100 एवं कैलवारा स्थित दयोदय पशु सेवा केंद्र (गौशाला) में 135 पौधों का रोपण हुआ था। तदोपरांत इसी क्रम में 19 जुलाई को हरदुआ स्थित नेता जी श्री सुभाष चंद्रबोस छात्रावास में 60 पौधे लगाए गए थे।

पौधरोपण एवं पौधसंरक्षण से संकल्पित यह महाअभियान भगवान श्री सत्य साई बाबा के असीम आशीर्वाद एवं प्रेरणा से आगे भी जारी रहेगा।

साईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग में लैम्प लाइटिंग और शपथ ग्रहण समारोह

कटनी (स्वतंत्र मत)।

स्थानीय श्री हॉस्पिटल परिसर में साईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए लैम्प लाइटिंग एवं ओथ टेकिंग (दीप प्रज्वलन और शपथ ग्रहण) समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग के नए विद्यार्थियों ने मानव सेवा और अपने कर्तव्य के प्रति वफादार रहने की पवित्र शपथ ली। समारोह के मुख्य अतिथि कटनी के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन डॉ. शोभना सक्सेना एवं डॉ. दीपक सक्सेना ने की। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर आमोद सक्सेना, स्वाति सक्सेना एवं

सांभवी सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और नर्सिंग की जन्मदाता फ्लोरेंस नाइटिंगेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सभी नए छात्र-छात्राओं के लैम्प प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी के बीच ओथ ऑफिसर अर्चना पीटर प्रिंसिपल गवर्नमेंट मेडिकल नर्सिंग कॉलेज जबलपुर द्वारा सभी विद्यार्थियों को नर्सिंग पेशे की मर्यादा बनाए रखने और बिना किसी भेदभाव के मरीजों की निःस्वार्थ सेवा करने की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। चेयरमैन डॉ. शोभना सक्सेना और डॉ. दीपक सक्सेना ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल के आदर्शों पर चलकर ही चिकित्सा क्षेत्र में एक बेहतर पहचान बनाई जा सकती है। डायरेक्टर आमोद सक्सेना ने सभी नवागंतुक छात्र-छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस गरिमामय समारोह में अर्चना पीटर, अजीत नायर शीबा एंड्रयू, लीना वर्मा प्रिंसिपल एमजीएम नर्सिंग कॉलेज, श्री हॉस्पिटल एवं साईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग के डिप्टी डायरेक्टर दीपक माथुर और कॉर्डिनेटर प्रदीप पटेल एवं शिक्षकगण के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन हुआ अस्पताल का स्टाफ और नर्सिंग छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

21 लाख की लागत से बिरसा मुंडा वार्ड में बनेगी सीसी नाली

महापौर, क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

महापौर ने कहा- विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा हर वार्ड

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के क्रम में सोमवार को बिरसा मुंडा वार्ड क्रमांक 02 में लगभग 21.15 लाख की लागत से निर्मित होने वाली सी.सी. नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद नन्ही बाई तुलाराम गौंटिया सहित जनप्रतिनिधियों ने वार्ड में स्थित संतोषी माता मंदिर में विधि विधान के साथ पूजा अर्चन के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

यह नाली निर्माण कार्य शीला पटेल के मकान से पाल बुंदेला के फार्म हाउस तक कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ ही बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से भी स्थायी राहत मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, ओमी अहिरवार, पार्षद शकुंतला सोनी, समाज सेवी तुलाराम गोटिया, संजय तिवारी, दानिश अहमद सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हर वार्ड का संतुलित विकास हमारी प्राथमिकता- महापौर

इस अवसर पर महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नाली निर्माण कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी तथा नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। वही क्षेत्रीय पार्षद नन्हीबाई गौंटिया ने अपने संबोधन में कहा कि वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस महत्वपूर्ण मांग को पूरा होते देख उन्हें अत्यंत प्रसन्नता है। उन्होंने कहा कि यह निर्माण कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा बरसात के दौरान होने वाली जलभराव एवं गंदगी की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्य प्रारंभ होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए महापौर, क्षेत्रीय पार्षद एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पचेली साहित्य के संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

पचेली काव्य वीथिका का लोकार्पण तथा काव्य गोष्ठी संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर की साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति, सिहोरा द्वारा रविवार को पचेली साहित्य को समर्पित एक भव्य साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने की, मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे तथा विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह ठाकुर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन अर्चन उपरांत प्रमोद दाहिया द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात् अतिथियों ने विजय बागरी विजय के संपादन, मदन पेंटर के सहसंपादन तथा राजेंद्र सिंह ठाकुर के अथक प्रयासों से प्रकाशित

पचेली काव्य संग्रह पचेली काव्य वीथिका का लोकार्पण किया। इसी अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे की पचेली काव्य कृति बाबा हरें बतात ते का भी विधिवत लोकार्पण किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने पचेली काव्य वीथिका की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कृति पचेली भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं साहित्यिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने पुस्तक में संकलित रचनाओं की भाषा, भाव एवं लोकजीवन के सजीव चित्रण की सराहना की। इसके पश्चात आयोजित पचेली काव्य गोष्ठी में डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, सुरेश मिश्र विचित्र, डॉ. उदय भानु तिवारी मधुकर, नारायण तिवारी, प्रमोद दाहिया, मुकेश त्रिपाठी, प्रकाश सिंह ठाकुर, इंद्र सिंह राजपूत, आशा अवस्थी, डॉ. अरुणा पाण्डेय, आदि ने पचेली भाषा में अपनी रचनाओं का प्रभावपूर्ण पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की बहुदा रथयात्रा श्रद्धा समरसता एवं सामाजिक एकता का बनी प्रतीक

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अयोध्यावासी वैश्य समाज एवं महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी की पावन बहुदा रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। इस दिव्य आयोजन ने अयोध्यावासी वैश्य समाज की धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता, सेवा भावना, संगठन शक्ति एवं (वसुधैव कुटुम्बकम्) के महान आदर्श को साकार रूप में प्रस्तुत किया। रथयात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी, श्री बलभद्र जी एवं माता सुभद्रा जी दिव्य रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन प्रदान कर रहे थे। अयोध्यावासी वैश्य समाज के मातृशक्ति, युवाशक्ति, वरिष्ठजनों एवं समस्त स्वजाति बंधुओं ने अनुशासन, श्रद्धा और उत्साह के साथ रथयात्रा में सहभागिता कर सामाजिक एकता और समरसता का प्रेरणादायी परिचय दिया। भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन, जयघोष, पुष्पवर्षा एवं प्रभु की भव्य महाआरती से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो उठा। समाज के वरिष्ठजनों एवं श्रद्धालुओं ने प्रभु को श्रद्धापूर्वक भोग अर्पित किया तथा भावभक्ति के साथ महाप्रसाद का वितरण कर सेवा, समर्पण और भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परम्परा को जीवंत किया। सम्पूर्ण नगर जय जगन्नाथ स्वामी एवं जय श्रीराम के उद्घोषों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने प्रभु के दिव्य दर्शन कर राष्ट्र, समाज एवं समस्त मानवता के सुख, शांति, समृद्धि और लोककल्याण की मंगलकामना की। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी अपनी बहन माता सुभद्रा एवं बड़े भाई श्री बलभद्र जी के साथ भक्तों को दर्शन देने हेतु श्रीमंदिर से अपनी मौसी के घर गुंडीचा मंदिर पधारते हैं, जहाँ सात दिनों तक विराजमान रहते हैं।

तत्पश्चात माता महालक्ष्मी के स्नेहपूर्ण मान-मनुहार के पश्चात भगवान पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। इसी पावन वापसी यात्रा को बहुदा रथयात्रा कहा जाता है। यह दिव्य परम्परा प्रेम, पारिवारिक स्नेह, विनम्रता, कर्तव्य, सेवा और भगवान के भक्तवत्सल स्वरूप का अमर संदेश देती है। इस अवसर पर अयोध्यावासी वैश्य समाज ने संकल्प लिया कि समाज की वास्तविक शक्ति प्रेम, संस्कार, सेवा, सहयोग और संगठन में निहित है। जब समाज एकजुट होकर धर्म और संस्कारों के पथ पर चलता है, तब विकास, विश्वास और समृद्धि के नए द्वार खुलते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने, नई पीढ़ी में संस्कार जागृत करने, पारस्परिक सहयोग बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बनते हैं। कटनी नगर में अयोध्यावासी वैश्य समाज ने (वसुधैव कुटुम्बकम्) की भावना को आत्मसात करते हुए सामाजिक एकता, प्रेम और सद्भाव का दीप प्रज्वलित किया तथा यह संकल्प दोहराया कि हम सभी भेदभाव, वैमनस्य और अहंकार का त्याग कर प्रेम, समरसता, सहयोग, सेवा और मानवता के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहेंगे। संगठित समाज ही सशक्त समाज होता है और सशक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रद्धेय शील कुमार गुप्ता के निवास से सम्पन्न हुआ।

कटनी ग्रामीण में हुआ मध्यप्रदेश पटवारी संघ के तहसील अध्यक्ष का चुनाव

कटनी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल (शासन से मान्यता प्राप्त संगठन) तहसील कटनी के अध्यक्ष पद हेतु 27 जुलाई को जिलाध्यक्ष दादूराम पटेल के मार्गदर्शन में चुनाव हुआ जिसमें संचालन विवेक तिवारी द्वारा किया गया प्रकाश गुप्ता के नाम का प्रस्ताव अंजली जैन द्वारा दिया गया जिसे सर्वे सहमति से प्रकाश गुप्ता के नाम पर सर्व सहमति बनी व उन्हें तहसील अध्यक्ष कटनी ग्रामीण निर्वाचित घोषित किया गया है प्रकाश गुप्ता द्वारा तहसील कारकारणी सभी की उपस्थिति में तैयार की गई जिसमें संरक्षक चंद्रशेखर कोरी, राजकुमार गौतम, श्यामाचरण शुक्ला, रविंद्र तिवारी, उपाध्यक्ष गुलजारी लाल कोल, ज्योति अग्निहोत्री, सचिव पवन पटेल, कोषाध्यक्ष अभिषेक तिवारी, प्रवक्ता विवेक तिवारी, दिनेश गुप्ता, वीनू ललखेर, प्रचार मंत्री अमन नामदेव, बाळकृष्ण पांडेय, मिडिया प्रभारी अंजली जैन, अभिषेक सोनी, भूपेंद्र पटेल को बनाया गया है निर्वाचन के समय तहसील कटनी ग्रामीण के सभी पटवारी उपस्थित रहे धन्यवाद।

संगठन होगा मजबूत, हक की लड़ाई होगी तेज जबलपुर से लघु वेतन कर्मचारी संघ का बड़ा संकल्प

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के सशक्त संगठन संकल्प अभियान- 2026 के अंतर्गत संभागीय मुख्यालय जबलपुर स्थित इंडियन कॉफी हाउस में एक महत्वपूर्ण संभागीय सम्मेलन एवं संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संघ के यशस्वी प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। संभागीय मुख्यालय के गरिमामई कार्यक्रम में संगठन को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। साथ ही कर्मचारियों की वर्षों से लंबित ज्वलंत समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर आगामी आंदोलन एवं संगठनात्मक रणनीति तैयार की गई। बैठक में प्रमुख रूप से चतुर्थ श्रेणी के सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने, पदोन्नति में सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त करने, कार्यभारित एवं स्थायी कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित अन्य कर्मचारी हितैषी मांगों को लेकर सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया गया। साथ ही प्रदेश स्तर पर अब तक किए गए प्रयासों एवं

सीपीसीटी बाध्यता समाप्त करने, सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति और नियमितीकरण पर बनी आगामी रणनीति

उपलब्धियों की जानकारी भी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दी गई। कार्यक्रम के दौरान नवगठित संभागीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए तथा सभी पदाधिकारियों ने संगठन को तहसील ब्लॉक स्तर से और जिलों में समस्त विभागों में मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया एवं कर्मचारी हितैषी मुद्दों संघ के उत्कृष्ट कार्य करने हेतु संभागीय शाखा जबलपुर के द्वारा संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष व प्रदेश संगठन प्रचार सचिव पूर्णेश उइके एवं उप प्रांताध्यक्ष अजय गौतम को फूलमाला पहनाकर शाल श्रीफल देकर कर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में संघ के प्रदेश महामंत्री अजय दुबे, उप प्रांताध्यक्ष अजय गौतम, प्रांतीय कोषाध्यक्ष कमलेश पटेल की विशेष गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष विपिन पीपरे, प्रशांत श्रीवास्तव, संजय रजक, सुरेश वाल्मीकि, रोहित कुशवाहा, ओमप्रकाश पनगरहा, नरेश कुलस्ते, दिवेंद्र पटेल, प्रेम नारायण ठाकुर, शंकर वानखेड़े, शिव नारायण साहू, चतुरु प्रसाद यादव, पुरुषोत्तम यादव, राजू महतो, हबीब खान, महबूब खान, सुधीर सोनी, सुनील पाठक, मनीष खरे, मनोज श्रीवास, राकेश जसूजा, राकेश पांडेय, नीलेश पौराणिक, हरीश बेन, अजीमुद्दीन शाह, धर्मेंद्र राज लालचंद मल्लाह, नंदकिशोर केवट, सुरेश धूलिया, निशा बैगा, अमर बर्मन, विजय, प्रदीप रजक, रामेश्वर बर्मन, अनीता पांडे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी सम्माननीय पदाधिकारी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उक्त कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त संघ के संभागीय अध्यक्ष विपिन पिपरे ने किया।

वल्लुरी अजय बाबू ने पुरुषों के 79 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता

ग्लासगो, (वार्ता)

वल्लुरी अजय बाबू ने पुरुषों के 79 किग्रा वर्ग के फ़ाइनल में कुल 330 किग्रा (149 किग्रा स्नैच 181 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वज़न उठाकर सिल्वर मेडल जीता। उनका 149 किग्रा का स्नैच कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड था। अजय बाबू ने अपने पिता वल्लुरी श्रीनिवास राव के नक्शेकदम पर चलते हुए यह उपलब्धि हासिल की; उनके पिता ने भी 2010 में नई दिल्ली में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था। अजय बाबू स्वर्ण पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गए। वह मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद से एक किग्रा पीछे रहे। एरी

हिदायत मुहम्मद ने 331 किग्रा (147 184) वजन उठाकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे ने 325 किग्रा (148 177) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

रिकॉर्ड बनाने वाले सर्वेश कुशारे ने हाई जंप में रजत पदक जीता

नेशनल रिकॉर्ड होल्डर सर्वेश कुशारे ने सोमवार को 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इंटरनेशनल एथलेटिक्स में अपनी शानदार बढ़त जारी रखी और अपने बेहतरीन सीज़न में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ी। भारतीय हाई जम्पर ने फ़ाइनल में 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीन कोशिशें नाकाम रहने के कारण उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। जमैका के रोमेन बेकफ़ोर्ड ने काउंटबैक के आधार पर गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की ऊंचाई पार करके ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया। यह सिल्वर मेडल उन्हें भुवनेश्वर में नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर भारतीय रिकॉर्ड तोड़ने के कुछ हफ़्ते बाद मिला है; उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के आठ साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। कुशारे के लिए 2026 का सीज़न शानदार रहा है। इस महीने की शुरुआत में, वह डायमंड लीग मीट में पोडियम पर जगह बनाने वाले चौथे भारतीय एथलीट बने, जब उन्होंने मोनाको में तीसरा स्थान हासिल किया। इससे दुनिया के बेहतरीन हाई जंपर्स में उनकी जगह पक्की हो गई। ग्लासगो में, भारतीय एथलीट ने पूरे कॉम्पिटिशन के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और संयम बनाए रखा। वह मेडल की दौड़ में बने रहे, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार न कर पाने के कारण उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। दोनों एथलीटों का बेस्ट परफॉर्मेंस एक जैसा होने के कारण बेकफ़ोर्ड को काउंटबैक के आधार पर गोल्ड मेडल दिया गया। कॉमनवेल्थ गेम्स का सिल्वर मेडल भारत के प्रमुख हाई जम्पर के तौर पर कुशारे की स्थिति को और मज़बूत करता है और इस सीज़न में आगे होने वाले बड़े ग्लोबल कॉम्पिटिशन के लिए उनकी दावेदारी को और मज़बूत बनाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों की चुनौती के लिए नीरज चोपड़ा बेहतरीन फ़ॉर्म में

स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, जो 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में जैवलिन थ्रो चैंपियन बने थे लेकिन 2022 के गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे, पीठ की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं और इस सीज़न में उन्होंने सिर्फ़ एक बार ही मुक़ाबला किया है। भारत के जैवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले बेहतरीन फ़िज़िकल फ़ॉर्म में हैं। नीरज चोपड़ा ने 2018 गोल्ड कोस्ट में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन चोट के कारण बर्मिंघम 2022 गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे। भारतीय जैवलिन स्टार को पिछले साल सितंबर में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से ठीक पहले पीठ के निचले हिस्से में समस्या हो गई थी। 2026 में उन्होंने सिर्फ़ एक बार मुक़ाबला किया है जून में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। ग्लासगो 2026 में पुरुषों के जैवलिन इवेंट में कई बड़े नाम शामिल हैं। पाकिस्तान के अरशद नदीम डिफेंडिंग चैंपियन होंगे। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ने बर्मिंघम 2022 में 90.18 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था। नीरज की तरह, नदीम ने भी इस सीज़न में सिर्फ़ एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है; इस महीने की शुरुआत में स्विट्ज़रलैंड में हुई स्पिट्ज़ेन लीचथलेटिक ल्यूसर्न मीट में वह 80 मीटर का मार्क पार नहीं कर पाए और नौवें स्थान पर रहे। पिछले साल की वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद से यह पाकिस्तानी एथलीट चोटों से भी जूझ रहा है। ग्रेनाडा के दो बार के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के मौजूदा वर्ल्ड और पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी मुकाबले में शामिल हैं। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिराज का उभरना भी मुकाबले को और दिलचस्प बना रहा है; उनके नाम इस सीज़न में 92.62 मीटर का वर्ल्ड लीडिंग थ्रो है। भारत के रोहित यादव, जिन्होंने पिछले महीने 87.05 मीटर का थ्रो किया था, और यश वीर सिंह भी मेडल की दौड़ में अपनी दावेदारी पेश करेंगे, साथ ही कई अन्य शीर्ष एथलीट भी मुकाबले में होंगे। पुरुषों का जैवलिन थ्रो क्वालिफाइंग राउंड 30 जुलाई को स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में होगा और फ़ाइनल अगले दिन खेला जाएगा।

विशाल टीके पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के सेमीफ़ाइनल में पहुँचे

विशाल टीके ने हीट 6 में 46.49 सेकंड का समय लिया और दूसरे स्थान पर रहे। कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहने के कारण उन्होंने 400 मीटर सेमीफ़ाइनल के लिए टॉप-16 में जगह बना ली। भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरुवार को सेमीफ़ाइनल के लिए ट्रैक पर वापसी करेंगे। राजेश रमेश पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के सेमीफ़ाइनल में जगह नहीं बना पाए : राजेश रमेश ने हीट 3 में 47.43 सेकंड का समय लिया और कुल मिलाकर टॉप 16 से बाहर रहे, जिससे 400 मीटर सेमीफ़ाइनल में पहुँचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं।

साजन प्रकाश पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई में आठवें स्थान पर रहे- भारत के साजन प्रकाश पुरुषों के 200 मीटर बटरफ्लाई फ़ाइनल में 1:58.05 के समय के साथ आठवें स्थान पर रहे। वे गोल्ड मेडल जीतने वाले न्यूज़ीलैंड के लुईस क्लेयरबर्ट से तीन सेकंड पीछे रहे। भारत के आर्यन नेहरा पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल फ़ाइनल में 8:07.26 के समय के साथ सातवें स्थान पर रहे। पैरा स्विमिंग: स्वातिक पटेल पुरुषों के 100 मी ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी 9 फ़ाइनल में 1:15.82 का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे। एस बी 9 उन ब्रेस्टस्ट्रोक तैराकों के लिए एक क्लासिफिकेशन है जिन्हें पैरों में कमज़ोर कोऑर्डिनेशन, कूल्हे के जोड़ या पैरों में मूवमेंट की मध्यम सीमाएं, पैर में गंभीर समस्या या किसी अंग की मामूली कमी जैसी दिक्कतें होती हैं।

आदित्य प्रताप यादव प्री-क्वार्टर फ़ाइनल से बाहर- आदित्य प्रताप यादव को युगांडा के नूह बाटे के ख़िलाफ़ राउंड ऑफ़ 16 के मुक़ाबले में 3-2 के स्प्लिट फ़ैसले से हार का सामना करना पड़ा। ग्लासगो 2026 में बॉक्सिंग में भारत की यह पहली हार थी। इस बीच जादुमणि सिंह ने पाकिस्तान के सुमामा रहमान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वह मंगलवार को अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मुक़ाबले के लिए रिंग में उतरेंगे।

जिनेवा में अपने विश्व खिताब का बचाव करेंगे गुकेश

चेन्नई, (वार्ता)

भारत के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश और चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच 2026 का फिडे वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक होगा। फिडे ने मंगलवार को घोषणा की कि जब यह इवेंट शुरू होगा, तो भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले गुकेश और उज्बेकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंदारोव, दोनों 20 साल के होंगे। यह इतिहास का सबसे कम उम्र का वर्ल्ड चैंपियनशिप मुकाबला होगा। इस घोषणा का स्वागत करते हुए, फिडे के अंतरिम अध्यक्ष और भारत के विश्वनाथन आनंद ने कहा, कई देशों ने फिडे वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की मेजबानी करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई थी, जिनमें भारत, अमेरिका और साइप्रस शामिल हैं। सभी प्रस्तावों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, फिडे ने मैच को न्यूट्रल जगह पर आयोजित करने और इसे जिनेवा लाने का फैसला किया है। जिनेवा एक ऐसा शहर है जिसकी देशों और संस्कृतियों को एक साथ लाने की ऐतिहासिक परंपरा रही है। विशी आनंद ने कहा, हम स्विट्ज़रलैंड में ग्लोबल चेस कम्युनिटी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। स्थानीय चेस फैंस को वर्ल्ड-क्लास चेस को सामने से देखने का मौका मिलेगा, जबकि दुनिया भर के लाखों फैंस ऑनलाइन इस मुकाबले को देख सकेंगे, क्योंकि चेस के सबसे बड़े खिताब के लिए यह मुकाबला खेला जाएगा।

सारांश जैन को मिला मौक़ा- जडेजा और बुमराह की वापसी

मुंबई,(वार्ता) ऑफ़ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उन्हें श्रीलंका के ख़िलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए मौक़ा दिया गया है। साथ ही रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह भारतीय टेस्ट टीम में वापस लौटे हैं, लेकिन बुमराह तब ही खेलेंगे जब उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम की तरफ़ फ़िटनेस क्लियरेंस मिल जाता है। उनके अलावा साई सुदर्शन का चयन भी फ़िटनेस के अधीन है। वहीं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं थे। वॉशिंगटन की चोट के कारण ही मध्य प्रदेश के सारांश के लिए टीम का रास्ता खुला। 33 वर्षीय ऑलराउंडर ने हाल ही में इंडिया ए के श्रीलंका दौरे के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया था। उस दौरान उन्होंने दूसरे चार दिवसीय मैच के दौरान नाबाद 70 रन बनाए थे और सात विकेट लिए थे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सारांश ने अब तक 54 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 31.75 की औसत से 2223 रन बनाए है।

श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती

हंबनतोता (वार्ता)

श्रीलंका महिला टीम ने पाकिस्तान महिला टीम के खिलाफ 24 साल में अपनी पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत हासिल की। उन्होंने तीसरा मैच शानदार ढंग से जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

तीन दिनों में दूसरी बार, श्रीलंका के टॉप ऑर्डर ने आसानी से आठ विकेट से जीत हासिल की, हालांकि मंगलवार (28 जुलाई) को सीरीज के निर्णायक मैच में लक्ष्य का पीछा करना काफी आसान रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए, पाकिस्तान को दूसरे ओवर में ही तीन बड़े झटके लगे। अपना सिर्फ़ पांचवां वनडे खेल रही चेतना विमुक्ति ने टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया। दो ओवर के बाद, पाकिस्तान का स्कोर 10/3 हो गया।

इसके बाद, पहले मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहीं गुल फिरोजा ने मुनीबा अली के साथ मिलकर धीमे लेकिन भरोसेमंद तरीके से पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर 68 रन जोड़े, जिसके बाद चामरी अथापट्टू ने इस साझेदारी को तोड़ा और फिरोजा को आउट करके अपने तीन विकेटों में से पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद नजीहा अल्वी ने मुनीबा के साथ मिलकर थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन मुनीबा के आउट होते ही टीम का दूसरा पतन शुरू हो गया। 110/4 के स्कोर से टीम लड़खड़ाकर 146/7 पर आ गई।

अगर कप्तान फातिमा सना ने 41 रन न बनाए होते, तो टीम का स्कोर और भी कम हो सकता था। साथ में किसी का खास सहयोग न मिलने के बावजूद, उन्होंने टीम को 200 के करीब पहुंचाया, लेकिन अथापट्टू और कविशा दिलहारी ने 40वें ओवर तक बाकी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। मेजबान टीम को सीरीज जीतने के लिए 188 रनों का लक्ष्य मिला।

एलएंडटी की पहली तिमाही का मुनाफा बढ़ा

मुंबई (वार्ता)

निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 4,123 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत ऊपर है। एलएंडटी के निदेशकमंडल की बैठक के बाद मंगलवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की गयी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल राजस्व सात फीसदी बढ़कर 67,942 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान समूह को मिलने वाले ऑर्डरों में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.08 लाख करोड़ हो गयी। कंपनी ने बताया कि आलोच्य तिमाही में अंतरराष्ट्रीय कारोबार से प्राप्त उसका राजस्व 34,393 करोड़ रुपये रहा। यह कुल राजस्व का 51 प्रतिशत है। इस दौरान प्राप्त ऑर्डरों में अंतरराष्ट्रीय कारोबार का योगदान 56 प्रतिशत (60,702 करोड़ रुपये) रहा। एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस.एन. सुब्रमण्यम् ने परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भू-राजनैतिक अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में चालू वित्त वर्ष की शुरुआत हुई है। कंपनी ने विभिन्न सेक्टरों और भौगोलिक क्षेत्रों पर अपना फोकस रखते हुए मजबूत नकदी प्रवाह के साथ गति बनाये रखी है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने मौजूदा वैश्विक माहौल में मजबूती दिखायी है।

एनटीपीसी के सीएमडी को मिला छह महीने का कार्यकाल विस्तार

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 31 जुलाई का समाप्त हो रहा था। छह महीने का विस्तार 01 मई 2026 से प्रभावी होगा। महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त एनटीपीसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि राष्टपति ने सीएमडी के रूप में श्री सिंह को छह महीने के लिए या इस पद पर नियमित भर्ती होने तक या अगले आदेश तक के लिए अनुबंध के आधार पर सेवा विस्तार दिया है। श्री सिंह वर्ष 2016 से एनटीपीसी के सीएमडी के पद पर हैं। उससे पहले वह गुजरात राज्य विद्युत कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर थे।

औद्योगिक उत्पादन जून में 7.3 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)। खनन को छोड़कर अन्य क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मंगलवार को सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत बढ़ गया। पिछले साल जून में आईआईपी 2.2 प्रतिशत और इस साल मई में 5.0 प्रतिशत रहा था। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जून में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत, बिजली एवं गैस आपूर्ति की 10.6 फीसदी और जलापूर्ति, सीवरेज तथा अपशिष्ट प्रबंधन की 6.1 प्रतिशत रही। वहीं, खनन क्षेत्र में एक फीसदी की वृद्धि देखी गयी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अप्रैल-जून के दौरान आईआईपी 5.8 प्रतिशत ऊपर दर्ज किया गया। इस दौरान, विनिर्माण 6.3 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन का सूचकांक छह फीसदी बढ़ा जबकि खनन क्षेत्र में 1.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। एनएसओ ने बताया कि जून में विनिर्माण क्षेत्र के 23 में से 19 उपवर्गों के सूचकांक बढ़े हैं। शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वालों में बिजली के उपकरण (34 प्रतिशत वृद्धि), मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी ट्रेलर (17.5 प्रतिशत) तथा खाद्य पदार्थों के विनिर्माण (10.8 प्रतिशत) का स्थान रहा। उद्योग समूह की वृद्धि में वाहन उद्योग और वाहनों के कलपुर्जा उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बाजार में सीमित उतार-चढ़ाव के बीच प्रमुख सूचकांकों में हल्की गिरावट

आईटी शेयरों में दिखा निवेशकों का आकर्षण

मुंबई, (वार्ता)। देश के शेयर बाजार में मंगलवार को बिकवाली के दबाव में हल्की गिरावट दर्ज की गयी और बीएसई सेंसेक्स 69.86 अंक (0.09 प्रतिशत) गिर कर 76,765.92 अंक तथा नेलशन स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 10.60 अंक (0.04 प्रतिशत) घट कर 23985.35 अंक पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह लगातार पांच दिन की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में तेजी दर्ज की गयी थी और सेंसेक्स 776.01 अंक (1.02 प्रतिशत) तथा निफ्टी 228.50 अंक (0.96 प्रतिशत) चढ़ा था। बाजार में आज सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में कुल मिला कर तेजी का रुख दिखा जबकि बैंकिग और विद्युत कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा। त्वरित उपभोक्ता उद्योग में मिला जुला रुख देखा गया। सीमित उतार चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स सुबह करीब करीब कल के ही स्तर 76,831.75 अंक पर खुला और ऊपर में 76,988.48 तथा नीचे में 76,672.77 अंक तक जाने के बाद अंत में 76,765.92 अंक पर बंह हुआ जो कल की तुलना में 69.86 अंक यानी 0.09 प्रतिशत नीचे है। कल सेंसेक्स 76,835.78 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में 30 में 17 शेयर लाभ में और 13 गिरावट में रहें । सेंसेक्स के लाभ में रहे प्रमुख शेयरों में आईटीसी 4.47 प्रतिशत लाभ में रहा जबकि इटरनल में 4.02 प्रतिशत की तेजी देखी गयी। टेक महिंद्रा और इन्फोसिस में क्रमशम 3.86 प्रतिशत और 2.47 प्रतिशत लाभ दर्ज किया गया। गिरावट में रहे शेयरों में हिंदुस्तान यूनीलीवर 6.97 प्रतिशत टूट गया। बीईएल, एनटीपीसी , पावर ग्रिड में भी तेज गिरावट दर्ज की गयी। नेशलन स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 23,971.25 पर खुल कर ऊपर में 24,041.15 और नीचे में 23,954.60 अंक तक जाने के बाद अंत में कल के बंद की तुलना में 10.60 अंक (-0.04 प्रतिशत) घट कर 23,985.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाइ थमने और कच्चे तेल के भावों में तेज गिरावट दिखने से बाजार में कल तेज सुधार दर्ज किया गया। बाजार के मंगलवार के वातावरण पर टिप्पणी करते हुए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वेल्थ मैनेजमेंट डिवीज के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा , भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान के साथ सीमित दायरे (रेंज-बाउंड) में कारोबार जारी रहने की उम्मीद है। इसकी प्रमुख वजह पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में नरमी है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है। साथ ही, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार गिरावट भी घरेलू बाजार के लिए सहायक बनी हुई है।

होमस्टे को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन और वन विभाग मिलकर कार्य करें

मुख्यमंत्री ने की मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और उनके बेहतर संचालन के लिए पर्यटन विभाग, वन तथा संस्कृति विभाग के साथ समन्वय कर गतिविधियों का संचालन करें। इससे ग्रामीण और वनांचल में स्थित होमस्टे को प्रोत्साहित करने में भी मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यटन विकास निगम द्वारा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों के लिए जारी होने वाली अनुमतियों में विलंब नहीं हो। प्रत्येक स्तर पर त्वरित, सुगम और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैयाराजा टी. तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सभी बड़े शहरों में कन्वेंशन सेंटर विकसित किए जाएं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग तथा ग्रीनफील्ड के पास विकसित होने वाले मार्ग सुविधा केन्द्रों के साथ हॉस्पिटल, ट्रामा सेंटर, पेट्रोल पम्प, चार्जिंग स्टेशन आदि की व्यवस्था की जाए। इनका संचालन पीपीपी मोड पर करने के संबंध में भी विचार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी बड़े शहरों में निजी निवेश को प्रोत्साहित कर कन्वेंशन सेंटर विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए आस्था से जुड़े सभी स्थानों तक आवागमन और वहां की व्यवस्था बेहतर बनाने में हरसंभव सहयोग दिया जाए।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के लिए भी कार्यवाही जारी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन में आरंभ हो रही कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा मार्ग पर प्रत्येक 15-20 कि.मी. पर भोजन-प्रसादी आदि की व्यवस्था हो। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए सुविधा केन्द्रों की व्यवस्था भी की जाए। इस व्यवस्था में धार्मिक संस्थाओं से सहयोग और जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगोरिया मध्यप्रदेश का विलक्षण उत्सव है, अगले वर्ष के भगोरिया की तिथियां अभी से जारी कर इसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के लिए भी कार्यवाही जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में 29 जुलाई 2026 बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव वन्य जीव संरक्षण के लिये प्राप्त वाहनों का लोकार्पण एवं वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभागीय प्रकाशनों का विमोचन, सक्रिय वन्य जीव प्रबंधन से संबंधित वृत्त चित्रों के टीजर रिलीज और राज्य वन्य प्राणी बोर्ड के पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित सदस्यों का अभिनन्दन भी करेंगे।

डॉ. यादव ने कॉफी टेबल बुक एमपीआरडीसी: कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का किया विमोचन

प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिक सड़क संपर्क और सतत् प्रगति को प्रदर्शित करती है पुस्तक

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉफी टेबल बुक एमपीआरडीसी-कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का मंत्रालय में विमोचन किया। यह पुस्तक लोक निर्माण विभाग और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा, प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिक सड़क संपर्क और सतत प्रगति की प्रेरणादायक यात्रा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इकोनॉमिक टाइम्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से तैयार की गई है। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। यह कॉफी टेबल बुक, विभाग की उपलब्धियों, नवाचारों और भविष्य की विकास दृष्टि का एक समग्र दस्तावेज है। पुस्तक प्रदेश के विकास में लोक निर्माण विभाग व मध्य प्रदेश सड़क सड़क विकास निगम की भूमिका और योगदान को रेखांकित करते हैं।

पुस्तक में विभाग द्वारा क्रियान्वित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का आकर्षक और तथ्यपरक विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस में विशेष रूप से हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल पर विकसित परियोजनाएं, एक्सप्रेस हाईवे, प्रमुख सड़क, फ्लाय ओवर्स एवं पुल निर्माण कार्य का उल्लेख किया गया है। प्रदेश के प्रमुख आर्थिक, औद्योगिक, धार्मिक व पर्यटन केंद्रों को जोड़ने वाली सड़क परियोजनाओं की प्रगति, प्रभाव और विकास यात्रा,नवीन एवं अभिनव पहल तथा विभाग द्वारा अपनाए गए आधुनिक तकनीकी एवं परियोजना प्रबंधन उपायों को भी पुस्तक में शामिल किया गया है। कॉफी टेबल बुक में लोक निर्माण विभाग व मध्यप्रदेश सड़क सड़क विकास निगम की भावी योजनाओं एवं भविष्य के रोडमैप को भी समाहित किया गया है।

ग्रीन हाइड्रोजन समेत स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे क्रिस्प और मैनिट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के बीच ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कौशल विकास, अनुसंधान एवं स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विजन के अनुरूप देश में ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन तथा कार्बन न्यूट्रल तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस सहयोग के माध्यम से युवाओं, उद्योगों और तकनीकी संस्थानों को भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। एम.ओ.यू के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से विद्यार्थियों, फैकल्टी, उद्योगों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के लिए

प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, औद्योगिक परामर्श सेवाएं तथा तकनीकी परियोजनाओं का संचालन करेंगे। साथ ही तकनीकी शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों की प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास तथा अनुसंधान गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। साझेदारी के अंतर्गत विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया और डीकार्बोनाइजेशन तकनीकों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा आईटीआई के प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों, तकनीकी कर्मचारियों तथा किसानों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

बिजली कटौती से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

हटा विद्युत सब स्टेशन का घेराव

नशे में मिला ऑपरेटर पुलिस ने कराया मेडिकल

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा ब्लॉक के ग्रामीण अंचलों में लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार देर रात हटा विद्युत सब स्टेशन का घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने पर जानकारी लेने के लिए फोन करने पर विद्युत विभाग के एक कर्मचारी ने अभद्रता की और चुनौतीपूर्ण व्यवहार किया जिससे लोगों का आक्रोश बढ़ गया। जानकारी के अनुसार हारट, भटिया, बिजोरी, सगौनी, पेरवारा, रनेह सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोग बड़ी संख्या में हटा विद्युत सब स्टेशन पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर मौजूद ऑपरेटर निलेश मिश्रा शराब के नशे में मिला। सूचना मिलने पर हटा थाना पुलिस एवं डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस जब संबंधित ऑपरेटर को थाने ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने विरोध करते हुए पहले उसका चिकित्सीय परीक्षण मेडिकल कराने की मांग की। इसके बाद पुलिस ने ऑपरेटर को सिविल अस्पताल हटा भेजकर मेडिकल कराया। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। मामले को लेकर विद्युत विभाग की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था में सुधार और संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

108 न मिलने से रास्ते में हुई महिला की डिलीवरी नवजात शिशु की हुई मौत, परिजनों का आरोप

हटा पहुंचने पर खड़ी थी दो एंबुलेंस उन्हें कर दिया मना

हटा (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के हटा में एक बार फिर गर्भवती महिला को 108 एंबुलेंस की सुविधा न मिलने से निजी वाहन से लाते समय रास्ते में महिला की डिलीवरी हो गई और 5 मिनट बाद नवजात शिशु ने दम तोड़ दिया। महिला को इलाज के लिए हटा से सिविल अस्पताल लाया गया। परिजनों का आरोप है कि जब वह अस्पताल पहुंचे तो दो एंबुलेंस वहां पर खड़ी थी लेकिन उन्हें एंबुलेंस ना होने की बात कही गई। परिजनों ने वीडियो जारी कर कलेक्टर से भी कहा है कि वह इस गंभीर लापरवाही पर ध्यान दें ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं में कुछ सुधार हो सके। हटा ब्लॉक के पिपरिया मिश्र निवासी 22 वर्षीय गर्भवती महिला रोशनी लोधी के पति टंडन सिंह लोधी ने बताया कि सोमवार रात से पत्नी को प्रसव पीड़ा हो रही थी। सुबह 4:30 बजे उन्होंने 108 एंबुलेंस को फोन लगाया तो कॉल सेंटर से बताया गया कि 25 मिनट में आपके पास एंबुलेंस पहुंच जाएगी लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। उन्होंने फिर फोन लगाया लेकिन डेढ़ घंटे तक एंबुलेंस नहीं

आई और जब उन्होंने तीसरी बार फोन लगाया तो उनसे कह दिया कि एंबुलेंस अभी उपलब्ध नहीं है। इसके बाद उन्होंने भटिया गांव से एक निजी वाहन को किराए पर लिया और पत्नी को डिलीवरी के लिए हटा सिविल अस्पताल लेकर आ रहे थे। लेकिन लुहारी गांव के समीप पत्नी की डिलीवरी हो गई और उन्होंने नवजात शिशु को जन्म दिया। जन्म के 5 मिनट बाद ही नवजात शिशु की भी मौत हो गई। जब वह सुबह छह बजे हटा सिविल अस्पताल पहुंचे तो यहां पर दो एंबुलेंस खड़ी थी और जांच के बाद डॉक्टरों ने भी नवजात शिशु को मृत घोषित कर दिया। पत्नी का इलाज चल रहा है। पति का आरोप है कि एंबुलेंस हटा अस्पताल में उपलब्ध होने के बावजूद भी उन्हें मना कर दिया गया और निजी वाहन से लाते समय देरी हो जाने के चलते नवजात शिशु की मौत हो गई। महिला की यह दूसरी डिलेवरी है। पहली डिलेवरी में लड़की हुई थी जो 2 वर्ष की है।

महिला के ससुर कोमल सिंह लोधी ने बताया कि समय पर 108 एंबुलेंस ना मिलने से वह बहू को निजी वाहन से हटा अस्पताल लेकर आ रहे थेए लेकिन रास्ते में डिलीवरी हो जाने से नवजात शिशु की मौत हो गई। उन्होंने कलेक्टर से भी कहा है कि इस लापरवाही पर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। क्योंकि यदि मरीज को स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलेगी तो इस प्रकार की सुविधाओं को देने का दावा करने का क्या फायदा। आपको बता दें इसके पहले भी जबेरा ब्लॉक के बमोरी गांव में एक गर्भवती महिला को 108 एंबुलेंस ना मिलने पर यात्री प्रतीक्षालय में ही महिला ने नवजात शिशु को जन्म दिया था। इसके बाद निजी वाहन से महिला को स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया था। हालांकि कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया था और शासन स्तर पर 108 सेवा देने वाली कंपनी पर कार्रवाई के लिए लिखा था और वहां से कंपनी पर 2 लाख 35000 रुपए का जुर्माना लगाया गया था। अब एक बार फिर एक गर्भवती महिला को 108 एंबुलेंस वाहन की सुविधा नहीं मिली। वही इस लापरवाही पर जबाब देने के लिए कोई जिम्मेदारी सामने नही आ रहा है।

युवराज बाघ का खिवनी अभ्यारण से वन विहार तक का सफर

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

युवराज बाघ का जन्म लगभग एक दशक पूर्व खिवनी अभ्यारण में हुआ था। जन्म के 2 वर्ष पश्चात् यह लगातार खिवनी अभ्यारण के पर्यटन क्षेत्र में पर्यटकों को दिखता रहा। वयस्क अवस्था में यह खिवनी अभ्यारण की राधा (बाघिन) एवं मीरा (बाघिन) के साथ भी रहा और उसने खिवनी अभ्यारण में बाघों का कुनवा बढ़ाने में विशेष योगदान दिया।

जून के तीसरे सप्ताह के अन्त में उसकी टेरीटरी में युवा बाघ आ जाने के कारण उसकी लड़ाई युवा बाघ से हुई। जिस कारण यह अत्यंत घायल हुआ, फलस्वरूप यह चल-फिर नहीं पा रहा था। उसकी इस अवस्था को देखते हुए वन विभाग द्वारा उसको पकड़ने का निर्णय लिया गया और दिनांक 27 जून को विपरीत परिस्थितियों में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल की रेस्क्यू टीम के अथक प्रयासों से युवराज बाघ को रेस्क्यू कर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल लाया गया। 6 दिन बाद उसको (युवराज) बेहोश कर उसका सघन स्वास्थ्य परीक्षण एवं एक्स-रे किया गया। गहन परीक्षण में पाया गया कि उसके आगे के दोनों पैरों में एवं पिछले बांए पैर में गहरे घाव थे एवं एक्सरे से पता चला कि उसके आगे के दोनों पंजों में फेक्चर है। पिछले बांए पैर में घाव गहरा होने के कारण 6 टांके भी लगाये गये हैं। बाघ की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाकर उसका सतत उपचार किया जा रहा है। लगभग 1 महीने पश्चात् उसने गुणात्मक सुधार भी परिलक्षित हो रहा है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान से जनसंवाद और सुशासन को मिलेगा नया आयाम

जनता से सीधे जुड़कर समस्याओं का करेंगे शत-प्रतिशत निराकरण : डॉ. यादव

7 अगस्त से शुरू होकर 8 जनवरी 2027 तक चलेगा अभियान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव स्थापित करने और समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होगा। 8 जनवरी 2027 तक संचालित होने वाले इस अभियान में मंत्री, मुख्य सचिव, वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि नियमित रूप से मैदानी भ्रमण कर आमजन से संवाद करेंगे, समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे तथा शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष आकलन करेंगे।

सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने की पहल - मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के साथ-साथ मैदानी स्तर से प्राप्त फीडबैक के आधार पर प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य केवल शिकायतों का निराकरण करना नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास एवं सहभागिता को मजबूत करते हुए सुशासन की अवधारणा को व्यवहार में उतारना है।

प्रत्येक शुक्रवार जनता के बीच रहेगा प्रशासन - अभियान के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को प्रदेशभर में विशेष फील्ड भ्रमण किया जाएगा। इस दिन अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित नहीं होंगी तथा पूरा दिन केवल मैदानी भ्रमण, जनसंवाद एवं समस्याओं के निराकरण के लिए समर्पित रहेगा। भोपाल से लेकर संभाग एवं जिला स्तर तक सभी वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, मुख्य सचिव तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे और शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। जिला कलेक्टर प्रत्येक भ्रमण क्षेत्र का चयन एक सप्ताह पूर्व करेंगे तथा इसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों को देंगे।

भ्रमण से पहले होगी लंबित प्रकरणों की समीक्षा - भ्रमण से पूर्व संबंधित क्षेत्र में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर उनके शत-प्रतिशत निराकरण का प्रयास किया जाएगा। भ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का भी यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। भ्रमण से पूर्व एवं भ्रमण के बाद लंबित प्रकरणों की तुलना कर जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा तथा अभियान की नियमित समीक्षा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव स्तर पर की जाएगी।

जन संवाद और उद्योग संवाद पर रहेगा विशेष फोकस - प्रत्येक शुक्रवार जिला कलेक्टर अपने जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड भ्रमण करेंगे। इस दौरान जन संवाद एवं उद्योग संवाद आयोजित किए जाएंगे। उद्योग संवाद में वृहद, एमएसएमई तथा कुटीर उद्योगों से जुड़े उद्यमियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न जिलों का भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री के भ्रमण वाले जिले में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। अभियान के प्रथम चरण में अगस्त माह के लिए बड़वानी, सीधी, श्योपुर तथा पांढुर्ना जिले निर्धारित किए गए हैं।

प्रमुख विषयों पर होगी व्यापक समीक्षा - अभियान के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की लंबित शिकायतों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारे, न्यायालयीन आदेशों के पालन, किसान फार्मर आईडी निर्माण, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी की ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आंगनवाड़ी सेवाओं, स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों, खाद-बीज उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की व्यापक समीक्षा कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

शासकीय संस्थानों और सार्वजनिक परिसंपत्तियों का होगा निरीक्षण - इसके साथ ही सड़कों, तालाबों, अमृत सरोवरों, बांधों, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं, शासकीय भवनों तथा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। आईटीआई, मेडिकल कॉलेज, प्राथमिक सहकारी समितियों, तहसीलों, कृषि उपज मंडियों, मदिरा दुकानों, पुलिस थानों, लोक सेवा केन्द्रों, शासकीय देवस्थानों एवं औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया जाएगा।

कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी विशेष नजर -अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंच रहा है अथवा नहीं, इसका भी आकलन किया जाएगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर चिन्हित प्रमुख समस्याओं, शिकायतों एवं चुनौतियों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा।

नि:शुल्क दर्द निवारक शिविर आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। स्व. कमल कुमार जैन की पुण्यतिथि पर सम्यक हेल्थ केयर सेंटर आशीर्वाद गार्डन के पास आज 29 जुलाई को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक नि:शुल्क दर्द निवारक शिविर का आयोजन किया जा रहा है।उक्त विज्ञप्ति डॉ. अकलेश जैन ने प्रसारित करते हुए बताया कि शिविर में जबलपुर के चिकित्सक रमेश चड्डा जो दुर्लभ जड़ बूटियों के लेप के माध्यम से लकवा घुटनों का दर्द साइटिका का नि:शुल्क इलाज करेंगे। इस शिविर में जबलपुर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राहुल राजपूत जो फ्रोजन शोल्डर, सवाईकल दर्द, घुटनों का दर्द के उपचार के साथ डॉ. शिवानी सोनी, डॉ. अकलेश जैन उपचार में उपनी सेवाएं देगें।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक A 770 श्रीमती कृष्णावंती वाधवा पति स्व. श्री सत्यपाल वाधवा एवं श्री हरदीप वाघवा पिता स्व. श्री सत्यपाल वाधवा को संयुक्त नाम से आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.07.2022 को निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड के सह आवंटी श्रीमती कृष्णावंती वाघवा की मृत्यु दिनांक 10.04.2026 को हो गयी है। अतः उक्त संपत्ति को एकल नाम से करवाने हेतु श्री हरदीप वाधवा पिता स्व. श्री सत्यपाल वाधवा ने आवेदन संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति को एकल नाम से नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गोविंद भवन कॉलोनी जबलपुर स्थिति भवन क्रमांक सिनियर एम.आई.जी. - 62 श्रीमती दुर्गा रानी शर्मा पति श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा के नाम आवंटित है, को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 24.05.2007 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती दुर्गा रानी शर्मा पति श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 13.10. 2025 के माध्यम से श्रीमती अर्चना मिश्रा पति श्री अमरेश मिश्रा को विक्रय किया है। अतः श्रीमती अर्चना मिश्रा पति श्री अमरेश मिश्रा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/ भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	न.निज.प्रकाश 2026-27/03/पीआरओ 441 दिनांक 28/7/2026	SITC OF DECORATIVE LIGHT AT GOUR BRIDGE, JABALPUR	6 माह एवं 2933821.00	5,000,00/- एवं 22004.00	10/8/2026 (2ND CALL)

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपाल यंत्री (विद्युतीय)
नगर पालिक निगम, जबलपुर

जबलपुर रेल मंडल के कर्मचारी ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

यात्री को लौटाया कीमती सामान और वॉलेट

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । जबलपुर रेल मंडल में सराहनीय मामला सामने आया, जहाँ ऑन-ड्यूटी रेलकर्मी ने अपनी ईमानदारी और सतर्कता से यात्रियों को उनका खोया हुआ कीमती सामान वापस लौटाकर एक मिसाल पेश की है। घटना गाड़ी संख्या 22937 की है, जहाँ टीटीई कंडक्टर संजय तिवारी को कोच के वॉशरूम में एक लावारिस वॉलेट मिला। उन्होंने तुरंत रिजर्वेशन चार्ट और यात्रियों से पूछताछ कर वॉलेट के असली मालिक की पहचान की। यह वॉलेट कोच ए -1 की बर्थ संख्या 43 पर यात्रा कर रहे यात्री चेतन कोटक का था।

जाम से निजात पाने एसपी से मिले सामाजिक संगठन

घमापुर फ्लाईओवर निर्माण के लिए सरकार को भेजेंगे पत्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । अधारताल और घमापुर क्षेत्र में रोजाना लग रहे भीषण ट्रैफिक जाम से परेशान नागरिकों की समस्या को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय से विस्तृत चर्चा की। बातचीत के दौरान एसपी ने स्वीकार किया कि इस मार्ग पर यातायात सुचारू करने के तमाम प्रयास विफल रहे हैं और अब घमापुर फ्लाईओवर ही इसका एकमात्र स्थायी समाधान है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शहरवासियों की सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन जल्द ही राज्य सरकार को इस संबंध में प्रस्ताव भेजेगा। डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि घमापुर फ्लाईओवर का मुद्दा पिछले आठ सालों से अधर में अटका हुआ है।

पूरे बैंक खाते पर नहीं, सिर्फ विवादित रकम पर ही लगेगी रोक

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 2.51 करोड़ का खाता फ्रीज करने पर जताई नाराजगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हाईकोर्ट जबलपुर ने भोपाल की रहने वाली महिला कारोबारी अर्चना शिवहरे के बैंक खाते में मौजूद 2.51 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को महज 980 रुपए के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन के आधार पर फ्रीज किए जाने के मामले में अहम फैसला सुनाया है। साइबर पुलिस की इस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने प्रदेशभर के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियां पूरे बैंक खाते को फ्रीज करने के बजाय, जहां तक संभव हो, केवल विवादित राशि पर ही लियन या डेबिट फ्रीज लगाएं। पूरे खाते को फ्रीज करना अंतिम और असाधारण परिस्थिति में ही अपनाया जाने वाला कदम होना चाहिए। जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि संदिग्ध लेन-देन की राशि सीमित है, तो पूरे खाते पर रोक लगाना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियों को कथित अपराध से जुड़ी राशि और खाते में मौजूद वैध धनराशि के बीच अंतर करना चाहिए तथा केवल उतनी ही रकम पर रोक लगानी चाहिए, जितनी जांच के लिए आवश्यक हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस मामले में की, जिसमें 980 रुपए के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन के आधार पर 2,51,72,192.57 रुपए वाले पूरे चालू खाते को फ्रीज कर दिया गया था।

980 रुपए के संदिग्ध ट्रांजेक्शन पर फ्रीज किया एकाउंट

जानकारी अनुसार भोपाल निवासी याचिकाकर्ता अर्चना शिवहरे नरसिंहपुर जिले में सात कंपोजिट शराब दुकानों की लाइसेंसधारी हैं। इन सभी दुकानों का वित्तीय लेन-देन उनके एक ही चालू बैंक खाते के माध्यम से होता है। अप्रैल 2026 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की इटारसी शाखा ने बिना किसी पूर्व सूचना के उनका बैंक खाता फ्रीज कर दिया। बाद में पता चला कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता , 2023 की धारा-106 के तहत दर्ज साइबर अपराध से जुड़ी शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऐश्वर्य साहू ने हाईकोर्ट में दलील दी कि संदिग्ध साइबर लेन-देन की राशि महज 980 रुपए है, जबकि खाते में 2.51 करोड़ रुपए से अधिक जमा हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि यदि जांच के लिए आवश्यक हो तो केवल 980 रुपए की राशि पर रोक लगाई जाए और शेष धनराशि के संचालन की अनुमति दी जाए। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना एक असाधारण कार्रवाई है और इसे सामान्य प्रक्रिया के तौर पर नहीं अपनाया जा सकता। जांच एजेंसी को कथित अपराध से जुड़ी राशि और खाते में मौजूद वैध धनराशि के बीच अंतर करते हुए केवल उतनी ही रकम पर रोक लगानी चाहिए, जितनी जांच के लिए आवश्यक हो।

बैंक भी समझे अपनी जिम्मेदारी

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंक केवल आदेश का पालन करने वाली संस्था नहीं हैं, बल्कि शिकायत निवारण प्रक्रिया का पहला और महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। इसलिए बैंक खाताधारक को खाता फ्रीज करने का कारण, संबंधित जांच एजेंसी की जानकारी और उपलब्ध शिकायत निवारण प्रक्रिया की पूरी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जानी चाहिए। केवल पुलिस या अदालत जाने की सलाह देकर बैंक अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते।

प्रदेश में जारी रहेगी ऑनलाइन खाद वितरण व्यवस्था

प्रदेश में खाद वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को हरी झंडी देते हुए हाईकोर्ट ने इसके खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। मंगलवार को जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश में लागू ई-विकास (डिस्ट्रीब्यूशन एंड एग्रीकल्चर फर्टिलाइजर सप्लाई सॉल्यूशन सिस्टम) को सही ठहराया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और गैर-कृषि उपयोग रोकने के लिए बनाई गई यह व्यवस्था केंद्र सरकार का नीतिगत निर्णय है, जिसमें न्यायालय सीमित परिस्थितियों में ही हस्तक्षेप कर सकता है। दरअसल, कृषि आदान विक्रेता संघ की ओर से दायर याचिका में दलील दी गई थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर रहती है, जिसके चलते खाद वितरण के दौरान किसानों को परेशानी होती है। ई-टोकन प्रणाली लागू होने से इंटरनेट और तकनीकी जानकारी के अभाव में किसानों और उर्वरक विक्रेताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इसे उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के विपरीत बताया गया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल के साथ अधिवक्ता अमन गुप्ता ने पैरवी की। राज्य शासन की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली, जबकि केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता सुयश ठाकुर उपस्थित हुए।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

2680 अधिवक्ताओं ने किया मतदान

29 जुलाई को होगी मतों की गणना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के चुनाव में अधिवक्ताओं ने पूरे उत्साह और लोकतांत्रिक भावना के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुए मतदान में कुल 2680 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने के साथ ही अब सभी की निगाहें 29 जुलाई को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों में परिणामों को लेकर उत्सुकता का माहौल है। चुनाव के दौरान युवा अधिवक्ताओं का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला। बड़ी संख्या में युवा अधिवक्ता मतदान केंद्र पहुंचे और पूरे जोश के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी युवाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए इसे जिला अधिवक्ता संघ के सशक्त एवं सकारात्मक भविष्य का संकेत बताया। अब 29 जुलाई को होने वाली मतगणना के बाद यह स्पष्ट होगा कि अधिवक्ताओं ने किस प्रत्याशी और किस टीम पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। पूरे अधिवक्ता समुदाय की निगाहें अब चुनाव परिणामों पर टिकी हुई हैं।

इस बार जिला अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसके तहत उपाध्यक्ष का एक पद और कोषाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। कार्यकारिणी के कुल 12 सदस्यों में 3 पद महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित हैं। महिला उपाध्यक्ष पद के लिए मधु राणा, वर्षा तिवारी और सुनीता सूद चुनाव मैदान में हैं। चुनावी चर्चाओं में मधु राणा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। महिला कोषाध्यक्ष पद पर नेहा मिश्रा, नीलम दत्त, रेनू वाला और रेणुका शुक्ला के बीच मुकाबला रोचक बना हुआ है।

नाटा 2026 फेज 2 परीक्षा 7 एवं 8 अगस्त को

हितकारिणी आर्किटेक्चर कॉलेज में निःशुल्क पंजीकरण मार्गदर्शन एवं परीक्षा तैयारी की सुविधा उपलब्ध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, नई दिल्ली ने नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर 2026 फेज 2 परीक्षा की तिथियों की घोषणा कर दी है। यह परीक्षा 7 एवं 8 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। देशभर के बीआर्क पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। नाटा,देश की प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों की आर्किटेक्चरल अभिरुचि, रचनात्मकता, तार्किक क्षमता तथा डिजाइन संबंधी समझ का मूल्यांकन किया जाता है। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को देश के विभिन्न मान्यता प्राप्त आर्किटेक्चर संस्थानों में बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम में प्रवेश का अवसर मिलता है।

पंजीकरण का अंतिम अवसर- जिन विद्यार्थियों ने अभी तक नाटा 2026 के लिए पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है। विशेषज्ञों ने अभ्यर्थियों से समय रहते पंजीकरण पूर्ण कर परीक्षा की बेहतर तैयारी करने की सलाह दी है, ताकि वे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश का लाभ प्राप्त कर सकें।

महाकौशल का एकमात्र बीआर्क संस्थान- हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग महाकौशल क्षेत्र का एकमात्र बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर की डिग्री प्रदान करने वाला महाविद्यालय है, जिसे काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, नई दिल्ली से अनुमोदन प्राप्त है तथा यह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध है। संस्थान गुणवत्तापूर्ण आर्किटेक्चर शिक्षा एवं आधुनिक अधोसंरचना के लिए जाना जाता है।

निःशुल्क मार्गदर्शन की सुविधा- महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए नाटा पंजीकरण, प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा की तैयारी तथा करियर काउंसलिंग संबंधी निःशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। अनुभवी फैकल्टी विद्यार्थियों को परीक्षा की रणनीति, अध्ययन सामग्री और प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान कर रहे हैं। निःशुल्क मार्गदर्शन एवं प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए इच्छुक विद्यार्थी आर्कि.समीर बनोधा के मोबाइल नंबर 9926687851 और आर्कि. प्रियंका विरहा के मोबाइल नंबर 9826609208 पर संपर्क कर सकते हैं।

पचेली साहित्य के संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

पचेली काव्य वीथिका का लोकार्पण तथा काव्य गोष्ठी संपन्न

सिहोरा

नगर की साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति, सिहोरा द्वारा रविवार को पचेली साहित्य को समर्पित एक भव्य साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने की, मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे तथा विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह ठाकुर (कटनी) रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन अर्चन उपरांत श्री प्रमोद दाहिया द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात् अतिथियों ने विजय बागरी विजय के संपादन, मदन पेंटर के सहसंपादन तथा राजेंद्र सिंह ठाकुर के अथक प्रयासों से प्रकाशित पचेली काव्य संग्रह पचेली काव्य वीथिका का लोकार्पण किया। इसी अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कौशल दुबे की पचेली काव्य कृति बाबा हरें बतात ते का भी विधिवत लोकार्पण किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने पचेली काव्य वीथिका की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कृति पचेली भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं साहित्यिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने पुस्तक में संकलित रचनाओं की भाषा, भाव एवं लोकजीवन के सजीव चित्रण की सराहना की। इसके पश्चात आयोजित पचेली काव्य गोष्ठी में डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, सुरेश मिश्र विचित्र, डॉ. उदय भानु तिवारी मधुकर, नारायण तिवारी, प्रमोद दाहिया, मुकेश त्रिपाठी, प्रकाश सिंह ठाकुर, इंद्र सिंह राजपूत, श्रीमती आशा अवस्थी, डॉ. अरुणा पाण्डेय, कामराज यादव, विश्वास पटेल, सुशील शर्मा, के. एल. हल्दकार, सुशील जैन, लखन लाल रजक, बालमुकुंद लखेरा, लक्ष्मीनारायण पटेल, चौधरी आशा रहे।

फेसबुक रील से बुजुर्ग साइबर ठगी का शिकार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना क्षेत्र में एक 73 वर्षीय बुजुर्ग ठगी का शिकार हो गए। जालसाजों ने उनके बैंक खाते से 2 लाख 74 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बीटी बंगला निवासी अरुण कुमार श्रीवास्तव (73) का सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में खाता है। उन्होंने बताया कि 2 जून की शाम करीब 5 बजे वे अपने मोबाइल पर फेसबुक रील्स देख रहे थे। इसी दौरान एक ऐप का विज्ञापन आया, जिस पर गलती से क्लिक हो गया और वह ऐप उनके फोन में डाउनलोड हो गया। सके कुछ दिनों बाद, 9 जून को अरुण कुमार को खाते से 97 हजार रुपए निकलने का मैसेज मिला। आशंका होने पर जब उन्होंने अपना बैंक खाता चेक किया, तो पता चला कि जालसाजों ने 7 जून को 80 हजार रुपए, 8 जून को 97 हजार रुपए और 9 जून को फिर 97 हजार रुपए अवैध रूप से ट्रांसफर कर लिए थे। इस तरह कुल 2 लाख 74 हजार रुपए की धोखाधड़ी हुई। जांच में सामने आया कि विज्ञापन के जरिए पीड़ति के मोबाइल में एपीके मैलवेयर डाउनलोड हुआ था, जिसने उनके फोन को पूरी तरह हैक कर लिया था।

संविदा बिजली कर्मियों को बिना परीक्षा मिले नियमित नियुक्ति

कट-ऑफ मार्क्स घटाए जाएं, मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित करने और नई भर्ती प्रक्रिया में न्यूनतम कट-ऑफ अंक घटाने की मांग को लेकर मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने सरकार से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव (ऊर्जा) मनीष सिंह और सीएमडी (पावर मैनेजमेंट कंपनी) विशेष गढ़पाले को पत्र प्रेषित कर संविदा कर्मियों के हित में न्यायसंगत निर्णय लेने का आग्रह किया है। राकेश डी.पी. पाठक ने पत्र में कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिजली कंपनियों में संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है। हालांकि, नए आदेश के तहत संविदा कर्मियों से पुनः परीक्षा लिया जाना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये सभी कर्मचारी 15 वर्षों से बिजली कंपनियों में विधिवत परीक्षा पास करके ही नियुक्त हुए हैं। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से परीक्षा उत्तीर्ण करने और पॉलीटेक्निक कॉलेज से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सेवा में आए कर्मचारियों से दोबारा परीक्षा लेना सरकार के संवेदनशील रवैये और सकारात्मक सोच के विपरीत है। अतः इन्हें बिना शर्त व बिना परीक्षा तुरंत नियमित किया जाना चाहिए।

कोतवाली क्षेत्र भरभराकर गिरा जर्जर मकान

मलबे में दबने से 3 लोग घायल विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अंजलि समोसा के पीछे स्थित एक बेहद पुराना व जर्जर मकान सोमवार को अचानक भरभराकर गिर गया। मकान ढहने से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया और जोरदार आवाज सुनकर लोग दहशत में आ गए। हादसे में मलबे की चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम और आपदा राहत दल तत्काल मौके पर पहुंचा।

स्थानीय नागरिकों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद मलबे में दबे तीनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान लंबे समय से जर्जर हालत में था और अचानक ढह जाने से आसपास भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। पुलिस ने एहतियात के तौर पर घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र को सील कर सुरक्षित कर दिया है। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**